शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 97 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 3 नवंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

इंफाल में भीड़ ने हथियार छीनने की कोशिश की पुलिस ने हवा में गोलियां... पेज 3
कांग्रेस कट, कमीशन व करप्शन वाली पार्टी : अमित शाह पेज 4
मुख्यमंत्री योगी ने हरदोई में 542 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं ... पेज 5
जिसकी खुद की वारंटी नहीं, वह कांग्रेस अब लोगों को गारंटी देने... पेज 8

सुप्रभात

लगातार श्रम करना ही आपकी सफलता का साथी है, इसलिए श्रम को सकारात्मक बनाएं विनाशक नहीं। श्रम एक अपराधी भी करता है, लेकिन उसका लक्ष्य सिर्फ किसी को नुकसान पहुंचाना या फिर उसकी जान लेना ही होता है।

– अब्दुल कलाम

न्यूज गैलरी

मणिपुर : तनावपूर्ण माहौल, कई बाजार रहे बंद

इंफाल। मणिपुर की राजधानी इंफाल में में बुधवार को भीड़ ने मणिपुर पुलिस कार्यालय परिसर का घेराव करने की कोशिश की। वे हथियार लूटने की फिराक में थे। हालांकि, सुरक्षा बलों ने 2,000 से अधिक लोगों की एक बड़ी भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हवा में कई राउंड फायर किए। राजधानी इंफाल में गुरुवार को स्थिति शांत रही लेकिन माहौल तनावपूर्ण बना रहा। इस घटना के बाद शहर में कई बाजार बंद रहे लेकिन शैक्षणिक संस्थान, सरकारी कार्यालय और मणिपुर उच्च न्यायालय सामान्य रूप से काम कर रहे थे जबकि सुबह 10 बजे से कर्फ्यू में ढील के बाद सड़कों पर वाहनों की आवाजाही देखी गई। प्रशासन ने प्रमुख जंक्शनों पर -शेष पृष्ठ दो पर

भूटानी नागरिकों का मेडिकल कॉलेजों में सीट आरक्षित : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को कहा कि भारत और भूटान दोनों एक अद्वितीय संबंध साझा करते हैं जो समय के साथ मजबूत हुआ है और इसे आगे बढ़ाने के लिए राज्य के मेडिकल कॉलेजों में भूटानी नागरिकों के लिए पांच सीटें आरक्षित करने का निर्णय लिया गया है। भूटानी नागरिकों के लिए पांच सीटें आरक्षित करने का असम कैबिनेट का निर्णय शुक्रवार से भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक की यात्रा के साथ मेल खाता है। इस संबंध में राज्य कैबिनेट ने नलबाड़ी मेडिकल कॉलेज, बरपेटा मेडिकल कॉलेज में दो-दो सीटें और बीडीएस (बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी) कॉलेज में एक सीट आरक्षित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। राजा की यात्रा पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शर्मा ने कहा कि असम के लोग शुक्रवार को राज्य की पहली यात्रा पर राजा जिग्मे जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि भारत और भूटान एक अनोखा रिश्ता साझा करते हैं जो समय के साथ मजबूत हुआ है। सदियों से, ज्ञान और शिक्षा इस विशेष बंधन के केंद्र में रहे हैं। शर्मा ने यह भी कहा कि कल, हम असम में, हमारे राज्य की पहली आधिकारिक यात्रा पर महामहिम, भूटान के राजा का स्वागत करने के लिए उत्सुकता से उत्सुक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस यात्रा से दोनों देशों के बीच दोस्ती और गहरी होगी। रॉयल भूटान के राजदूत मेजर जनरल वेत्सोप नामग्याल ने 3 नवंबर से राज्य की भूटान राजा की यात्रा से पहले मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी। पड़ोसी हिमालय साम्राज्य के 43 वर्षीय राजा के साथ रानी जेत्सुन पेमा और उनके दो बेटे राज्य की निजी यात्रा पर आएंगे। शुक्रवार को, राजा और उनका परिवार यहां नीलाचल पहाड़ियों के ऊपर कामाख्या पहाड़ियों का दौरा करेंगे, असम सरकार द्वारा आयोजित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम और राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया द्वारा आयोजित रात्रिभोज में भाग लेंगे। शाही परिवार शनिवार को अपने एक सींग वाले गैंडे के लिए प्रसिद्ध काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान का दौरा करेगा। मुख्यमंत्री शनिवार को उनके सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन करेंगे। राजा और उनका परिवार 5 नवंबर को भूटान लौटेंगे।

सोनोवाल ने किया दुधनै में आयुर्वेदिक अस्पताल का उद्घाटन

दुधनै (हि.स.)। केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने आज ग्वालपाड़ा जिले के दुधनै में 50 बिस्तरों वाले आयुर्वेदिक अस्पताल का उद्घाटन किया। ज्ञात हो कि माजुली के बाद असम में खोला गया यह दूसरा आयुर्वेदिक अस्पताल है। इसमें अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, एक पंचकर्म केंद्र, एक बंधत्व क्लिनिक और एक योग इकाई के अलावा सभी सुविधाओं से सुसज्जित ओपीडी और आईपीडी सेवाएं हैं। दुधनै को को आयुष का प्रमुख केंद्र बनाने के लिए यूएसजी सुविधाओं, एक्स-रे और ईसीजी सुविधाओं के अलावा, उन्नत ऑपरेशन थिएटर, पंचकर्म, एक्स-रे प्रयोगशाला के साथ-साथ लेबर -शेष पृष्ठ दो पर

म्यांमार से आए शरणार्थियों की मांग

एजल। मिजोरम में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में मिजोरम में रह रहे म्यांमार के शरणार्थियों ने उम्मीद जताई है कि नई सरकार उन्हें दो समय का खाना और बच्चों को अच्छी शिक्षा का इंतजाम करे। बता दें कि म्यांमार में साल 2021 में सैन्य तख्तापलट के दौरान भड़की हिंसा के बाद बड़ी संख्या में लोग भागकर मिजोरम आ गए थे। मिजोरम के सिहमुई कैंप में रह रहे म्यांमार के शरणार्थियों ने मांग की है कि नई सरकार उन्हें वैसे ही मदद देती रहे, जैसी मदद सितंबर तक उन्हें मिलती -शेष पृष्ठ दो पर

यूके में खालिस्तानी फंडिंग पर बैन, 50 से ज्यादा अकाउंट फ्रीज

लंदन। कनाडा के अलावा ब्रिटेन में भी खालिस्तान समर्थकों की भारत विरोधी गतिविधियों में बड़ी बढ़ोत्तरी देखी गई है। इसके खिलाफ भारत के कड़े विरोध के बाद ब्रिटेन ने खालिस्तानी आतंकियों पर नकेल कसने के लिए बड़ा कदम उठाया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक द्वारा बनाई गई टास्क फोर्स ने खालिस्तानी फंडिंग पर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पहली बार खालिस्तान को फंडिंग करने वाले 50 से ज्यादा अकाउंट फ्रीज किए गए हैं। ये सभी खाते भारत में प्रतिबंधित बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े हैं। टास्क फोर्स ने खालिस्तान से जुड़े छद्म नाम वाले कथित समाजसेवी संगठनों की लिस्ट भी तैयार की है। टास्क फोर्स ने पाया कि ये संगठन भी खालिस्तानी समर्थकों को आश्रय देते हैं। टास्क फोर्स के सूत्रों के अनुसार आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन करने वाले संगठनों के खिलाफ जल्द ही बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया जाएगा। टास्क फोर्स को लगभग दो महीने पहले ही बनाया गया है। इसमें भारतीय इंटेलिजेंस - एजेंसियों -शेष पृष्ठ दो पर

MCJ®
Beauty With Purity

মানিক চন্দ্ জুৱেলাৰ্চ
MANIK CHAND™
JEWELLERS
GOLD • DIAMOND • PLATINUM

Now, Guwahati Gets Its Grandest Crown Ever In North-East.

Manik Chand Jewellers
Announcing
The Grand Opening Today
Of New Luxurious Showroom
By Daisy Shah (Bollywood Actress)
On 3rd & 4th November 2023
From 12.30pm Onwards

At Times Square Mall,
Ground Floor, R.G. Baruah Road,
Sunderpur,
Guwahati - 781005 (ASSAM)

0361-2203101
+91 9678068936

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

NAME CHANGE

I, Ajit Kumar Maheswari S/O Janki Prasad Maheswari, Resident of 16, SRIMANTA SANKARDEV ROAD, Near Hanuman Mandir, Haibargaon Khutikatia, NAGAON ASSAM-782002 HAVE CHANGED MY NAME FROM AJIT MAHESWARI TO AJIT KUMAR MAHESWARI.
Wide Affidavit certificate No. IN-AS60443801918091V Dated :- 01-Nov-2023 & Notary Dated:- 02-Nov-2023.

NAME CHANGE

I, Sharmila Devi Maheswari W/O: Ajit Kumar Maheswari, Resident of 16,SRIMANTA SANKARDEV ROAD, Near Hanuman Mandir, Haibargaon Khutikatia, NAGAON ASSAM-782002 HAVE CHANGED MY NAME FROM SHARMILA MAHESWARI TO SHARMILA DEVI MAHESWARI.
Wide Affidavit certificate No. IN-AS60444179939456V Dated :- 01-Nov-2023 & Notary Dated :- 02-Nov-2023.

सीआरपीएफ का अपमान करने का कांग्रेस को अधिकार नहीं : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि कांग्रेस ने एक बार फिर से हमारे जवानों पर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों ने देश के लिए शहादत दी और कांग्रेस के नेता कहते हैं कि जवानों की तलाशी ली जाए। मुख्यमंत्री ने ये बातें आज छत्तीसगढ़ के मानपुर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम कभी भी यह नहीं कहते हैं कि सोनिया गांधी का बैग चेक किया जाना चाहिए या राहुल गांधी का बैग चेक किया जाना चाहिए। देश के लिए अपनी जान हथेली पर लेकर तत्पर रहने वाले गरीबों के संतान सीआरपीएफ जवानों को इस प्रकार से कांग्रेस द्वारा अपमान किया जाना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि देश के लिए अपनी जान देने वाले सीआरपीएफ के जवान हमारे गरीब घर के बच्चे ही हैं। कोई टाटा, बिरला या अंबानी – के बच्चे सीआरपीएफ की नौकरी नहीं करते हैं। वहीं, छत्तीसगढ़ के अम्बागढ़ चौकी में एक अन्य चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि शराब की *होम डिलीवरी*– छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार की विशेष योजना है। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल तथा कांग्रेस पार्टी के नेताओं पर अन्य कई आरोप लगाए। उधर मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने एक बड़ा दावा किया है, जिसमें शर्मा ने कहा है कि कांग्रेस, छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल को नेतृत्व पद से हटाने की तैयारी कर रही है। शर्मा छत्तीसगढ़ में भाजपा के लिए चुनाव प्रचार कर रहे हैं। रायपुर में पत्रकारों से बात करते हुए असम सीएम ने कहा कि मेरे पास जो जानकारी है, उसके मुताबिक कांग्रेस ने तय किया है कि भूपेश बघेल का नाम पोस्टर और बैनर से हटाना चाहिए। बीते 10 दिनों से यह शुरू हो गया है। मैं 22 सालों तक कांग्रेस में रहा इसलिए मेरे पास पार्टी की आंतरिक जानकारी रहती है। चुनाव के बाद कांग्रेस, बघेल को नेतृत्व पद से या तो तुरंत हटा देगी या फिर धीरे-धीरे उन्हें हटाया जाएगा। चुनाव आयोग से नोटिस मिलने पर हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि जब मैंने अकबर के खिलाफ बोला तो कांग्रेस ने मेरे खिलाफ शिकायत कर दी। अगर मैंने टीएस सिंहदेव या बघेल के खिलाफ कुछ बोला होता और तब वह शिकायत करते तो बात समझ भी आती। मुझे लगता है कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस के लिए भूपेश बघेल से ज्यादा अहम अकबर है। कांग्रेस को अकबर इतना प्यारा क्यों है? बता दें कि बीती 18 अक्तूबर को छत्तीसगढ़ के कवर्धा में भाजपा के लिए चुनाव प्रचार करते हुए हिमंत विश्व शर्मा ने कवर्धा में कांग्रेस नेता मोहम्मद अकबर पर हमला बोला था। शर्मा ने कहा कि अगर अकबर को नहीं भेजा गया तो माता कौशल्या की भूमि अपवित्र हो जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर एक अकबर कहीं आता है तो 100 अकबरों को बुलाता है। इसलिए जितनी जल्दी हो सके उसे विदा करो नहीं तो माता कौशल्या की धरती अपवित्र हो जाएगी। इस पर कांग्रेस ने शर्मा पर सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग में शिकायत की।

हिमंत और बघेल का प्रचार के दौरान आमना-सामना मिलाया हाथ

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए मतदान दो चरणों में 7 और 17 नवंबर को होना है। इसके लिए सियासी दलों का चुनाव प्रचार अभियान तेज हो गया है। प्रचार के दौरान छत्तीसगढ़ के मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी से अनोखी तस्वीर सामने आई। यहां जब मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा का आमना-सामना हुआ तो दोनों ने एक-दूसरे बातचीत की फिर हाथ मिलाया और प्रचार के लिए निकल गए।

भगवान राम का प्रसाद लेकर 5 को अयोध्या से निकलेगी विहिप

प्रयागराज। अयोध्या में 22 जनवरी को भगवान राम के मंदिर के उद्घाटन के पहले उनका प्रसाद उन 62 करोड़ रामभक्तों तक पहुंचाने की तैयारी है जिन्होंने राम मंदिर के लिए किसी न किसी प्रकार से अपना सहयोग दिया था। इसके लिए विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के 45 सांगठनिक प्रांतों के विशेष पदाधिकारी चार नवंबर तक अयोध्या पहुंच जाएंगे। पांच नवंबर को वे अयोध्या से भगवान राम के प्रसाद के रूप में एक अक्षत कलश लेकर अपने प्रांतों को रवाना होंगे। इस अक्षत प्रसाद को प्रांत से विभाग, विभाग से प्रखंड और अंततः राम भक्तों के घरों तक पहुंचाया जाएगा। इसके माध्यम से देश के पांच लाख गांवों तक पहुंचकर सबको राम मंदिर के उद्घाटन के दिन पूजा-पाठ के जरिए उद्घाटन कार्यक्रम से जोड़ना है। अक्षत कलश कार्यक्रम में शामिल विहिप कार्यकर्ताओं के पास उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए निमंत्रण पत्र भी होंगे। इसे क्षेत्र के गणमान्य लोगों को देकर उद्घाटन कार्यक्रम में उनकी सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। चूंकि, उद्घाटन के दिन अयोध्या में भारी संख्या में लोगों के पहुंचने का अनुमान है, राम मंदिर ट्रस्ट और विहिप ने लोगों से अपील की है कि वे अयोध्या पहुंचने की बजाय अपने स्थानीय मंदिर पर आयोजित कार्यक्रम में ही सहभागिता करें। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने अमर उजाला को बताया कि राम मंदिर के निर्माण के समय लोगों से अंशदान लेने के लिए 44 दिन का एक कार्यक्रम चलाया गया था। विहिप इस कार्यक्रम में देश के 13 लाख गांवों के 62 करोड़ लोगों तक पहुंचने में सफल रहा था। इसके अलावा राम मंदिर के लिए चले आन्दोलन से लेकर इतिहास के अलग-अलग कालखंड में अन्य अनेक लाखों लोगों ने मंदिर निर्माण में अपनी भूमिका निभाई थी। उनका प्रयास है कि राम मंदिर उदघाटन में इन सबकी सहभागिता सुनिश्चित की जाए। इसके लिए अक्षत कलशों के माध्यम से लोगों तक प्रसाद पहुंचाने का काम किया जा रहा है। इस दौरान विहिप कार्यकर्ता सबको 22 जनवरी को राम मंदिर उद्घाटन के दिन अपने आसपास के मंदिरों में पहुंचकर पूजा-अर्चना के कार्यक्रम में सहभागी बनने की अपील करेंगे।

कांग्रेस और विकास में छत्तीस का आंकड़ा : प्रधानमंत्री

कांकेर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा के समर्थन में जो आंधी चल रही है, वह कांकेर में भी दिख रही है। भाजपा का संकल्प छत्तीसगढ़ के लोगों को सशक्त कर छत्तीसगढ़ को देश के समृद्ध राज्यों में लाने का है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और विकास में छत्तीस का आंकड़ा है, जहां कांग्रेस रहेगी, वहां विकास हो ही नहीं सकता। प्रधानमंत्री मोदी गुरुवार को जिले के गोविंदपुर में भाजपा की विजय संकल्प रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि तीस टका कका, आपका काम पक्का वाली सरकार को बाहर करना है। आपने बीते पांच वर्ष में कांग्रेस सरकार की नाकामी देखी है, इन वर्षों में कांग्रेस के नेताओं की कोठियां, उनके बंगले, उनकी कारें, इन्हीं का विकास हुआ है। कांग्रेस के नेताओं के बच्चों और उनेक रिश्तेदारों को ही फायदा हुआ। कांकेर के, बस्तर के गरीब, दलित, पिछड़े, आदिवासी परिवारों को क्या मिला? छत्तीसगढ़ के लोगों को कांग्रेस ने टूटी-फूटी सड़कें दी हैं। मोदी ने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार में सरकारी दफ्तरों में घूसखोरी का नया रिकॉर्ड बना है। प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव में भाजपा उम्मीदवारों को जिताने की अपील करते हुए कहा कि बीते नौ वर्षों के दौरान केंद्र की भाजपा सरकार का एक ही लक्ष्य रहा है। गरीब का कल्याण, आदिवासी का कल्याण, इसलिए हमने पक्के मकान की योजना बनाई। अभी तक देशभर में चार करोड़ से अधिक लोगों को पक्का मकान मिल चुका है, लेकिन छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार अड़ंगा डाल रही है। मैं आज आपको वादा करता हूं, छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री आवास के काम को और तेज किया जाएगा। मोदी ने कहा कि भाजपा सरकार ने बीते सालों में जन औषधि केंद्र खोले हैं, ताकि गरीब को सस्ती दवाएं मिल सके।

बीएचयू में छात्रा से छेड़खानी, सड़क पर उतरे हजारों स्टूडेंट्स

वाराणसी। वाराणसी स्थित काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के परिसर में बुधवार देर रात अपने दोस्त के साथ घूम रही भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) की एक छात्रा से कुछ बदमाशों ने छेड़छाड़ की और उसे कथित रूप से निर्वस्त्र कर उसका वीडियो भी बना लिया। इस घटना को लेकर सैकड़ों विद्यार्थियों ने गुरुवार को राजपूताना हॉस्टल के सामने धरना-प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि इस घटना में बाहरी तत्व शामिल थे लिहाजा परिसर में बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक लगाई जाए। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने घटना को लेकर सरकार पर हमला करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्वाचन-क्षेत्र में एक छात्रा का अपने ही शिक्षण-संस्थान के भीतर निर्भय होकर पैदल चलना अब संभव नहीं रहा। आईआईटी के जनसम्पर्क विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि छात्रों का विरोध प्रदर्शन अब भी जारी है और उन्होंने आज पूरी तरह से कक्षाओं का बहिष्कार किया है। प्रदर्शनकारी छात्रों की मांग है कि परिसर में सुरक्षा मुहैया करवाई जाए और छात्रा के साथ छेड़छाड़ करने वाले बदमाशों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पुलिस सूत्रों मुताबिक, पीड़ित छात्रा ने लंका थाने में दी तहरीर में बताया है कि बुधवार रात वह अपने आईआईटी छात्रावास से निकली थी और कुछ ही दूरी पर उसका एक दोस्त उसे मिल गया तथा दोनों कर्मन बाबा के मंदिर के पास पहुंचे तभी एक बाइक पर सवार तीन लोगों ने उन्हें रोक लिया। पीड़िता ने बताया कि बदमाशों ने उसे उसके दोस्त से अलग कर दिया और फिर उसका मुंह दबा कर उसे कोने में ले गए और उसे निर्वस्त्र कर वीडियो बनाया और फोटो खींचे। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि बदमाशों ने करीब 15 मिनट तक उसे बंधक बनाए रखा और फिर वे उसका मोबाइल नम्बर लेकर भाग गए। लंका पुलिस ने बताया कि छात्रा की तहरीर पर अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय दंड विधान की धारा 354 (स्त्री लज्जा भंग करना), 506 (धमकी देना) और आईटी अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपियों की पहचान की जा रही है। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने इस घटना को लेकर सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर कहा कि बनारस में आईआईटी, बीएचयू की एक छात्रा पर यौन आक्रमण हुआ है। विश्वविद्यालय परिसर में, उस छात्रा के साथ जोर-जबर्दस्ती और दिल दहला देने वाली हिंसा की गई है। निर्लज्ज हमलावरों ने घटना का वीडियो भी बना लिया है।

नीतीश ने 25 हजार शिक्षकों को बांटे नियुक्ति पत्र

पटना (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने पटना के गांधी मैदान में गुरुवार को 25 हजार शिक्षकों को नियुक्ति पत्र बांटा। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि पूर्व के नियोजित शिक्षकों को भी सरकारी दर्जा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नियोजित शिक्षकों को पैसा तो दे ही रहे हैं। हम सोच रहे हैं कि एक मामूली परीक्षा लेकर नियोजित शिक्षकों को सरकारीकरण कर दें। शिक्षकों की बहाली को लेकर उठ रहे सवाल पर नीतीश ने कहा कि जो लोग आरोप लगा रहे हैं कि बाहरी लोगों को नौकरी देने से बिहार के लोगों की हकमारी हो रही है, तो उन्हें पता होना चाहिए कि बिहार के कितने ही लोग दूसरे राज्यों में नौकरी कर रहे हैं। यह तो खुशी की बात है कि दूसरे राज्यों से लोग बिहार आकर यहां के स्कूलों में पढ़ाएंगे। सीएम ने कहा कि देश के अन्य राज्यों की तुलना में बिहार में बड़े पैमाने पर नियुक्ति की गई है। जितने बड़े पैमाने पर बिहार में नियुक्ति हुई है उतने बड़े पैमाने पर कही भी नियुक्ति नहीं हुई है। ये बात याद रखिएगा। खासकर मीडिया के लोगों को कहेंगे कि इस बात को याद रखिएगा। उन्होंने कहा कि अभी केवल 50 हजार हुआ तो कितना छपा और हमलोग इतनी बड़ी संख्या में कर रहे हैं तो थोड़े छपेगा। भले मत छापिए लेकिन बात तो जान लीजिए कि कितने बड़े पैमाने पर बहाली हो रही है। नीतीश ने कहा कि 1.70 लाख शिक्षकों की बहाली के लिए हुई परीक्षा में करीब 8 लाख शिक्षकों ने भाग लिया। परीक्षा में सभी सफल नहीं हो सके तो सिर्फ 88 फीसदी शिक्षकों की ही बहाली हो सकी है। जो लोग सवाल उठा रहे हैं कि बाहरी लोगों की बहाली हुई है, उनको पता है सब दिन से कोई भी बहाली होती है तो देशभर के लोगों को मौका दिया जाता है। बिहार के लड़के-लड़कियों को दूसरे राज्यों में कितनी बहाली मिलती है। मुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक की तारीफ करते हुए कहा कि जो इतनी ताली बजा रहे हैं, यह देखकर हमको बहुत खुशी हो रही है। हमने उन्हें जो जिम्मेदारी दी उसमें उन्होंने अच्छा काम किया है। कोई-कोई इनके बारे में बोलते रहता है। यह ठीक नहीं है। देखिए आपको सब लोग प्रशंसा कर रहे हैं। आप ठीक-ठाक कम कर रहे हैं।

फ्रांस में तूफान से हाहाकार, बिजली गुल, लाखों लोग अंधेरे में

पेरिस। पश्चिमी यूरोप के देशों को चपेट में लेने वाले तूफान सियारन के कारण फ्रांस के अटलांटिक तटीय इलाकों में 200 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। तेज हवाओं के कारण गुरुवार को कई जगह पेड़ उखड़ गए, घरों की खिड़कियों के शीशे टूट गए और करीब 12 लाख फ्रांसीसी घरों में बिजली नहीं आ रही। तेज हवाओं और बारिश ने दक्षिणी इंग्लैंड और चैनल द्वीप समूह को भी प्रभावित किया, जहां 160 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक गति से हवाएं दर्ज की गईं। कॉर्नवाल और डेवोन के तटीय क्षेत्रों में पेड़ों के गिरने और जलभराव के कारण सुबह यातायात बाधित हो गया जिसके चलते स्कूल भी बंद रहे। चैनल द्वीप समूह के जर्सी, ग्वेर्नसे और एल्डर्नी के हवाई अड्डों से उड़ानें रद्द कर दी गईं। नीदरलैंड की एयरलाइन केएलएम ने आज दोपहर बाद से दिन भर के लिए उड़ानों की आवाजाही पर रोक लगा दी। केएलएम ने देश में चल रही तेज हवाओं की वजह से यह कदम उठाया। मौसम वैज्ञानिक एवं *येल क्लाइमेट कनेक्शन* के विज्ञान लेखक बॉब हेन्सन ने बुधवार को कहा कि यह ब्रिटेन और फ्रांस के लिए हर कुछ वर्षों में एक बार आने वाले तूफान जैसा लगता है। उन्होंने कहा कि सियारन पीढ़ी में एक बार आने वाला तूफान बन सकता है। फ्रांस में मौसम संबंधी एक मौत की पहले ही पुष्टि हो चुकी है। परिवहन मंत्री क्लेमेंट ब्यून ने कहा कि उत्तरी फ्रांस के अंतर्देशीय ऐसने क्षेत्र में एक ट्रक चालक की उस समय मौत हो गई जब एक पेड़ उसके वाहन से टकरा गया। मौसम विभाग की खबर के मुताबिक ब्रिटैनी तट से लगे इलाकों में हवा की गति 180 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई। नॉरमंडी तट पर यह 160 किलोमीटर प्रति घंटा के करीब थी तो इनलैंड में 150 किलोमीटर प्रति घंटा तक की रफ्तार से हवाएं चलीं।

करवा चौथ के दिन पत्नी सेवा के लिए मांगी छुट्टी

अमरोहा। देशभर में 1 नवंबर को करवा चौथ का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस दिन शादीशुदा महिलाएं अपने पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती है। मान्यता के मुताबिक पत्नियां अपने पति के लिए व्रत रखती हैं लेकिन आज के दौर में कई पति ऐसे भी हैं जो अपनी पत्नी के साथ मिलकर व्रत रखते हैं। ठीक ऐसा ही एक मामला उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले से सामने आया है। यूपी के अमरोहा सीएमओ कार्यालय में तैनात एक कर्मचारी ने व्रत रखने को लेकर छुट्टी के लिए लिखा पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामला संज्ञान में आने के बाद सीएमओ ने कर्मचारी को जवाब तलब किया है। सीएमओ कार्यालय में राजकुमार कनिष्ठ सहायक हैं और उन्होंने करवा चौथ के लिए सीएमओ के नाम छुट्टी के लिए लेटर लिखा था। उन्होंने लेटर में लिखा है कि मुझे करवा चौथ अपनी धर्म पत्नी की सेवा करनी है।

पृष्ठ एक का शेष

सोनोवाल ने किया...

रूम का भी निर्माण किया जाएगा। इसी परिसर में एक आयुष शिक्षण संस्थान भी बनाया जा रहा है। आयुर्वेदिक पौधों के उपयोग के लिए अस्पताल परिसर में दुर्लभ औषधीय पौधों के बागीचे के साथ एक हर्बल गार्डेन भी स्थापित किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने पहले कोलियाबर, कोकराझार, मोरीगांव और बाक्सा में ऐसे चार और एकीकृत अस्पतालों की स्थापना की घोषणा की थी। असम में कुल 100 आयुष औषधालयों के साथ डिफू में 30 बिस्तरों वाला अस्पताल और बजाली में 10 बिस्तरों वाला अस्पताल भी बनाया जाएगा। इस अवसर पर बोलते हुए, केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने कहा कि पिछले छह महीनों में, 289 आयुष स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों में 78 हजार से अधिक रोगियों ने आयुर्वेदिक उपचार प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि राज्य में 200 नए आयुष स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र, 8 आयुष अस्पताल और आयुष शिक्षा संस्थान (दुधनै) स्थापित करने का काम चल रहा है। उन्हें आशा है कि दुधनै और इसके आसपास के क्षेत्रों के लोग आयुर्वेद का लाभ उठाने में सक्षम होंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि असम में आधुनिक और पारंपरिक दोनों स्वास्थ्य प्रणालियों में सुधार पर जोर दिया गया है। स्वास्थ्य सेवा के आधारभूत ढांचा निर्माण पर अत्यधिक जोर दिया गया है। आज के कार्यक्रम में असम सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री केशव महंत, गुवाहाटी लोकसभा सदस्य क्वीन ओझा, राभा हासंग स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य टोंकेश्वर राभा और असम सरकार के उच्च अधिकारी उपस्थित थे।

म्यांमार से आए...

थी। बता दें कि मिजोरम के सिहमुई कैंप में म्यांमार के 130 परिवार रहते हैं। टीन की छत और अस्थायी बांस के ढांचे में रह रहे इन लोगों ने मांग की है कि नई सरकार उन्हें राशन, मेडिक सुविधा और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराए। म्यांमार के शरणार्थी कपथांग ने कहा कि नई सरकार से उम्मीद है कि सितंबर से सरकार ने राशन और अन्य सुविधाएं बंद कर दी है, जिसके बाद से जीवन बहुत मुश्किल हो गया है। राज्य सरकार सितंबर तक म्यांमार के शरणार्थियों को भोजन, पानी और अन्य जरूरी सुविधाएं दे रही थी लेकिन सितंबर के बाद से यह सुविधाएं बंद कर दी गई हैं। दरअसल म्यांमार के एक शरणार्थी ने बताया कि मणिपुर में जातीय हिंसा भड़कने के बाद बड़ी संख्या में कुकी जनजाति के लोग भी मिजोरम में बतौर शरणार्थी रह रहे हैं। ऐसे में सरकार पर बोझ बढ़ने के बाद म्यांमार के शरणार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं में कटौती की गई हैं। म्यांमार के करीब 31 हजार शरणार्थी मिजोरम में रह रहे हैं। इनमें से अधिकतर म्यांमार के चिन राज्य के हैं। मिजोरम की म्यांमार के साथ 510 किलोमीटर लंबी सीमा लगती है। मिजोरम के गृह मंत्री ने बताया कि सरकार ने म्यांमार के शरणार्थियों के लिए 3.8 करोड़ रुपए जारी किए थे। एक शरणार्थी ने बताया कि अगर संभव हो तो सरकार पशु और खेती के लिए थोड़ी जमीन उपलब्ध करा दे तो उन्हें अपनी आजीविका कमाने में आसानी होगी। कई म्यांमार के शरणार्थी मिजोरम में नौकरी भी कर रहे हैं। 40 विधानसभा सदस्यों वाली मिजोरम विधानसभा में 7 नवंबर को वोट डाले जाएंगे और 3 दिसंबर को चुनाव नतीजों का एलान किया जाएगा।

यूके में खालिस्तानी...

से भी इनपुट का आदान- प्रदान किया जा रहा है। टास्क फोर्स ने सबसे पहले ब्रिटिश बैंकों में खालिस्तानी नेताओं और उनके समर्थकों के अकाउंट्स की वॉच लिस्ट तैयार की। फिर इन अकाउंट्स में विदेशों से ऑनलाइन और ब्रिटेन में ऑफलाइन जमा होने वाले एक लाख रुपए (लगभग एक हजार पाउंड) या इससे अधिक के लेन-देन की निगरानी की। लगभग दो महीने तक इन संदिग्ध अकाउंट्स की लिस्ट बनाई और इन्हें फ्रीज कर दिया गया। इन अकाउंट्स में तीस करोड़ रुपए से ज्यादा की नकदी जमा बताई जाती है। टास्क फोर्स अगले चरण में और कड़ी कार्रवाई करेगी। ब्रिटेन में खालिस्तान के नाम पर सार्वजनिक स्थानों पर कलेक्शन बॉक्स पर भी रोक लगेगी। पिछले कुछ साल से ब्रिटेन में सार्वजनिक स्थानों पर चंदा जमा करने के लिए बॉक्स लगाए जाते रहे हैं। इस चंदे का प्रयोग खालिस्तानी गतिविधियों में होता रहा है। कलेक्शन बॉक्स धर्म स्थलों पर ही लगाए जा सकते हैं। अब बॉक्स के चंदे को भी संबंधित धर्मस्थल को अपने अकाउंट में दर्ज करना होगा। बता दें कि भारत सरकार ने कनाडा से भी खालिस्तान समर्थकों को अब टास्क फोर्स की छह सदस्यों की फंडिंग रोकने के लिए कहा है लेकिन कनाडा सरकार ने टीम स्कॉटलैंड में भी जाएगी। इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया है। बता दें कि इससे पहले भी अगस्त में ब्रिटेन सरकार ने खालिस्तान से निपटने और अपने देश की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए 95000 पाउंड (करीब एक करोड़ रुपए) के नए कोष का एलान किया था। ब्रिटिश उच्चायोग ने टुगेंडहाट की भारत की तीन दिवसीय यात्रा के मौके पर एक बयान में यह जानकारी दी है। ब्रिटेन में खालिस्तान समर्थक तत्वों की गतिविधियों में बढ़ोतरी को लेकर भारत में बढ़ती चिंताओं के बीच नए कोष का एलान किया गया था।

मणिपुर : तनावपूर्ण माहौल...

अतिरिक्त राज्य और केंद्रीय बलों को तैनात किया और पुलिस कर्मियों को मणिपुर राइफल्स शिविर के पास के इलाके में गश्त करते देखा गया। राज्य पुलिस ने गुरुवार को कहा कि कल सशस्त्र बदमाशों द्वारा पहली एमआर बटालियन में हथियार और गोला-बारूद लूटने की कोशिश को संयुक्त सुरक्षा बलों ने प्रभावी ढंग से विफल कर दिया। भीड़ ने बुधवार को इंफाल पश्चिम जिले में राजभवन और मुख्यमंत्री कार्यालय के करीब मणिपुर राइफल्स शिविर को निशाना बनाया।

दिल्ली में प्रदूषण : ग्रैप-3 की पाबंदियां लागू

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली में वायु गुणवत्ता के गंभीर स्तर पर पहुंचने के बाद गुरुवार को ग्रैप-3 (ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान) को लागू कर दिया गया। दिल्ली में अब बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल वाहनों के प्रवेश और गैर-जरूरी निर्माण कार्यों पर रोक सहित कई सख्त पाबंदियां लग गई हैं। ग्रैप के तहत कार्रवाई करने के लिए गठित उप-समिति ने गुरुवार को अपनी बैठक में क्षेत्र में वायु गुणवत्ता परिदृश्य के साथ-साथ आईएमआई व आईआईटीएम द्वारा उपलब्ध मौसम संबंधी स्थितियों और वायु गुणवत्ता सूचकांक के पूर्वानुमानों की व्यापक समीक्षा की। उप-समिति ने पाया कि दिल्ली का औसत एक्यूआई तेजी से बढ़ते हुए शाम 5 बजे तक 402 दर्ज किया गया। इसके आगे और भी बढ़ने की उम्मीद है। वायु गुणवत्ता की मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए उप-समिति ने निर्णय लिया कि जीआरएपी के चरण थ्री गंभीर वायु गुणवत्ता (401-450 के बीच दिल्ली त्तह्न) के तहत परिकल्पित सभी कार्रवाई की जाएगी। पहले से ही लागू चरण वन और टू की कार्रवाइयों के अलावा, एनसीआर में सभी संबंधित एजेंसियों द्वारा तुरंत प्रभाव से सही ढंग से कार्यान्वित किया जाना चाहिए। इस अवधि के दौरान धूल पैदा करने वाली और वायु प्रदूषण को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों पर सख्ती से प्रतिबंध लगाया जाएगा। इसमें बोरिंग और ड्रिलिंग कार्यों सहित खुदाई और भराई के लिए मिट्टी का काम नहीं किया जा सकेगा। निर्माण और वेल्डिंग संचालन सहित सभी संरचनात्मक निर्माण कार्य और तोड़फोड़ का काम प्रतिबंधित रहेगा। परियोजना स्थलों के भीतर या बाहर कहीं भी निर्माण सामग्री की लोडिंग और अनलोडिंग नहीं होगी। पेंटिंग, पॉलिशिंग और वार्निशिंग आदि कार्य। सड़क निर्माण व मरम्मत कार्य जिसमें फुटपाथ और रास्ते और सेंट्रल वर्ज आदि को पक्का करना शामिल है। स्टोन क्रशरों का संचालन बंद करने के साथ ही एनसीआर में सभी खनन और संबंधित गतिविधियों को बंद करें। दिल्ली और गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर जिलों में बीएस थ्री पेट्रोल और बीएस फोर डीजल एलएमवी (4 पहिया वाहन) के संचालन पर सख्त प्रतिबंध लगाएगा। इसके साथ राज्य सरकारें (एनसीआर और जीएनसीटीडी में) पांचवीं कक्षा तक के बच्चों के लिए स्कूलों में भौतिक कक्षाएं बंद करने और ऑनलाइन मोड में कक्षाएं संचालित करने पर निर्णय ले सकती हैं।

अपोलो हॉस्पिटल्स चेन्नई
लिवर स्पेशेलियस्ट/ट्रांसप्लांट टीम

डॉ. इलेन कुमारन, MBBS, MS, MRCS, DNB, Mch, PDF
गुवाहाटी में केवल परामर्श के लिए उपलब्ध होंगे

4 नवंबर, 2023 को

जो मरीज लीवन फेलियर, हेपेटाइटिस बी एंड सी, अल्कोहॉलिक लीवर रोग, लीवर सिरहोसिस और लीवर ट्यूमर इत्यादि से परेशान है, वे अपने-अपने नामांकन करा सकते हैं :

APOLLO HOSPITAL INFORMATION CENTER
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop, Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Contact : 03612223663/9678769107/8134095156

मिड-डे मील वर्कर यूनियन ने अपनी मांगों के समर्थन में किया विरोध-प्रदर्शन

कोकराझाड़ (हिंस)। कई महत्वपूर्ण मांगों को लेकर आज ऑल असम मिड-डे मील वर्कर्स यूनियन की गोसाईगांव ब्लॉक यूनियन ने शिक्षा खंड कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया। लगभग तीन सौ रसोइये बैनर, प्ले कार्ड लेकर मिड-डे मील श्रमिकों के लिए वर्ष के 12 महीनों के भुगतान की मांग, एनजीओ को मिड-डे मील सौंपने के फैसला को रद्द करना, बकाया धन जल्द से जल्द जारी करने आदि मांगों को लेकर आज विरोध प्रदर्शन किया। आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने शिक्षा मंत्री के विरूद्ध नारेबाजी भी की। ज्ञात हो कि अपनी मांग को लेकर रसोइयों ने एक नवंबर से आंदोलन शुरू किया है। यह आंदोलन चार तारीख तक जारी रहेगा। प्रदर्शन के अंत में गोसाईगांव शिक्षा खंड के जरिये छह सूत्रीय मांगों का एक ज्ञापन असम के मुख्यमंत्री को प्रेषित किया गया।

इंफाल में भीड़ ने हथियार छीनने की कोशिश की पुलिस ने हवा में गोलियां चलाईं, कर्फ्यू में ढील रद्द

इंफाल। मणिपुर के टेंगनौपाल जिले के सीमावर्ती मोरेह में संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा एक उपमंडलीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) की हत्या के खिलाफ मंगलवार से आंदोलन कर रही भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने बुधवार शाम को मणिपुर की राजधानी में हवा में गोलीबारी की। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि मंगलवार को इंफाल से 110 किमी दक्षिण में मोरेह में संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा एसडीपीओ चिंगथम आनंद कुमार की गोली मारकर हत्या करने के बाद से इंफाल और अन्य स्थानों पर बड़ी संख्या में पुरुष और महिलाएं आंदोलन कर रहे हैं। भीड़ सुरक्षा बलों के साथ भिड़ गई और कथित तौर पर हथियारों और गोला-बारूद की मांग करते हुए इंफाल पश्चिम जिले में राजभवन और मुख्यमंत्री कार्यालय के करीब मणिपुर राइफल्स परिसर

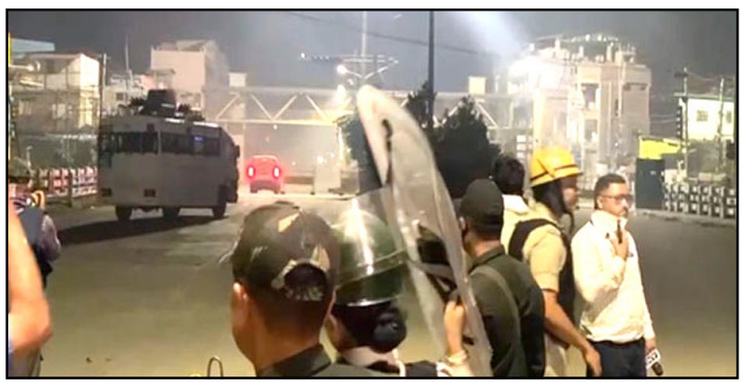

को घेरने का प्रयास किया। अधिकारी ने कहा कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा बलों ने पहले लाठीचार्ज किया और फिर हवा में गोलियां चलाईं। झड़प में कुछ नागरिकों को मामूली चोटें आईं। इंफाल पश्चिम जिला प्रशासन ने राजधानी में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए कर्फ्यू में ढील की अवधि रद्द कर दी है। जिला प्रशासन ने पिछले दिनों की तरह सुबह 5 बजे से रात 10 बजे तक कर्फ्यू में ढील दी है। मंगलवार को एक अलग घटना में टेंगनौपाल जिले के सिनम में राज्य बल के एक काफिले पर संदिग्ध आतंकवादियों द्वारा की गई गोलीबारी में तीन पुलिसकर्मी गोली लगने से घायल हो गए। एसडीपीओ की हत्या के बाद तलाशी अभियान चलाने में सहायता के लिए काफिले को सुदृढ़ीकरण के रूप में मोरेह भेजा गया था। उग्रवादियों की गिरफ्तारी और सजा की मांग करते हुए भीड़ ने सरकार से मोरेह में और अधिक राज्य बलों को तैनात करने और म्यांमार की सीमा से लगे क्षेत्र में सक्रिय उग्रवादियों को गिरफ्तार करने के लिए भी कहा। विरोध रैली के दौरान, आंदोलनकारियों ने कई तख्तियां पकड़ रखी थीं और नारे लगाते हुए अधिकारियों से उग्रवादियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने और एकीकृत कमान के नेताओं को बदलने की मांग की।

धुबड़ी नगरपालिका की तीन दुकानें सील

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी नगर पालिका ने आज शहर में विभिन्न स्थानों पर छापे मारे। नगर पालिका की किराये की कुछ दुकानों पर छापे मारे गये। बताया गया है कि यह छापामारी उन दुकानों पर किया गया, जो लंबे समय से किराये नहीं दे रहे हैं। अभियान के दौरान तीन दुकानों को सील कर दिया गया। नगर पालिका ने धुबड़ी न्यू मार्केट में एक दुकान के साथ-साथ धुबड़ी शहर में बस स्टैंड पर एक दुकान और मोटर चालकों के एक संघ से संबंधित एक कमरा को सील किया गया। नगर पालिका के कार्यकारी अधिकारी मासी तपन ने मीडिया को बताया कि आने वाले दिनों में धुबड़ी नगरपालिका के तहत गैर-किराये की दुकानों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नगांव वन विभाग ने अवैध लकड़ी की पांच दुकानों को किया सील

नगांव (हिंस)। नगांव के डुमडुमिया में आज नगांव वन विभाग ने एक अभियान चलाते हुए लकड़ी की पांच अवैध दुकानों को सील किया। यह अभियान अवैध लकड़ी की दुकानों के खिलाफ चलाया गया। नगांव के डुमडुमिया के विभिन्न गांवों में मशरूम की तरह अवैध रूप से लकड़ी की दुकानें उग गई हैं। वन विभाग के नगांव की एक टीम ने डुमडुमिया के विभिन्न इलाकों में छापेमारी की। वन विभाग की कार्रवाई के दौरान बालि सत्र बाजार में लकड़ी की पांच अवैध दुकानों को सील किया। इस बीच, नगांव जिला वन विभाग द्वारा लकड़ी का कारोबार करने वाली अन्य सात दुकानों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं किये जाने पर स्थानीय लोगों की प्रतिक्रिया देखी जा रही हैं।

गुवाहाटी विवि से स्नातकोत्तर वाणिज्य परीक्षा में सातवां स्थान पाकर कोमल ने मारी बाजी

रंगिया (विभास)। रंगिया की बेटी ने अपनी सफलता का परचम लहराकर समूचे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। जहां अपनी बेटी की सफलता से परिवार के लोगों में खुशी हैं वहीं रंगिया के लोग भी गौरवान्वित हैं। रंगिया नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी कैलाश अग्रवाल व संगीता देवी की कनिष्ठ पुत्री कोमल अग्रवाल ने गुवाहाटी विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर वाणिज्य की परीक्षा में समूचे राज्य में सातवां स्थान प्राप्त कर अपना तथा अपने माता-पिता और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। सुश्री कोमल को इस उपलब्धि के लिए गत दिनों नलबाड़ी वाणिज्य महाविद्यालय परिसर में आयोजित दीक्षांत समारोह में बेस्ट डिजरटेशन एवार्ड व प्रमाण पत्र से नवाजा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार उनकी शोध का विषय कंज्यूमर्स रिस्क टुवर्ड्स ऑनलाइन शॉपिंग रहा। मालूम हो कि कोमल ने अपनी मेट्रिक की परीक्षा रंगिया के अग्रणी लॉटस इंग्लिश स्कूल व एचएस की परीक्षा रंगिया महाविद्यालय से दी और स्टार अंक प्राप्त कर आगे रही। वहीं स्नाकोत्तर वाणिज्य की परीक्षा में समूचे असम में 7.70 सीजीपीएल अंक प्राप्त कर यह उपलब्धि हासिल की है। दो बहनों में सबसे छोटी कोमल की यह उपलब्धि निश्चित ही गर्व करने वाली है। वे लोग जो बेटियों को बोझ समझते हैं उनके लिए एक सबक है और लोगों के लिए प्रेरणा भी है। कोमल ने साबित कर दिया है की अगर मौका मिले तो बेटियां भी किसी से कम नहीं।

साइबर धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़ पांच गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम पुलिस ने ऑनलाइन आवेदन के जरिए ऋण देने के बहाने लोगों को धोखा देने के आरोप में गुरुवार को पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान असदुल इस्लाम, उमर सादिक, जहांगीर अली, वसीम अकरम और मजाहरुल इस्लाम के रूप में की गई है। पुलिस ने इनके पास से कई फर्जी दस्तावेज भी बरामद किये हैं। खूफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए मोरीगांव पुलिस ने मोइराबारी के उरलकोटा में एक बड़ा तलाशी अभियान चलाया। पुलिस ने कहा कि आरोपियों ने दिल्ली में जन्मे एक व्यक्ति के पैन और आधार कार्ड का इस्तेमाल किया, जिस पर उन्होंने कथित तौर पर किसी अन्य व्यक्ति की तस्वीर लगा दी। पुलिस के अनुसार, साइबर अपराधियों ने ऑनलाइन एप्लिकेशन के माध्यम से ऋण देने की आड़ में कई पीड़ितों से बड़ी मात्रा में पैसे चुराने के लिए इस रणनीति का इस्तेमाल किया।

डीवाईडब्ल्यूए ने राज्य सरकार से की कानूनी लड़ाई में सहयोग की अपील

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश लोवर सियांग जिला के दुरपई यूथ वेलफेयर एसोसिएशन (डीवाईडब्ल्यूए) ने आज असम-अरुणाचल सीमा विवादों के संबंध में अपनी कानूनी लड़ाई में राज्य सरकार से सहायता की अपील की। संगठन ने कहा कि हाल ही में असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच सीमा विवादों के संबंध में दोनों राज्य के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) के बाद हम लोवर सियांग जिले के कांगकू सर्कल के अंतर्गत आने वाले दुरपई गांव के लोग तनाव में हैं। क्योंकि, एमओयू के अनुसार अपनी पूर्वजों की जमीन गांव के लोग खो रहे हैं। ये बातें संगठन के अध्यक्ष मेगम न्यिस्योर ने प्रेस क्लब में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने बताया कि उन्होंने एमओयू साइन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में लिखित याचिका दायर की है और उनकी अपील को सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार करते हुए पहली सुनवाई 30 अक्तूबर को की थी और दूसरी सुनवाई आगामी 3 नवंबर को होगी। इसलिए संगठन ने राज्य सरकार से कानूनी लड़ाई में संगठन का समर्थन करने और राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व करने जा रहे कानूनी अधिवक्ताओं का मार्गदर्शन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि हम सीमा सीमांकन पर असम और अरुणाचल प्रदेश की क्षेत्रीय समितियों के निर्णयों से संतुष्ट नहीं हैं और अरुणाचल के दुरपई, चंपक चोजो और सोगम गांवों के संबंध में भूमि को लूप करते हैं, जिसका समझौता ज्ञापन में बीते 20 अप्रैल को हस्ताक्षर किए गए थे, जिसमें दोनों राज्य सहमत थे। एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए थे, इसलिए हम दोनों सरकारों के फैसलों के खिलाफ लड़ रहे हैं और दोनों राज्यों से दोबारा जगह सत्यापन करने की मांग कर रहे हैं, ताकि क्षेत्र में शांति बनी रहे। उन्होंने कहा कि हम अपने पूर्वजों की भूमि का एक इंच भी नहीं खो सकते हैं, हम अपनी पूर्वजों की भूमि की रक्षा के लिए कुछ भी करेंगे और यदि राज्य सरकार हमारी मदद करने में विफल रहती है तो इस क्षेत्र को अनसुलझा छोड़ देना चाहिए क्योंकि, हम असम और अरुणाचल प्रदेश के लोग शांतिपूर्वक इस क्षेत्र रह रहे हैं और क्षेत्र सीमा के बारे में एक-दूसरे को जानकारी है।

एपीएससी 2022 की मुख्य परीक्षा का परिणाम घोषित

गुवाहाटी (हिंस)। एपीएससी 2022 की मुख्य परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है। असम लोक सेवा आयोग ने रिजल्ट की लिस्ट जारी कर दी है। इसमें एपीएससी प्रीलिम्स परिणाम (एपीएससी सीसीई प्रीलिम्स रिजल्ट) की घोषणा की गई है। इंटरव्यू 16 नवंबर को होगा। यह परिणाम एपीएससी की वेबसाइट पर उपलब्ध होगा। परिणाम असम लोक सेवा आयोग की आधिकारिक साइट के माध्यम से देखे जा सकते हैं। ज्ञात हो कि यह परीक्षा 919 पदों के लिए आयोजित की गई थी।

आग में 10 घर जलकर राख, लाखों का नुकसान

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया जिले के मार्घेरिटा के शेगुनबाड़ी भिनारमिल के समीप लगी आग के दौरान देखते ही देखते 10 घर पूरी तरह जलकर राख हो गये। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि जाकिर हुसैन नामक व्यक्ति द्वारा अन्य लोगों को किराए के मकान पर दिए गए घरों में आग लगने की खबर मिलते ही मौके पर अग्निशमन की टीम पहुंची। आग के दौरान एक सिलेंडर विस्फोट हुआ जिसकी वजह से आग ने और भी भयावह रूप ले लिया। आग की वजह से लाखों रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है। हालांकि, आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं लग पाई है। पुलिस ने आशंका व्यक्त किया है कि किराए के मकान में रह रहे किसी व्यक्ति की रसोई घर से आग लगी होगी। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिक की दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है।

रिवाल्वर के साथ दो गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के रंगिया पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चला कर एक रिवाल्वर समेत दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि थाना क्षेत्र के गरकुची करियारा के

रिंकू अली उर्फ गागा (27) को उसके घर से एक रिवाल्वर और तीन राउंड 9 एमएम पिस्तौल के जिंदा कारतूस समेत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने एक ही गांव के आलम अली को गिरफ्तार किया। रिवाल्वर के अलावा पुलिस ने तीन मोबाइल फोन, नगद 16,000 रुपए बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी रिंकू अली को एक साल पहले पुलिस ने एनडीपीएस मामले में गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। फिलहाल वह जमानत पर है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार दोनों आरोपितों से सघन पूछताछ कर रही है।

बरपेटा : स्टार क्लब का दो दिवसीय 19वां वार्षिक अधिवेशन संपन्न

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के बाघबर निर्वाचन क्षेत्र के तहत बाघमारा चर तैतापुर इलेवन स्टार क्लब द्वारा दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 19वां वार्षिक अधिवेशन कल समाप्त हो गया। उक्त सत्र के पहले दिन के कार्यक्रम के अनुसार प्रात: 7 बजे क्लब के अध्यक्ष अनवर हुसैन ने ध्वजारोहण किया और इसके बाद पौधारोपण के बाद रात 8 बजे एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दूसरे दिन यानी कल समापन दिवस पर सुबह 5 बजे मैराथन दौड़, वेशियन प्रतियोगिता आयोजित की गई। यह एक खुली और पुरस्कार वितरण बैठक के लिए दोपहर 2 बजे आयोजित किया गया था। इलेवन स्टार क्लब के अध्यक्ष अनवर हुसैन की अध्यक्षता में क्लब के सचिव शफीकुल इस्लाम ने बैठक का उद्देश्य समझाया। 47 नंबर चेंगा विधानसभा क्षेत्र के विधायक अश्राफुल हुसैन बैठक में मौजूद थे और उन्होंने मीडिया से कड़े शब्दों में कांग्रेस

पार्टी की आलोचना की और कहा कि कांग्रेस को चर चर यात्रा आने से पहले चर के लोगों के कुछ सवालों के जवाब देने के लिए तैयार रहना चाहिए। उदाहरण के तौर पर चर के लोगों को लंबे समय तक शासन करने के बाद जमीन के पट्टे क्यों नहीं दिए गए, डी वोटर समस्या का समाधान क्यों नहीं कर पाए, एनआरसी की समस्या का समाधान क्यों नहीं हुआ, चर क्षेत्रों के लोगों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क आदि विभिन्न समस्याओं का स्थायी समाधान क्यों नहीं हो रहा है। अगर कांग्रेस इन सवालों के जवाब दे सकती है तो उसे चरांचल में आने में कोई आपत्ति नहीं है। पत्रकारों के एक सवाल का जवाब देते हुए विधायक ने आगे कहा कि लोगों ने राघव फिल्म इसलिए नहीं ली क्योंकि जतिन बोरा भाजपा है। जतिन बोरा ने छोड़ी राजनीति तो लोग फिल्में देखना शुरू कर देंगे। बैठक में बाघमारा चर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल तैजुद्दीन सरकार, बाघमारा चर ग्राम पंचायत अध्यक्ष अकलीमा खातून, डालगोमा रीजनल कॉलेज के प्रोफेसर अबू शमा अहमद, सेवानिवृत्त शिक्षक तैयब अली शेख, गुवाहाटी हाईकोर्ट के एडवोकेट हफीजुर रहमान, बाघमारा चर को-ऑपरेटिव सोसाइटी के पूर्व अध्यक्ष अजमल हक फकीर, साउथ बारपेटा हाई स्कूल के अध्यक्ष अब्दुल बारीक भी मौजूद थे। इस अवसर पर दक्षिण बारपेटा जिला एएमएसयू के सचिव रफीकुल इस्लाम, बाघमारा चर छात्र संघ के अध्यक्ष जाकिर हुसैन सरकार और अन्य ने अपने विचार रखे। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि बैठक के अंत में, आमंत्रित कलाकारों के गीत और नृत्य आयोजित किए जाते हैं।

रंगिया : श्रीमंत शंकरदेव संघ अधिवेशन के लिए खाद्य सामग्री की रोपाई

रंगिया (विभास)। आगंतुक श्रीमंत शंकरदेव संघ के 93वें रंगिया अधिवेशन के अवसर पर असम सरकार सौजन्य से तथा स्वागत समिति की खाद्य आपूर्ति उपसमिति की देखरेख में विभिन्न खाद्य सामग्रियों व साक-सब्जियों की खेती करने की व्यवस्था ली गई है। बताया गया है कि अधिवेशन में आए लाखों भगत बैष्णव की खाद्य आपूर्ति के लिए यह व्यवस्था ग्रहण की गई है। वहीं बृहस्पतिवार को चिकनीबारी सीड फार्म में आलू की खेती के उद्देश्य से बीजों की रोपाई की गई। इसके अलावा करीब 100 बीघा जमीन में आलू, गोभी, गाजर,

मूली, मटर, लाऊ, बेंगन, टमाटर, धनिया आदि की भी खेती की जाएगी इसकी जानकारी दी गई है। बृहस्पतिवार को इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीमंत शंकरदेव संघ के पदाधिकारी भवेंद्र नाथ डेका द्वारा किया गया। इस मौके पर स्वागत समिति के अध्यक्ष कंदर्प महंतो, महासचिव हरेश्वर डेका, बसंत डेका भी उपस्थित रहे।

ओपीडी के लिए लिंफोमा सपोर्ट ग्रुप इंडिया ने संजीवनी अस्पताल के साथ किया समझौता

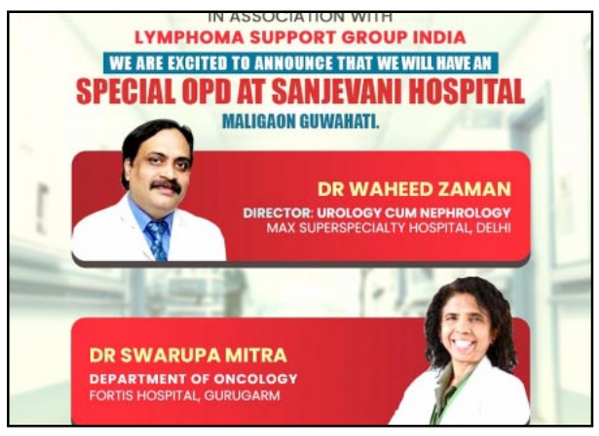

गुवाहाटी। कैंसर रोगियों को सहायता प्रदान करने वाले लिम्फोमा सपोर्ट ग्रुप इंडिया (एक ट्रस्ट) ने गुवाहाटी के मालीगांव में स्थित संजीवनी अस्पताल के साथ समझौता किया है। इस समझौते के तहत ओपीडी और ओटी के लिए देश के प्रतिष्ठित अस्पतालों से डॉक्टर आएंगे जिससे पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों को काफी फायदा पहुंचेगा। इस अवसर पर लिम्फोमा सपोर्ट ग्रुप इंडिया के प्रमुख डॉ. शमीम खान ने गुवाहाटी में अधिक अच्छे और ज़्यादा डॉक्टरों को लाने के लिए अपना पूरा सहयोग दिया, ताकि जरूरतमंदों को काफी सस्ती कीमत पर बेहतर इलाज मिल सके। ट्रस्ट गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले कैंसर रोगियों को किफायती इलाज उपलब्ध कराने पर भी काम करेगा। संजीवनी अस्पताल के प्रबंध निदेशक डॉ. भबेन चौधरी ने कहा कि हम इस महत्वपूर्ण समझौते के लिए लिम्फोमा सपोर्ट ग्रुप के आभारी हैं। 17 नवंबर से हम डॉ. स्वरूपा मित्रा (ऑन्कोलॉजी विभाग, फोर्टिस अस्पताल, गुरुग्राम) और डॉ. वहीद जमान (नेफ्रोलॉजी और यूरोलॉजी विभाग, मैक्स सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल, दिल्ली) के नेतृत्व में संजीवनी अस्पताल में दो विशेष ओपीडी की शुरुआत करेंगे। इस ओपीडी से निश्चित रूप से गुवाहाटी के लोगों को लाभ होगा।

जंगली हाथी के हमले में बुजुर्ग की मौत

तिनसुकिया (हिंस)। राज्य में हाथी-मानव के बीच संघर्ष जारी है। आज जंगल से भोजन की तलाश में निकले एक जंगली हाथी ने एक वृद्ध पर हमला कर दिया, जिसके चलते एक बुजुर्ग की मौत हो गई। बुजुर्ग की पहचान माकुम किला के निवासी 75 वर्षीय दोउद पूर्ति के रूप में हुई है। उल्लेखनीय है कि डिगबोई वन प्रभाग अंतर्गत उत्तर मार्घेरिटा वन क्षेत्रीय अधिकारी कार्यालय अंतर्गत माकुम किले में दो जंगली हाथी जंगल से निकलकर आतंक मचाया और एक व्यक्ति को पैरों तले कुचल दिया। आज एक वृद्ध के दुखद मौत की घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। सूचना पाकर मौके पर पुलिस और वन विभाग की टीम पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

महिला सशक्तिकरण थीम पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन

नारी स्वावलंबन पर दिया गया जोर, लोगों को किया जागरूक

रंगिया (विभास)। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की रंगिया शाखा द्वारा मंगलवार को एक नुक्कड़ नाटक मंचन का आयोजन किया गया। जिसमें मारवाड़ी समाज के स्थानीय बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए महिला सशक्तिकरण विषय पर बेहतरीन अभिनय का प्रदर्शन किया। पूरी तरह से महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचारों पर आधारित यह नुक्कड़ नाटक द्वारा महिलाओं की स्थिति को उजागर किया गया। बच्चों ने नुक्कड़ नाटक का इतनी खूबसूरती से मंचन किया जिसमें बच्ची के जन्म से लेकर उसके स्कूल, पेशेवर जीवन और उसके विवाहित जीवन के हरचरण में हो रहे भेदभाव के बारे में दिखाया गया। इसके अलावा इस नुक्कड़ नाटक में दहेज, छेड़छाड़, एसिड अटैक आदि घटनाओं में महिला के साथ समाज के विभिन्न वर्गों की ओर से किए जाने वाले असंगत व्यवहार का भी प्रदर्शन किया। इस नाटक के माध्यम से बच्चों ने शानदार प्रस्तुति देते हुए नारी सुरक्षा सम्मान और स्वावलंबन को लेकर महिलाओं की आवाज को बुलन्द किया और नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया। बच्चों ने आकर्षक वेशभूषा में नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया जो कि बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। सभी ने अभामामस और टीम प्रयास द्वारा किए गए इस प्रयास की सराहना की। वहीं कार्यक्रम के अंत में शाखा द्वारा सभी बच्चों को सर्टिफिकेट प्रदान की गई।

कांग्रेस कट, कमीशन व क्रप्शन वाली पार्टी: अमित शाह

करनाल के अन्त्योदय सम्मेलन में शामिल हुए केन्द्रीय मंत्री शाह
मनोहर सरकार के नौ साल पूरे होने पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

चंडीगढ़, (हि.स.)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि कांग्रेस कट, कमीशन और क्रप्शन वाली पार्टी है। कांग्रेस का हाथ गरीब के साथ नहीं बल्कि अपने ही परिवारों के साथ है। दूसरी तरफ मोदी सरकार ने पिछले नौ वर्षों में देश के विकास को नया आयाम देकर राजनीति की परिभाषा को बदला है। केन्द्रीय मंत्री अमित शाह हरियाणा सरकार के नौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर गुरुवार को करनाल में आयोजित अन्त्योदय महासम्मेलन में प्रदेशभर से आए सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर अमित शाह ने मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना, हरियाणा आय वृद्धि बोर्ड योजना, आयुष्मान भारत चिरायु योजना में 14 लाख परिवारों को जोड़ने, मुख्यमंत्री अंत्योदय दुग्ध उत्पादन सहकारिता प्रोत्साहन योजना तथा हरियाणा अंत्योदय योजना परिवहन योजना का शुभारंभ भी किया। इससे हरियाणा के लाखों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। केन्द्रीय मंत्री शाह ने कहा कि कांग्रेस ने देश व प्रदेश की जनता के साथ विश्वासघात किया है। देश के निजी स्वार्थों की पूर्ति करने वाले 27 राजनीतिक दलों ने मिलकर आईएनडीआईए का गठन किया है। इनमें से ज्यादातर अपने परिवारों को राजनीति में सैट करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्ष में हरियाणा ने कई ऐसी योजनाओं को लागू किया है, जिन्हें पूरे देश ने अपनाया है। कांग्रेस ने राम मंदिर मुद्दे को इतने सालों को तक लटकाए रखा, लेकिन अब 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। केन्द्रीय मंत्री ने केंद्र की मोदी सरकार के किए गए कार्यों की तुलना हरियाणा से करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने सात आईआईटी, सात आईआईएम व 15 एम्स बनवाए हैं, वहीं हरियाणा में 77 नए कालेज बनवाए गए हैं। मनोहर सरकार के कार्यकाल के दौरान 13 विश्वविद्यालय, आठ मेडिकल कालेज, दो हवाई अड्डे बने हैं। हरियाणा में 85 लाख से अधिक लोग आयुष्मान भारत योजना का लाभ ले रहे हैं। अमित शाह ने हरियाणा की हुड्डा व चौटाला सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि हुड्डा राज में हरियाणा की जमीनों को नीलाम किया जाता था। भाजपा ने वर्ष 2014 में हरियाणा की सत्ता संभालकर यहां के लोगों को दरबारी, दामाद व डीलरों से छुटकारा दिलाया। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार के कार्यकाल के दौरान हरियाणा की हुड्डा सरकार को केंद्र से नौ साल में 40 हजार करोड़ की योजनाओं का लाभ मिला, जबकि मोदी सरकार ने हरियाणा को एक लाख 32 हजार करोड़ की योजनाओं का लाभ दिया है। हरियाणा की पूर्व चौटाला सरकार की आलोचना करते हुए गृहमंत्री ने कहा कि चौटाला राज में भर्तियों में भ्रष्टाचार का बोलबाला रहा है। भाजपा ने हरियाणा का एक समान विकास करके प्रदेश के अंतिम व्यक्ति को लाभ पहुंचाने का काम किया है। अमित शाह ने करनाल के मंच से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को चुनौती देते हुए कहा कि वह मुख्यमंत्री मनोहर लाल से विकास की परिभाषा को सीखें। मुख्यमंत्री मनोहर लाल की पीठ थपथपाते हुए अमित शाह ने कहा कि आज हरियाणा की चर्चा जमीन घोटालों के लिए नहीं बल्कि विकास योजनाओं को देश में सबसे पहले लागू करने के लिए होती है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा के बेटों को ईडी का समन, पूछताछ के लिए दिल्ली मुख्यालय बुलाया

जयपुर, (हि.स.)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत के बाद अब कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के दो बेटों को समन जारी कर पूछताछ के लिए दिल्ली मुख्यालय बुलाया है। डोटासरा के घर पर ईडी की सर्च के दौरान दोनों बेटों के खिलाफ ईडी को कुछ जानकारी मिली थी। इस बारे में पूछताछ के लिए एक बेटे को सात नवंबर को और दूसरे बेटे को 8 नवंबर को दिल्ली मुख्यालय में बुलाया गया है। ईडी सूत्रों के अनुसार प्रवर्तन निदेशालय ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बेटे अभिलाष डोटासरा और अविनाश डोटासरा को पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया है। ईडी ने अभिलाष डोटासरा को 7 नवंबर को और अविनाश डोटासरा को 8 नवंबर को पूछताछ के लिए तलब किया है। इसके बाद 9 नवंबर को दोनों को एक साथ बैठाकर भी पूछताछ की जा सकती है। डोटासरा के दोनों बेटों के खिलाफ हाल ही में कुछ सामाजिक संगठनों और राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) से जुड़े कुछ लोगों ने ईडी को इनपुट दिया था। इसी इनपुट के आधार पर ईडी ने जांच की है। कलाम कोचिंग सेंटर से गोविंद सिंह डोटासरा के बेटे का नाम जुड़ा होने के आरोप है। हालांकि, गोविंद सिंह डोटासरा सार्वजनिक रूप से यह कह चुके हैं कि कलाम कोचिंग सेंटर से उनका या उनके परिवार के किसी सदस्य का कोई लेना-देना नहीं है। इससे पहले राजस्थान में पेपर लीक मामले को लेकर ईडी की टीम ने 26 अक्टूबर को 7 ठिकानों पर छापेमारी की थी। ईडी की टीम ने गोविंद सिंह डोटासरा के घर भी छापेमारी की थी। इसके अलावा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को भी ईडी ने फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट (फेमा) केस में समन भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया था। 30 अक्टूबर को वैभव गहलोत दिल्ली स्थित ईडी मुख्यालय गए थे, जहां उनसे 2 राउंड में 7 घंटे तक पूछताछ हुई थी।

सरकार बढ़ती महंगाई को नियंत्रित करने में विफल : कांग्रेस

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि केन्द्र सरकार बढ़ती महंगाई को रोक पाने में विफल रही है। देश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में बेरोजगारी दर में लगातार इजाफा हो रहा है। कांग्रेस महासचिव व राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने गुरुवार को एक बयान जारी कर कहा कि सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में बेरोजगारी दर अब 10 फीसदी से ऊपर है। यह दो वर्षों में सबसे अधिक है जबकि यह पहले ही पांच दशकों का रिकॉर्ड तोड़ चुकी थी। ग्रामीण बेरोजगारी अब 10.8 फीसदी है। रमेश ने कहा कि बेरोजगारी का संकट गंभीर है। यह मनरेगा के तहत काम की रिकॉर्ड मांग से और भी स्पष्ट हो गया है। मनरेगा करोड़ों भारतीयों के लिए रोजगार का आखिरी सहारा है। इसके तहत काम मांगने वालों की संख्या पिछले वर्ष से 20 फीसदी बढ़ गई है। काम की मांग करने वाले परिवारों की संख्या 2019 में कोविड महामारी से पहले की तुलना में भी अधिक है। इससे साफ होता है कि आर्थिक सुधार की सभी बातें पूरी तरह से सिर्फ.दिखावा है। रमेश ने कहा कि अक्टूबर 2023 में एक करोड़ भारतीयों ने श्रम बाजार में प्रवेश किया। इनमें से लाखों को काम नहीं मिल पाएगा। अभी पिछले हफ़्ते ही खबर आई थी कि सैकड़ों इंजीनियरों ने सरकारी चपरासी की नौकरी के लिए आवेदन किया है। इंफोसिस और विप्रो ने कहा है कि वे इस साल कॉलेजों से प्लेसमेंट नहीं करेंगे।

तेलंगाना विस चुनाव: भाजपा ने जारी की 35 उम्मीदवारों की सूची

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को 35 उम्मीदवारों की सूची जारी की। इस सूची में अनुसूचित जाति के तीन और अनुसूचित जनजाति के पांच नेताओं के नाम भी शामिल हैं। सूची में एक महिला उम्मीदवार का भी नाम है। भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की अध्यक्षता में बुधवार को पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में तेलंगाना के विधानसभा चुनाव के लिए 35 उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह और पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति के अन्य सदस्यों ने भी भाग लिया। पार्टी ने मेडक विधानसभा क्षेत्र से पांजा विजय कुमार, लाल बहादुर नगर से सामा रंगा रेड्डी, मुशीराबाद से पूसा राजू, सनथनगर से मैरी शशिधर रेड्डी को मैदान में उतारा है, जबकि हुजूरनगर से एकमात्र महिला उम्मीदवार चल्ला श्रीलता रेड्डी को टिकट दिया गया है। चल्ला श्रीलता रेड्डी बीआरएस उम्मीदवार शनमपुदी सैदिरेड्डी के खिलाफ मैदान में होंगी। आसिफाबाद (एसटी) से अजमीरा आत्माराम नाइक, देवरकोंडा (एसटी) से केथवथ लालू नाइक और पिनापाका (एसटी) से पोडियाम बलाराजू को उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं एंडोले (एससी) से पल्ली बाबू मोहन, जहीराबाद (एससी) से रामचंद्र राजा नरसिम्हा, चेवेल्ला (एससी) से केएस रत्नम, अचम्पेट (एससी) से देवानी सतीश मडिगा और सथुपल्ली (एससी) से रामलिंगेश्वर राव को उम्मीदवार बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि तेलंगाना की 119 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव के लिए 30 नवंबर को मतदान होगा। चुनावी नतीजे तीन दिसंबर को आएंगे।

ईडी के समक्ष आज पेश नहीं होंगे अरविंद केजरीवाल, बोले नोटिस गैरकानूनी

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष आज (गुरुवार) को पेश नहीं होंगे। ईडी ने केजरीवाल को दिल्ली आबकारी नीति में कथित घोटाला मामले में 2 नवंबर को पेश होने के लिए समन जारी किया था। सूत्रों के मुताबिक आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ईडी जवाब दिया है। केजरीवाल ने जांच एजेंसी को पत्र लिखकर उसके समन को राजनीति से प्रेरित और गैरकानूनी बताते हुए इसे वापस लेने की मांग की। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी दिल्ली आबकारी नीति घोटाला में मनीलॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले की जांच कर रही है। चर्चा है कि ईडी ने केजरीवाल को तलब करने से पहले काफी सबूत जुटाए हैं। इसी मामले में जांच एजेंसी दिल्ली के पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और राज्यसभा सांसद संजय सिंह को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। वहीं, केजरीवाल की पेशी से पहले दिल्ली सरकार के एक और मंत्री राजकुमार आनंद के यहां छापेमारी की है।

एबीवीपी का 69वां राष्ट्रीय अधिवेशन 7 से 10 दिसंबर तक दिल्ली में होगा

नई दिल्ली, (हि.स.)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) का 69वां राष्ट्रीय अधिवेशन 7 से 10 दिसंबर तक दिल्ली में आयोजित होगा। एबीवीपी के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने यह जानकारी देते हुए आज यहां बताया कि इस अधिवेशन में देशभर से छात्र और युवा महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद के लिए एकत्रित होंगे। याज्ञवल्क्य शुक्ल और परिषद के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक आशुतोष सिंह ने गुरुवार को प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में अधिवेशन के पोस्टर लांच कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली में बुराड़ी के डीडीए ग्राउंड में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें देशभर से करीब 10 हजार प्रतिभागियों के शामिल होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि यह एबीवीपी के 75वें वर्ष का अधिवेशन है, जो कि एबीवीपी के देश के प्रमुख छात्र संगठन के रूप में यात्रा के विभिन्न पड़ावों को भी रेखांकित करेगा। देश के कोने-कोने से दिल्ली में विद्यार्थी पहुंचेंगे। इस दौरान विद्यार्थियों के मुद्दों को लेकर चर्चा होगी। शुक्ला ने कहा कि हम युवाओं की राष्ट्र के प्रति कुछ जिम्मेदारी है। हम इन मुद्दों पर भी अपनी भूमिका तय करेंगे। उन्होंने कहा कि परिषद की ओर से 75 विद्यार्थी अंतरराज्यीय छात्र जीवन दर्शन यात्रा के तहत पूर्वोत्तर राज्यों के अध्ययन के लिए यात्रा पर जाएंगे। उल्लेखनीय है कि इस कार्यक्रम में एबीवीपी दिल्ली प्रांत के मंत्री हर्ष अत्री, एबीवीपी दिल्ली प्रांत की प्रांत सहमंत्री मीनाक्षी और परिषद के राष्ट्रीय मंत्री होशियार सिंह मीणा उपस्थित रहे।

राजस्थान एसीबी ने ईडी के अधिकारी और कनिष्ठ सहायक को रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

- चिटफंड मामले में गिरफ्तार नहीं करने की एवज में 17 लाख रुपये मांगने का है आरोप

जयपुर, (हि.स.)। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक अधिकारी और कनिष्ठ सहायक को पन्द्रह लाख रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। दोनों पर चिटफंड मामले में गिरफ्तार नहीं करने की एवज में 17 लाख रुपये मांगने का आरोप है। फिलहाल एसीबी की टीमें आरोपितों के आवास और बहरोड़-नीमराना स्थित अन्य ठिकानों पर सर्च कर रही हैं। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी ने बताया कि एसीबी के जयपुर मुख्यालय की टीम को शिकायत मिली थी कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की और से इम्फाल (मणिपुर) में दर्ज चिटफंड मामले में शिकायतकर्ता से 17 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की जा रही है। शिकायत करने वाले का यह भी कहना था कि उससे यह रिश्वत मामले को निपटाने, प्रॉपर्टी अटैच नहीं करने और गिरफ्तार नहीं करने की एवज में मांगी जा रही है। शिकायतकर्ता ने ईडी के सब जोन कार्यालय इम्फाल के प्रवर्तन अधिकारी (ईओ) नवल किशोर मीणा उर्फ एनके मीणा के खिलाफ यह शिकायत की थी। इस पर एसीबी जयपुर नगर तृतीय टीम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिमांशु के निर्देशन में कार्रवाई करते हुए एनके मीणा को उनके जयपुर स्थित निवास तुंगा बस्सी से 15 लाख रुपये की रिश्वत राशि लेते हुए गिरफ्तार किया गया है। उनके साथ कनिष्ठ सहायक (राजस्थान राज्यकर्मी) बाबूलाल मीणा उर्फ दिनेश को भी पकड़ा गया है। फिलहाल एसीबी की टीमें आरोपितों से पूछताछ के साथ ही इनके आवास और बहरोड़-नीमराना स्थित अन्य ठिकानों पर सर्च कर रही है।

केंद्रीय पंचायत राज्यमंत्री कपिल और सांसद मनोज कोटक ने किए बदरी-केदार के दर्शन

गोपेश्वर, (हि.स.)। केंद्रीय पंचायत राज राज्य मंत्री कपिल मोरेश्वर पाटिल ने गुरुवार को सपरिवार भगवान बदरी-केदार के दर्शन किये उनके साथ मुंबई सांसद मनोज कोटक भी धामों के दर्शन और पूजन कर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया। बीकेटीसी के मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ ने बताया कि पंचायत राज्य मंत्री कपिल पाटिल आज देहरादून से पहले श्री केदारनाथ धाम पहुंचे और मंदिर में पूजा-अर्चना की। मंदिर दर्शन के पश्चात मंत्री कपिल और सांसद मनोज तीतीर्थयात्रियों से मिले और भोले बाबा का जयघोष भी किया। मंदिर समिति कार्याधिकारी आरसी तिवारी ने उनका स्वागत कर भगवान केदारनाथ का प्रसाद भेंट किया। इस अवसर पर धमार्चार्य ओंकार शुक्ला, प्रदीप सेमवाल, लोकेंद्र रिवाड़ी, कुलदीप धर्म्वाण ललित त्रिवेदी आदि मौजूद रहे। इसके बाद राज्यमंत्री कपिल पाटिल श्री बदरीनाथ धाम पहुंचे जहां हेलीपेड पर श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति उपाध्यक्ष किशोर पंवार ने उनकी अगुवानी की और मंदिर पहुंचने पर स्वागत किया। श्री बदरीनाथ मंदिर में दर्शन पश्चात उनको भगवान बदरीविशाल का प्रसाद एवं अंगवस्त्र भेंट किया। पंचायतराज राज्य मंत्री को श्री बदरीश पंचायत के बारे में बताया गया तो उन्होंने कहा कि सनातन देवसंस्कृति में पंचायत की व्यवस्था युगों-युगों से विद्यमान है। इस अवसर पर प्रभारी अधिकारी गिरीश देवली, धर्माधिकारी राधाकृष्ण थपलियाल, मंदिर अधिकारी राजेंद्र चौहान, नगर पंचायत ईओ सुनील पुरोहित, बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़, एसआई योगेन्द्र बिष्ट आदि मौजूद थे।

लैंगिक समानता किसी भी समानता के लिए सर्वोत्कृष्ट : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को इस बात पर जोर दिया कि लैंगिक समानता किसी भी समानता के लिए सर्वोत्कृष्ट है और यदि लैंगिक समानता नहीं है तो समाज में कोई समानता नहीं हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि यह लैंगिक समानता सार रूप में होनी चाहिए और इसकी अभिव्यक्ति जमीनी हकीकत होनी चाहिए। उपराष्ट्रपति ने दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस कॉलेज के प्लेटिनम जुबली संबोधन में भारतीय संसद में महिलाओं की भूमिका विषय पर अपने भाषण के दौरान यह टिप्पणी की। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि संसद में महिलाओं की भूमिका बहुत बड़ी है और उनकी उपस्थिति अपने आप में विधानमंडलों में माहौल को उत्साहित कर देगी। यह स्वीकार करते हुए कि महिलाएं अपने जीवन के अनुभवों और उनके सामने आने वाली चुनौतियों को सामने लाने में सक्षम होंगी, धनखड़ ने जोर देकर कहा कि इससे निश्चित रूप से नीतियों के विकास में शासन को मदद मिलेगी, जिससे बड़े मुद्दों का समाधान होगा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण) के पारित होने को इतिहास में एक युगांतकारी विकास बताते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह एक महान विकास है, जो यह सुनिश्चित करेगा कि 2047 में भारत जब अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा तब हम शिखर पर होंगे। यह उल्लेख करते हुए कि जब राज्यसभा ने महिला आरक्षण विधेयक पर चर्चा की तो उन्होंने उच्च सदन का नेतृत्व करने के लिए 17 महिला सांसदों को चुना। उपराष्ट्रपति ने छात्राओं से आह्वान किया कि वे कभी भी खुद को बैक बेंच या बैकफुट पर न रहने देंदुनिया आपकी है; दुनिया को आपके द्वारा आकार देना होगा। आज, भारतीय महिलाएं वैश्विक संस्थानों में शक्ति के पद पर आसीन हैं, जिससे हम सभी को बहुत गर्व हो रहा है। 2019 के आम चुनावों में लोकसभा में सबसे अधिक संख्या में महिला सांसदों के चुने जाने का जिक्र करते हुए धनखड़ ने इस सफलता का श्रेय पिछले वर्षों में प्रधानमंत्री द्वारा की गई विभिन्न महिला सशक्तीकरण पहलों को दिया। यह देखते हुए कि 'सरपंच पति' की घटना काफी हद तक खत्म हो गई है। उन्होंने कहा कि अब कोई भी महिला प्रतिनिधियों के लिए बनी सीट पर कब्जा करने की हिम्मत नहीं करता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि ये महिलाएं ही हैं, जो अपने परिवार, समाज, बच्चों और बुजुर्गों के लिए बहुत त्याग करती हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि अपने लिंग को न्याय देना मेरे लिंग के लिए स्वतः न्याय है। उन्होंने ऐसा इसलिए है, क्योंकि आपका लिंग सद्गुण, उदात्तता और सेवा का उदाहरण देता है। भगवान ने आपको ऐसी क्षमताएं प्रदान की हैं, जो आपको दूसरों की मदद करने का अवसर देती हैं। हाल के वर्षों में महिला सशक्तीकरण के लिए सरकार द्वारा विभिन्न पहलों का उल्लेख करते हुए, धनखड़ ने कहा, 'रक्षा बलों में लड़कियां युद्ध की स्थिति में हैं। सैनिक स्कूलों में अब लड़कियों को भी प्रवेश मिल रहा है। आप परिवर्तन हैं, आप परिवर्तन को उत्प्रेरित कर रहे हैं।" भारत के दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने पर खुशी व्यक्त करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास मुख्य रूप से महिलाओं द्वारा संचालित है। भारत उत्थान पर है और यह उत्थान अजेय है। उपराष्ट्रपति ने कहा कुछ लोग भारत की विकास गाथा को पचा नहीं पा रहे हैं और छात्रों से ऐसे तत्वों को जवाब देने का आह्वान किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि आपकी चुप्पी राष्ट्रीय हित में नहीं होगी और उनसे "भारत के गौरवान्वित नागरिक होने और हमारी भारतीयता पर गर्व करने" के लिए कहा। प्रधानमंत्री के 'वोकल फॉर लोकल' के आह्वान को दोहराते हुए उपराष्ट्रपति ने देश के विकास में आर्थिक राष्ट्रवाद के महत्व पर जोर दिया और इस बात पर जोर दिया कि दीया, मोमबत्ती, पतंग, खिलौने और पर्दे जैसी वस्तुओं का आयात नहीं किया जाना चाहिए। इससे पहले उपराष्ट्रपति ने कॉलेज के 75 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाते हुए स्मारक प्लेटिनम जुबली वॉल्यूम - मिरांडा हाउस क्रॉनिकल्स का विमोचन किया। इसके अलावा उन्होंने कॉलेज परिसर में एक पौधा भी लगाया। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह, डीयू के डीन ऑफ कॉलेजेज प्रोफेसर बलराम पाणि, डीयू की प्रॉक्टर प्रोफेसर रजनी अब्बी, मिरांडा हाउस की प्रिंसिपल प्रोफेसर बिजयलक्ष्मी नंदा, संकाय सदस्य, छात्र और अन्य गण्यमान्य लोग उपस्थित थे।

प. बंगाल: सीमा पर ट्रक से मिले 4 करोड़ से अधिक रुपये के सोने के बिस्किट

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल से सटी भारत-बांग्लादेश सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने सोने की एक बड़ी तस्करी को नाकाम कर दिया है। बीएसएफ के दक्षिण बंगाल के मुख्य संपर्क अधिकारी और डीआईजी एके आर्य ने गुरुवार दोपहर को इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक दिन पहले उत्तर 24 परगना की पेट्रापोल सीमा चौकी के पास बीएसएफ जवानों को सोना तस्करी की पुख्ता सूचना मिली थी। इसके बाद एक संदिग्ध ट्रक को रोककर बीएसएफ के जवानों ने तलाशी ली तो उसमें केबिन के अंदर बनाए गए विशेष जगह पर सोने के 60 बिस्किट छुपाए हुए थे। इसे सफेद पारदर्शी टेप में लपेटा गया था। सोने का वजन 6998.580 ग्राम है और कीमत करीब 4 करोड़ 32 लाख 86 हजार रुपये आंकी गई है। ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिसकी पहचान 23 साल के सूरज मैग के तौर पर हुई है। वह उत्तर 24 परगना के बनगांव थाना क्षेत्र का ही रहने वाला है। आरोपित ने पूछताछ में बताया है कि ट्रक को अमूमन तस्करी के लिए इस्तेमाल करता रहा है। लैंड ट्रांसपोर्ट के माध्यम से वह बांग्लादेश आता-जाता है। बांग्लादेश के मोहम्मद मामून नाम के एक तस्कर ने उसे सोने की तस्करी का लालच दिया था और 10 हजार रुपये देने की बात कही थी। सोने को उत्तर 24 परगना के पेट्रापोल के ही रहने वाले दूसरे तस्कर अजगर शेख को सौंपा जाना था। आरोपित को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए सोने के साथ कस्टम विभाग कोलकाता को सौंप दिया गया है। उसकी निशान देही पर संबंधित तस्करों की तलाश तेज कर दी गई है।

राज्यपाल को समन भेजने के मामले में एसडीएम और पेशकार निलंबित

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल को समन भेजने के मामले में राज्य शासन ने संबंधित एसडीएम और उनके पेशकार को निलंबित कर दिया गया है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। बदायूं के जिलाधिकारी मनोज कुमार के मुताबिक इस मामले में बड़ी चूक मानते हुए एसडीएम विनीत कुमार को बुधवार को निलंबित कर दिया गया। संबंधित फाइल पेश करने वाले एस-डीएम के पेशकार बदन सिंह को भी निलंबित किया गया है। बदायूं के एस-डीएम विनीत कुमार ने भूमि विवाद के एक मामले में राज्यपाल को समन जारी किया था। इस समन को लेकर राजभवन ने कड़ी नाराजगी जताई थी। मामला राज्यपाल से जुड़ा होने के चलते शासन ने कड़ा संज्ञान लिया और प्रकरण में शासन ने बदायूं के जिलाधिकारी से पूरे मामले की जांच रिपोर्ट तलब की थी। एसडीएम विनीत कुमार ने पेशकार की लापरवाही बताई थी, लेकिन राज्य शासन ने जिलाधिकारी की रिपोर्ट के बाद एस-डीएम और पेशकार को निलंबित कर दिया। राज्यपाल के विशेष सचिव के मुताबिक बदायूं के जिलाधिकारी को पत्र भेज कर जानकारी दी गई थी कि राज्यपाल को समन भेजना संविधान के अनुच्छेद 361 का उल्लंघन है और भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति न होने पाए।

उल्लेखनीय है कि बदायूं जिले में स्थित ग्राम बहेड़ी में करीब ढाई बीघा भूमि का विवाद था। इस मामले में एक पक्ष ने एसडीएम विनीत कुमार की कोर्ट में वाद दायर किया था। वादी चंद्रहास का आरोप था कि उसके चाची की जमीन को रिश्तेदारों ने धोखाधड़ी से अपने नाम करा लिया। बाद में उस जमीन को लेखराज नाम के व्यक्ति को बेंच दी। लेखराज पर आरोप था कि उसमें से एक वीघा जमीन सड़क निर्माण में चली गई थी, जिसका मुआवजा करीब 15 लाख लेखराज ने लिया है। इस मामले में लेखराज, लोक निर्माण विभाग और राज्यपाल को पक्षकार बनाया गया था। इसी मामले में एसडीएम ने राज्यपाल को समन जारी किया था। समन 10 अक्टूबर को राजभवन पहुंचा था, जिसके बाद हड़कंप मच गया।

मुख्यमंत्री योगी ने हरदोई में 541 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया

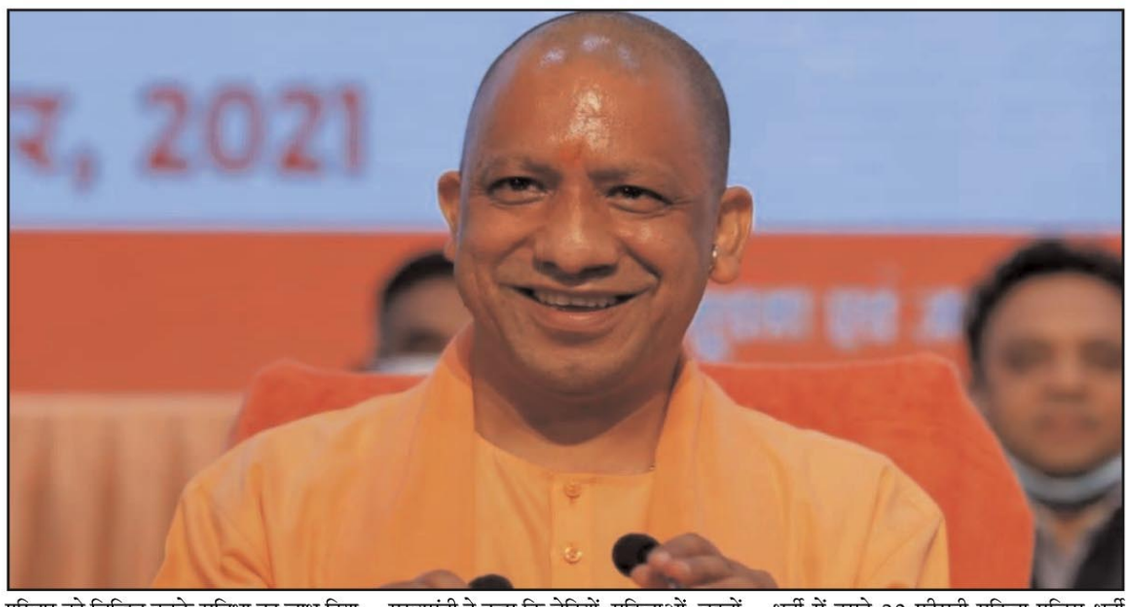

हरदोई, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को हरदोई जिले को 541 करोड़ की 217 विकास परियोजनाओं की सौगात दी है। विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के मौके पर मुख्यमंत्री ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित होने के लिए महिलाओं को बधाई दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित होने के लिए नारी शक्ति को बधाई। आधी आबादी को सम्मान सशक्तिकरण से ही समाज देश का उत्थान हो सकता है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार इस दिशा में काम कर रही है। इसी कारण आज पीएम आवास, हर घर शौचालय, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान योजना, सब में आधी आबादी और उनके परिवार को लाभान्वित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बेटियों, बहनों को आगे बढ़ाने के लिए अनेक कार्यक्रम चल रहे हैं। आज सामान्य शिक्षक से चंद्रयान तक और पंचायत स्तर तक आधी आबादी को अवसर मिल रहा है। इसी से समर्थ और स्वावलम्बी भारत का निर्माण हो रहा है। विपक्ष पर हमला बोलते हुए योगी ने कहा कि पहले योजनाएं बनती थीं लेकिन महिलाओं को इसमें कोई अवसर नहीं मिलता था। आज एक-एक परिवार को चिन्हित करके सुविधा का लाभ दिया जा रहा है। पहले गरीब गांव में जिस जमीन पर अपनी झोपड़ी बनाता था, दबंग उस पर कब्जा कर लेते थे। आज पीएम स्वामित्व योजना से उन्हें सम्पत्ति का अधिकार दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों, महिलाओं, बहनों की सुरक्षा के जो पुख्ता इंतजाम हमने सरकार में आने के बाद किये, उसका परिणाम है कि उत्तर प्रदेश पुलिस बल में वर्तमान में महिला संख्या बल 40 हजार हो गयी है। डेढ़ लाख भर्ती में हमने 20 फीसदी महिला पुलिस भर्ती किये हैं। इस मौके पर सहकारित राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)जेपीएस राठौर, आबकारी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

रूड़की रेलवे स्टेशन का पुनर्निर्माण कर बनाया जाएगा अंतर्राष्ट्रीय स्तर का रेलवे स्टेशन

-उत्तर रेलवे के मुरादाबाद रेल मण्डल के वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक/कोचिंग सुधीर सिंह ने दी जानकारी

मुरादाबाद, (हि.स.)। उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मण्डल वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक/कोचिंग सुधीर सिंह ने बताया कि भारत सरकार की अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत मुरादाबाद मण्डल के रूड़की रेलवे स्टेशन को पुनर्निर्माण कर सभी सुविधाओं से युक्त अंतर्राष्ट्रीय स्तर का रेलवे स्टेशन बनाया जायेगा। सीनियर डीसीएम सुधीर सिंह ने बताया कि भारतीय रेलवे पर रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए हाल ही में अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की गई है। यह योजना दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ निरंतर आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना करती है। भारत सरकार की महत्वपूर्ण अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत मुरादाबाद मण्डल में 19 स्टेशनों का चयन किया गया है जिसमें से एक मण्डल का रूड़की रेलवे स्टेशन है। मण्डल रेल प्रबंधक राजकुमार सिंह के मार्गदर्शन में मण्डल का गति शक्ति यूनिट इस महत्वपूर्ण योजना पर मुरादाबाद मण्डल में कार्य कर रहा हैं। इस योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशन तक आसान पहुंच, सकुर्लेटिंग एरिया, वेटिंग हॉल, शौचालय, लिफ्ट/एस्केलेटर, स्वच्छता, मुफ्त वाई-फाई, स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क जैसी सुविधाओं में सुधार के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणों में उनका कार्यान्वयन शामिल है। प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक स्टेशन एक उत्पाद, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, कार्यकारी लाउंज, व्यावसायिक बैठक के लिए नामांकित स्थान, भूनिर्माण आदि जैसी योजनाएं शामिल हैं।

उप्र में हवा की गुणवत्ता दिनों दिन हो रही खराब

-अभी तक नहीं हुआ कड़ाके की ठंड का एहसास

लखनऊ (ईएमएस)। यूपी में हवा की गुणवत्ता दिनों दिन खराब श्रेणी में आ रही है। सर्दी तो इतनी नहीं बढ़ी, लेकिन प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। जहां सुबह और शाम को मौसम ठंडा होता है, दोपहर के समय धूप होती है। तापमान में भी कुछ गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक, अभी मौसम में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा और नवंबर में मौसम इसी तरह बना रहेगा। यानी दोपहर में धूप, और सुबह, शाम, रात को मौसम ठंड रहेगा। नवंबर में कड़ाके की ठंड का एहसास तो नहीं होने वाला है, हालांकि ये महीना अक्टूबर से ज्यादा ठंडा रहेगा। वहीं, राज्य के ज्यादातर जिलों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से लेकर 33 डिग्री सेल्सियस के बीच, जबकि न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस से लेकर 16 डिग्री सेल्सियस तक रहने का अनुमान है। दूसरी तरफ राज्य में प्रदूषण का स्तर भी लगातार बढ़ रहा है। दिल्ली से सटे नोएडा, गाजियाबाद में लोगों का सांस लेना मुश्किल होता जा रहा है। सुबह-सुबह स्मॉग की सफेद चादर देखने को मिल रही है। नोएडा में एयर क्वालिटी इंडेक्स 397 बहुत खराब श्रेणी में है।

मेरठ में एयर क्वालिटी इंडेक्स 265 दर्ज किया गया। यहां हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में है। कानपुर में भी एक्यूआई बहुत खराब है। जानकारी के मुताबिक, गाजियाबाद के संजय नगर में एक्यूआई 250, ग्रेटर नोएडा में एयर क्वालिटी इंडेक्स 327 दर्ज किया गया। जहां की खराब हवा में लोगों का सांस लेना मुश्किल हो गया है।

10 घंटे में पुल का दरक जाना गंभीर विषयः अखिलेश यादव

-सपा प्रमुख का भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप

प्रयागराज (ईएमएस)। यूपी के टोंस नदी पर बने नवनिर्मित पुल में गड़बड़ी सामने आने पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा उद्घाटन करने के बाद 10 घंटे के अंदर पुल का दरक जाना एक गंभीर विषय है। नारीबारी-कोरांव राज्य राजमार्ग पर बने इस पुल का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लोकार्पण किया था। जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने सोमवार की रात इस पुल में गड़बड़ी आने की बात स्वीकार की थी। ट्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्स पर कहा कि प्रयागराज में मुख्यमंत्री जी द्वारा उद्घाटित पुल का 10 घंटे में ही दरक जाना एक गंभीर विषय है, जबकि कुंभ मेले का समय पास आता जा रहा है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के कमजोर स्तंभों पर मजबूत पुल कैसे बन सकते हैं? गुजरात में भी ऐसा ही हुआ था। जन-जीवन की सुरक्षा के लिए आग्रह है, ह्यगुजरात का विकास मॉडल यहां न लगाया जाए। नवंबर 2021 में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने इस पुल की आधारशिला रखी थी। उस समय केशव मौर्य के पास लोक निर्माण विभाग का प्रभार था। एक महीने पहले यह पुल बनकर तैयार हो गया और सोमवार को मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने इसका उद्घाटन किया। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कार्यकताओं को उत्तर प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों पर चुनाव की तैयारी करने के निर्देश देते हुए 65 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े करने के संकेत दिए। सपा के राष्ट्रीय सचिव एवं प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव की रणनीति और अन्य विषयों पर चर्चा के लिए यहां पार्टी राज्य मुख्यालय में सपा प्रदेश कार्यकारिणी की अहम बैठक हुई। उन्होंने बताया, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कार्यकताओं से कहा कि वे प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी करें। इनमें से 65 सीटें समाजवादी पार्टी जीतनी चाहिए।

दस माह बीतने के बाद भी पलामू में नहीं बना मॉडल छात्रावास

पलामू, (हि.स.)। जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के बाइपास रोड रेडमा के अनुसूचित जाति बालक कल्याण छात्रावास को मॉडल बनाने के लिए अबतक एक ईंट तक नहीं जोड़ी गयी है। दिन प्रतिदिन छात्रावास की छत सहित अन्य हिस्से और जर्जर होते जा रहे हैं। छत से हर दिन प्लास्टर टूटकर गिरता है, जिससे जान का खतरा बना रहता है। दस महीने बीत चुके हैं लेकिन किसी तरह का निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया है। अनुसूचित जाति-जनजाति छात्र संघर्ष मोर्चा के पलामू जिलाध्यक्ष उदय राम ने कहा कि अनुसूचित जाति बालक कल्याण कॉलेज छात्रावास 100 सीट का है। छात्रावास 1954-55 ई. में बना है। पलामू-गढ़वा, लातेहार के छात्र रहकर पढ़ाई-लिखाई करते हैं। छात्रावास की हालत अत्यंत दयनीय है। छत से पानी टपकता है। कहीं कहीं तो प्लास्टर गिर जाने के कारण रॉड दिखाई देता है। छात्रावास में शौचालय एवं पानी का अभाव है। अनुसूचित जाति आयोग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अरुण हलधर ने कुछ माह पहले छात्रावास की मरम्मत कराने का निर्देश उपायुक्त एवं जिला कल्याण पदाधिकारी को दिए थे लेकिन आज तक छात्रावास की मरम्मत नहीं हो सकी, जिसमें छात्रों में काफी आक्रोश है। उन्होंने कहा कि छात्रावासों में अनुसूचित जाति बालक कल्याण कॉलेज 100 सीट, बाबू जगजीवन राम बालक छात्रावास 100 सीट, अनुसूचित जाति बालक छात्रावास 50 सीट, अनुसूचित जाति पी.जी. छात्रावास 50 सीट शामिल हैं। सभी छात्रावास कल्याण विभाग द्वारा संचालित होता है।

सभी छात्रावासों की हालत खराब है। पी.जी. एवं बालक छात्रावास इतना जर्जर है कि छात्र उसमें रहना नहीं चाहते हैं। कभी भी अप्रिय घटना घट सकती है। छात्र सहमे रहते हैं। उपायुक्त से आग्रह किया है कि छात्रावासों की अविलंब मरम्मत कराई जाए। उल्लेखनीय है कि गत 08 दिसंबर, 2022 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, कृषि मंत्री बादल पत्रलेख, पेयजल स्वच्छता मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने उपरोक्त अनुसूचित जाति बालक कल्याण छात्रावास का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के बाद घोषणा की थी कि मॉडल छात्रावास बनाया जायेगा एवं सभी सुविधाओं से लैस किया जायेगा। इससे छात्रों में भारी आक्रोश है।

छात्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री एवं अन्य मंत्रियों ने जायजा लिया, स्थिति जानी और आश्वासनों का घूंट पिलाकर चले गए। कोई सुधि लेने नहीं आ रहा है।

जनहित याचिका नियम को झारखंड हाई कोर्ट में दी गई चुनौती

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट में याचिका दायर कर जनहित याचिका नियम 2010 की पांच धाराओं को चुनौती दी गई है। इस संबंध में याचिकाकर्ता मंटू सोनी की ओर से याचिका दायर की गई है। उन्होंने अधिवक्ता अभिषेक कृष्ण गुप्ता को अपना वकील नियुक्त किया है। याचिका में झारखंड जनहित याचिका नियम 2010 की पांच धाराओं को असंवैधानिक बताया गया है। उन्होंने याचिका में कहा है कि हाईकोर्ट की जनहित याचिका नियम से संबंधित प्रावधान अस्पष्ट है, जिसकी वजह से संबंधित पक्षों को याचिका प्रभावित करने के लिए संवैधानिक मूल्य प्रभावित होते हैं। याचिका में झारखंड सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ लॉ के सेक्रेटरी और झारखंड हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को प्रतिवादी बनाया गया है। याचिका में मुख्य रूप से जनहित याचिका नियम 2010 की धारा चार,पांच,सात और नौ में उल्लेखित क्रिडेंसियल्स शब्द की अस्पष्टता और व्याख्या के अलावे सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2013 में जनहित याचिका के लिए बनाए नियमों में स्पष्टता है। इन बिंदुओं को लेकर हाई कोर्ट के जनहित याचिका के नियम की धाराओं को चुनौती दी गई है। याचिका में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट ने जनहित याचिका से संबंधित प्रावधान में यह स्पष्ट किया है कि जनहित याचिका के आवेदक को किन-किन बिंदुओं पर स्पष्ट जानकारी देनी है लेकिन झारखंड हाई कोर्ट के जनहित याचिका नियम की धाराओं में अस्पष्टता है. जिससे आवेदकों में भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है और संवैधानिक मूल अधिकार भी प्रभावित होते हैं। हाई कोट के जनहित याचिका नियम 2010 के धारा 5 में याचिकाकर्ता पर सिविल या क्रिमिनल मुकदमों का स्पष्ट रूप से विवरण देना अनिवार्य नहीं बताया गया है जबकि सुप्रीम कोर्ट की जनहित नियमावली में स्पष्ट किया गया है कि याचिकाकर्ता पर किसी भी नागरिक, आपराधिक या राजस्व मुकदमे से संबंधित विवरण, जिसका जनहित याचिका में शामिल मुद्दों के साथ कानूनी संबंध हो या आगे हो सकता है। इसका विवरण देना स्पष्ट रूप से अनिवार्य किया गया है।

शिशु ज्ञान केन्द्र और ज्ञान भारती में बिक रही थी नकली किताबें

रामगढ़, (हि.स.)। रामगढ़ शहर के भीड़ भाड़ वाले इलाके लोहार टोला में दो पुस्तकों की दुकान नकली किताबें बेचने का काम कर रही थी। शिशु ज्ञान केंद्र और ज्ञान भारती पुस्तक भंडार दुकान में जब छापेमारी हुई तो वहां भारी मात्रा में नकली पुस्तक बरामद की गई है। इस मामले में पुस्तक प्रकाशित करने वाली कंपनी द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि संजीव कुमार राघव ने रामगढ़ थाने में प्राथमिक की दर्ज कराई है। इस प्राथमिकी में उन्होंने शिशु ज्ञान केंद्र पुस्तक भंडार के मालिक प्रभाकर कुमार और ज्ञान भारती पंचम को अभियुक्त बनाया है। उन दोनों के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट की धारा 63 के साथ-साथ धोखाधड़ी का भी मामला दर्ज किया गया है कंपनी के द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि संजीव कुमार राघव ने पुलिस को बताया कि रामगढ़ शहर में असली पुस्तकों की नकल तैयार कर नकली पुस्तकों की खेप ग्रामीण इलाकों में भेजी जा रही थी। नकली पुस्तकों पर भी नकली होलोग्राम लगाया जा रहा था। जांच में पता चला कि ज्ञान भारती और शिशु ज्ञान केंद्र में खुलेआम नकली पुस्तकें बेची जा रही है। साथ ही नकली पुस्तकों को असली बताकर ग्रामीण क्षेत्रों में भी बड़े पैमाने पर सप्लाई किया जा रहा है। पुलिस जब कंपनी द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि के साथ छापेमारी करने पहुंचे तो ज्ञान भारती दुकान में कई ऑथर की नकली किताबें बरामद हुई ऑथर एम लक्ष्मीनाथ की इंडियन पालिटी, गवर्नर इन इंडिया, भारत की राजव्यवस्था, ऑथर रमेश सिंह की इंडियन इकोनामी, ऑथर नितिन सिंघानिया की इंडियन आर्ट एंड कल्चर, ऑथर मस्जिद हुसैन की इंडियन एंड वर्ल्ड ज्योग्राफी, जियोग्राफी ऑफ इंडिया, नितिन सिंघानिया कि भारतीय कला एवं संस्कृति, एस. चंद्र एंड कंपनी लिमिटेड की साइंस का 10 क्लास बायोलॉजी पार्ट 3 ऑथर लखमीर सिंह- मनजीत कौर, साइंस का 10 क्लास पार्ट 2, हाई स्कूल इंग्लिश ग्रामर एंड कंपोजिशन की नकली पुस्तकें बरामद हुई। शिशु ज्ञान मंदिर पुस्तकालय में जब छापेमारी हुई तो वहां वर्मा टुडे के चैप्टर वाइज क्लास 8, क्लास नाइंथ, क्लास 10 एवं बहुविकल्पीय एवं विषय निश्चित प्रश्नोत्तरी बोर्ड परीक्षा नकली किताबें जब्त हुई है। दोनों ही दुकानदारों के द्वारा असली किताबों का नकली रूप तैयार किया जा रहा था और भोले भाले छात्रों को ठगा जा रहा था। आर्थिक लाभ के लिए इन दोनों दुकानदारों ने कंपनियों एवं सरकार को भारी आर्थिक हानि पहुंचाई है।

सदर अस्पताल में हुई स्कूली बच्चो की कैंसर की स्क्रीनिंग

किशनगंज, (हि.स.)। कैंसर एक ऐसी जटिल एवं गंभीर बीमारी है। जिसकी जद में आकर पूरे विश्व में हर वर्ष लाखों लोग काल के गर्भ में समा जाते हैं। ज्यादातर मरीजों में जांच के दौरान पाया जाता है कि उनका कैंसर अब आखरी चरण में पहुंच चुका और वैसी स्थिति में उपचार संभव नहीं होता है। गुरुवार को सिविल सर्जन डा. कौशल किशोर ने बताया कि कैंसर का उपचार शुरूआती लक्षणों को पहचानने के उपरांत ही संभव है। लक्षण नजर आते ही कैंसर की जांच करवाने से कई जिंदगी बचायी जा सकती है। कैंसर सामान्यतः खतरनाक माना जाता लेकिन ससमय लक्षणों की पहचान कर इससे मुक्ति संभव है। उन्होंने बताया कि कैंसर अब लाइलाज बीमारी नहीं है। बस इसका सही समय पर पता करना तथा शुरूआती लक्षण पर ध्यान देने की जरूरत है। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं में इन दिनों स्तन कैंसर एवं पुरुषों में मुंह का कैंसर ज्यादा सामने आ रहा है। उन्होंने बताया कि तंबाकू सेवन मुख के कैंसर का प्रमुख कारण है। इसी क्रम में जिले के सदर अस्पताल में गैर संचारी रोग पदाधिकारी डा. उर्मिला कुमारी की अध्यक्षता में जिले में कार्यरत होमी भाभा कैंसर अस्पताल के डा. सद्दाम अंसारी एवं डा. विजयलक्ष्मी के द्वारा स्कूली बच्चो में कैंसर की स्क्रीनिंग तथा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 30 बच्चों समेत कुल 34 लोगों की स्क्रीनिंग की गई है। डा. उर्मिला कुमारी ने बताया कि सिविल सर्जन डा. कौशल किशोर के दिशा-निर्देश के आलोक में जिले में नवंबर 2022 से लेकर अभी तक कुल 18,364 लोगों की स्क्रीनिंग की गयी है। जिसमें 7987 पुरुष एवं 10377 महिला शामिल हैं। वहीं इनमें कैंसर के लक्षण वाले 57 मरीज मिले हैं।

जिन्हें फॉलोअप में रखा गया है। इसके अलावा 06 कैंसर का कंफर्म केस भी मिला है। 02 रोगी को विशेष इलाज हेतु रेफर किया गया है। वहीं अब तक कुल 04 लोगों की बायोप्सी भी की गयी है। सिविल सर्जन डा. कौशल किशोर ने बताया कि ज्यादातर कैंसर के चार लक्षण पाए जाते हैं। इन्हें स्टेज 1 से लेकर स्टेज 4 तक की श्रेणी में रखा जाता है। स्टेज 1 की स्थिति में कैंसर का संक्रमण एक छोटे क्षेत्र में सीमित रहता और इसका फैलाव शरीर के अन्य हिस्सों में नहीं होता है। स्टेज 2 में कैंसर में वृद्धि देखी जाती लेकिन फैलाव नहीं होता है। स्टेज 3 की स्थिति में कैंसर और फैल जाता और शरीर की अन्य कोशिकाओं को प्रभावित करता है। स्टेज 4 जिसे एडवांस्ड कैंसर की स्थिति भी कहते हैं, में कैंसर तेजी से शरीर के कई अंगों में फैलता और कोशिकाओं को नष्ट करता है। उन्होंने बताया कि मुंह के अंदर या बाहर फोड़ा, जख्म का नहीं भरना। मुंह के अंदर या जीभ पर सफेद चकता, बलगम, पखाना, पेशाब या जननान्ग मार्ग से खून आना। स्तन में गांठ, स्तन से खून का रिसाव, रजोवृति के बाद रक्तस्राव, जननान्ग मार्ग रिसाव में दुर्गंध, चमड़े पर तिल या गांठ के आकार में इजाफा होना कैंसर के कारण के लक्षण होते है। डा० विजयलक्ष्मी ने बताया कि व्यक्ति में कैंसर खराब एवं अनियंत्रित दिनचर्या, शराब एवं तंबाकू का सेवन, शरीर पर रेडिएशन का प्रभाव, अंग प्रत्यारोपण आदि से हो सकता है। व्यसनों से दूरी, नियंत्रित दिनचर्या एवं सजगता, कैंसर से बचने का सबसे सरल एवं सुगम तरीका है। डा० कौशल किशोर ने बताया कि कैंसर के प्रारंभिक लक्षणों की पहचान होने से मरीज का समय से इलाज संभव है। जिससे उसे ठीक किया जा सकता है। वहीं, ओरल व ब्रेस्ट कैंसर की प्रारंभिक पहचान मरीज स्वयं कर सकते हैं। इस-के लिए लक्षणों की पहचान जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों जो तंबाकू का सेवन अधिक करते उन्हें कैंसर के खतरों व उसके पहचान से संबंधित जानकारी होनी चाहिए। स्वयं जांच करने के लिए मरीज को अपने मुंह को साफ पानी से धोते हुए कुल्ला करना होगा। उसके बाद आइने के सामने अच्छी रोशनी में सफेद या लाल छाले, न ठीक होने वाले पुराने जख्म या घाव के साथ पूरा मुंह न खोल पाने जैसी बातों की जांच करनी है। यह परीक्षण महीने में एक बार अनिवार्य है। इससे कैंसर के लक्षणों की पहचान होगी। अगर उनमें मुंह के कैंसर के प्रा-रंभिक लक्षण दिखे, तो तुरंत उन्हें चिकित्सक की सलाह लेना आवश्यक है।

प्रभारी मंत्री जमा खां ने सभी विभागीय पदाधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

किशनगंज,(हि.स.)। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग सह प्रभारी मंत्री, किशनगंज जिला जमा खां ने गुरुवार को जिला अतिथि गृह में सभी विभागीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। समीक्षोपरांत आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। प्रभारी मंत्री ने बैठक में सर्वप्रथम उपस्थित पदाधिकारियों से परिचय प्राप्त किया गया। उन्होंने जिला में विभागीय कार्यों के अतिरिक्त संक्षेप में अन्य पदाधिकारियों से उनके विभागीय कार्यों की जानकारी प्राप्त किया। सभी विभागीय कार्यों पर प्रतिवेदन संकलित किया गया। जिला के विकासात्मक और लोक कल्याणकारी कार्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। तत्पश्चात प्रभारी मंत्री जमा खां के द्वारा सर्किट हाउस में प्रेस कांफ्रेंस कर बीपीएससी द्वारा नवनियुक्त अध्यापक को नियुक्ति पत्र वितरण करने के संबंध में बातों को मीडिया के समक्ष रखा गया। उन्होंने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में इस शिक्षक नियुक्ति और नियुक्ति पत्र वितरण को ऐतिहासिक बतलाया। लगभग 1335 नवनियुक्त शिक्षको को स्थानीय शहीद अशफाक उल्ला खां स्टेडियम, खगड़ा किशनगंज में नियुक्ति पत्र वितरण के बारे में जानकारी देते हुए आगे भी शिक्षक नियुक्ति समेत रोजगार प्रदान करने की योजना की जानकारी दिया। पत्रकारों के द्वारा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के कई नवनिर्मित भवन के सुचारू संचालन पर मंत्री ने बतलाया कि विभाग के स्तर से कार्रवाई प्रक्रियाधीन है, और शीघ्र प्रारंभ कर दिया जाएगा। मंत्री के द्वारा जिला के हित में आमजन की समस्याओं के निराकरण तथा राज्य सरकार की योजनाओं के कार्यान्वयन पर दृढ़ संकल्प व्यक्त किया गया।

संपादकीय

जदरांगल में सीयू मुजरिम

अब मसला केंद्रीय विश्वविद्यालय को खंडित करने का नहीं रहा, बल्कि इसके जदरांगल परिसर को खुर्द-बुर्द करने का है और यह हो चुका है। जिन्हें विश्वास था कि जदरांगल परिसर की सियासत में केवल भाजपा दोषी रही, उन्हें आंखें खोलकर देख लेना चाहिए कि कांग्रेस सरकार भी इसे हमीरपुर संसदीय क्षेत्र को वरदान बनाने पर उतारू है। अंततः केवल शांता कुमार ने ही जुबान खोली है, जबकि कांगड़ा से तमाम कांग्रेसी विधायक तो मीठी गोलियां चाट रहे हैं। आश्चर्य यह कि कांगड़ा के कोटे में एकमात्र मंत्री चौधरी चंद्र कुमार भी मुंह में दही जमा के बैठे हैं, जबकि कभी उनकी व सुधीर शर्मा की बदौलत धर्मशाला परिसर का प्रस्ताव बचा था। संस्थान बर्बाद कैसे हो सकते हैं, इसका सबसे बड़ा उदाहरण केंद्रीय विश्वविद्यालय के खंडित अध्याय है। इस नासूर में पहले धूमल और फिर जयराम सरकारें रहीं और अब सुक्खू सरकार के लिए भी यह प्राथमिक उद्देश्य नहीं, वरना कब के तीस करोड़ जमा करवाकर काम शुरू हो चुका होता। भले ही सारा विश्वविद्यालय देहरा में बसा दिया जाए, इससे ऐसे संस्थान के महत्त्व में कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन गंदी सियासत की परछाइयों में रह कर उच्च शिक्षा की कई मंजिलें ध्वस्त हो चुकी हैं। अगर ऐसा नहीं है तो तमाम वे नेता जो धर्मशाला परिसर से खेलते रहे, वे जीत का एहसास कर सकते हैं और जो हारे, वे पीठ पर राजनीतिक चाबुक का प्रहार देख सकते हैं। आश्चर्य यह कि जिस क्रिकेट की हवाएं अनुराग ठाकुर को धर्मशाला में रोशनी दिखाती हैं, वह सांसद हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में केंद्रीय विश्वविद्यालय को बटोरता रहा। कुछ इसी तरह का इतिहास कांगड़ा के सांसद किशन कपूर का भी रहा, जिन्होंने बतौर विधायक सर्वप्रथम धर्मशाला में सीयू के खिलाफ अपना रवैया रचा था। हिमाचल में एम्स, आईआईएम, मेडिकल कालेज और खास तौर पर हमीरपुर के मेडिकल कालेज की इमारतें बिना किसी हुज्जत के चोटियां गिनती रहीं, लेकिन परीक्षाएं धर्मशाला में सीयू की रहीं। धूमल सरकार ने पहले इसकी प्रस्तावित जगह की मिट्टी पलीद की, फिर जदरांगल की संभावना में उनके सिपहसालार रविंद्र रवि ने अपने बयानों से इस स्थान को अपमानित किया। हैरानी यह कि जदरांगल की जमीन को मुजरिम बनाते हुए कभी केंद्रीय वन मंत्रालय के डंडे बरसाए और कभी कोलकाता के भूगर्भीय सर्वेक्षण विभाग के जबड़ों में इसे फंसाया। किसी तरह स्वीकृतियां मिलीं, तो अब सुक्खू सरकार ने जमीन की पैमाइश घटाकर भी तीस करोड़ के भुगतान पर ताले लगा रखे हैं। एक ओर जदरांगल परिसर के प्रति सरकार की उपेक्षा से आहत पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री रहे शांता कुमार आहत हैं और दूसरी ओर देहरा परिसर के निर्माण में चारों घंटे काम की रफ्तार में हर फाइल क्लीयर है। इस सबके बीच केंद्रीय विश्वविद्यालय ने जो इतिहास इकट्ठा किया है, उसमें हिमाचल की प्रतिष्ठा को ही दाग लग रहे हैं। नियुक्तियों से लेकर अध्ययन की परिपाटी तक यह संस्थान एक खास स्वीकृतियों का सृजन कर चुका है, जहां विचारों की पृष्ठभूमि में एकांगी सोच का दायरा बढ़ रहा है। विश्वविद्यालय के सामने हिमाचल की अर्थव्यवस्था, ट्राइबल लाइफ तथा प्राकृतिक आपदाओं पर अध्ययन व शोध के बजाय प्राथमिक विषय यह है कि जम्मू-कश्मीर की हवाओं का रुख किधर है। अभी यह घोषणा हो चुकी है कि धर्मशाला केंद्रीय विश्वविद्यालय यह पता लगाएगा कि धारा 370 हटने व जम्मू-कश्मीर के बंटने के बाद वहां क्या अंतर आ रहा है, इसके ऊपर धर्मशाला सीयू शोध करेगा। धर्मशाला केंद्रीय विश्वविद्यालय की जम्मू-कश्मीर की चिंता विभिन्न संगोष्ठियों में भी झलकती है, जबकि जम्मू व कश्मीर में दो अलहदा-अलहदा केंद्रीय विश्वविद्यालय हैं, तथा एक अन्य संस्थान की लद्दाख के लिए भी पैरवी होती रही है। बहरहाल ताले में बंद धर्मशाला परिसर के साथ होती रही अनवरत राजनीति में अब सुक्खू सरकार का नाम भी जुड़ रहा है। शिक्षा में ऐसे अभिप्राय का असर अंततः छात्र समुदाय को ही अनिश्चितता में धकेलता है।

> अंततः केवल शांता कुमार ने ही जुबान खोली है, जबकि कांगड़ा से तमाम कांग्रेसी विधायक तो मीठी गोलियां चाट रहे हैं। आश्चर्य यह कि कांगड़ा के कोटे में एकमात्र मंत्री चौधरी चंद्र कुमार भी मुंह में दही जमा के बैठे हैं, जबकि कभी उनकी व सुधीर शर्मा की बदौलत धर्मशाला परिसर का प्रस्ताव बचा था। संस्थान बर्बाद कैसे हो सकते हैं, इसका सबसे बड़ा उदाहरण केंद्रीय विश्वविद्यालय के खंडित अध्याय है। इस नासूर में पहले धूमल और फिर जयराम सरकारें रहीं और अब सुक्खू सरकार के लिए भी यह प्राथमिक उद्देश्य नहीं, वरना कब के तीस करोड़ जमा करवाकर काम शुरू हो चुका होता। भले ही सारा विश्वविद्यालय देहरा में बसा दिया जाए, इससे ऐसे संस्थान के महत्त्व में कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन गंदी सियासत की परछाइयों में रह कर उच्च शिक्षा की कई मंजिलें ध्वस्त हो चुकी हैं। अगर ऐसा नहीं है तो तमाम वे नेता जो धर्मशाला परिसर से खेलते रहे, वे जीत का एहसास कर सकते हैं और जो हारे, वे पीठ पर राजनीतिक चाबुक का प्रहार देख सकते हैं। आश्चर्य यह कि जिस क्रिकेट की हवाएं अनुराग ठाकुर को धर्मशाला में रोशनी दिखाती हैं, वह सांसद हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में केंद्रीय विश्वविद्यालय को बटोरता रहा। कुछ इसी तरह का इतिहास कांगड़ा के सांसद किशन कपूर का भी रहा, जिन्होंने बतौर विधायक सर्वप्रथम धर्मशाला में सीयू के खिलाफ अपना रवैया रचा था।

ज्ञान अथवा अनुभव की उतनी आवश्यकता नहीं होती जितनी कि प्रयास, प्रेरक स्थितियों अथवा हमारी आवश्यकता की होती है

कल्पना, प्रयास और सफलता

पीके खुराना

> ज्ञान स्वयं में शक्ति नहीं है। ज्ञान, शक्ति में तभी परिवर्तित होता है जब इसे प्रयोग में लाया जाए। यही नहीं, जब इसे रचनात्मक ढंग से काम में लाया जाए तो यह एक बड़ी शक्ति बन जाता है। ज्ञान के रचनात्मक प्रयोग में कल्पना शक्ति की आवश्यकता होती है। इसीलिए मनोवैज्ञानिक आरंभ से ही कल्पना शक्ति को मानव समाज का सर्वोत्तम उपहार मानते रहे हैं। रचनात्मक कल्पना शक्ति का विकास उसी तरह संभव है जैसे हम तैरना, पढ़ना या चित्र बनाना सीखते हैं। वस्तुतः लगभग हर कला को वैज्ञानिक विधि से सीखा जा सकता है। कला और विज्ञान के इस संगम ने ही मानव को अपरिमित ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।

कहा जाता है कि ज्ञान शक्ति है, पर क्या आप जानते हैं कि यह एक अधूरा सच है। ज्ञान स्वयं में शक्ति नहीं है। ज्ञान, शक्ति में तभी परिवर्तित होता है जब इसे प्रयोग में लाया जाए। यही नहीं, जब इसे रचनात्मक ढंग से काम में लाया जाए तो यह एक बड़ी शक्ति बन जाता है। ज्ञान के रचनात्मक प्रयोग में कल्पना शक्ति की आवश्यकता होती है। इसीलिए मनोवैज्ञानिक आरंभ से ही कल्पना शक्ति को मानव समाज का सर्वोत्तम उपहार मानते रहे हैं। रचनात्मक कल्पना शक्ति का विकास उसी तरह संभव है जैसे हम तैरना, पढ़ना या चित्र बनाना सीखते हैं। वस्तुतः लगभग हर कला को वैज्ञानिक विधि से सीखा जा सकता है। कला और विज्ञान के इस संगम ने ही मानव को अपरिमित ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। हमारी कल्पना शक्ति उतनी ही पुरानी है जितनी हमारी स्मरण शक्ति। कल्पना शक्ति के विकास के लिए, बुद्धिमत्ता, ज्ञान अथवा अनुभव की उतनी आवश्यकता नहीं होती जितनी कि प्रयास, प्रेरक स्थितियों अथवा हमारी आवश्यकता की होती है। जान पर आ बनी हो तो हमारी कल्पना शक्ति ज्यादा मुखर हो जाती है। एक मनोवैज्ञानिक ने इसे एक बार सिद्ध कर दिखाया। अमेरिका की एक विश्वप्रसिद्ध कंपनी के विशाल भवन की बारहवीं मंजिल पर स्थित एक कमरे में बैठे कर्मचारियों व अधिकारियों से उन्होंने एक प्रश्न किया, 'यदि अभी भूकंप आ जाए और यह विशाल भवन दो मिनट में गिरने वाला हो तो आप क्या करेंगे?' अधिकांश लोग कोई सार्थक हल सुझा पाने में असमर्थ रहे। इसके बाद वे साथ के कमरे में गए और लोगों से इधर-उधर की बातें करने लगे। इतने में उनका एक सहायक बदहवास हालत में वहां भागता आया और बोला कि भूकंप आ गया है, सारा भवन गिर रहा है। उनके सहायक का अभिनय इतना शानदार था कि कमरे में मौजूद लोगों को सहज ही उसकी बात पर विश्वास हो गया। दो मिनट के भीतर कमरे में मौजूद सभी लोग भवन से बाहर थे। कोई पाइप से लटका या खिड़की से कूदा, पर सभी भवन से बाहर आ गए! जीवन को खतरे में जानकर कल्पनाशक्ति मुखर हुई और जवान, बूढ़ा, औरत, मर्द, लड़कियां, स्वस्थ व शरीर से कमजोर, हर तरह का व्यक्ति, जान बचाने की जुगत में जुट गया और सफल भी हुआ। इस प्रयोग से कई बातें एक साथ सिद्ध हो गईं। पहली तो यह कि मुखर कल्पनाशक्ति कई तरह के चमत्कार कर पाने में समर्थ है। दूसरे, हर व्यक्ति कल्पनाशील हो सकता है।

तीसरे, कल्पनाशक्ति की मुखरता के लिए प्रयास की सघनता (इंटेंसिटी ऑफ एफर्ट) तथा संचालक शक्ति (ड्राइविंग पावर) सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं। कल्पनाशक्ति के प्रयोग में उम्र कोई बाधा नहीं है। बाद में अलग-अलग प्रयोगों से यह भी सिद्ध हो गया कि उम्र के साथ कल्पनाशक्ति का क्षरण नहीं होता, बल्कि कल्पनाशक्ति का प्रयोग करते रहने वाले व्यक्ति की कल्पना बढ़ती उम्र के साथ अधिक मुखर और परिपक्व हो जाती है। वस्तुतः बढ़ी उम्र के लोगों में रचनात्मक कल्पनाशक्ति के अभाव के जो कारण पाए गए, वे परंपरागत विश्वास के एकदम विपरीत निकले। हमारी शिक्षा पद्धति में केवल स्मरणशक्ति के प्रयोग पर अनावश्यक बल, और जीवन के मशीनी अंदाज ने कल्पनाशक्ति के विकास पर कुठाराघात किया है। विभिन्न परीक्षाओं एवं प्रतियोगिताओं में कल्पनाशक्ति के बजाय ज्ञान और स्मरणशक्ति का महत्व बढ़ जाने के कारण कल्पनाशक्ति के विकास का कोई प्रयास आरंभ ही नहीं हुआ। जहां कल्पनाशक्ति घटी वहां प्रयास पहले समाप्त हुआ, कल्पनाशक्ति का क्षरण बाद में आरंभ हुआ। हमारा चेतन मस्तिष्क दो भागों में बंटा हुआ है। इसका पहला भाग तर्कशील है जो विश्लेषण और तुलना के बाद दो या अधिक विकल्पों में से सर्वश्रेष्ठ का चुनाव करता है, और दूसरा भाग रचनात्मक है जो मानसिक चित्र गढ़ता है, अनुमान लगाता है और नए विचारों का सृजन करता है। तर्कशील मस्तिष्क और रचनात्मक मस्तिष्क कई मामलों में एक-सा कार्य करते हैं। दोनों ही विश्लेषण और संश्लेषण (जोड़ना, मिलाना) का कार्य करते हैं। तर्कशील मस्तिष्क तथ्यों का क्रमवार विभाजन करता है, उन्हें परखता है, तुलना करता है, और तब उन्हें सिलसिलेवार करके किसी निष्कर्ष पर पहुंचता है। रचनात्मक मस्तिष्क भी यही सब करता है। फर्क सिर्फ इतना है कि उसका अंतिम कार्य निर्णय देना नहीं बल्कि किसी नए विचार को जन्म देना का है। यह फैसला नहीं करता, बल्कि कुछ नए विचार सुझाता है। तर्कशील मस्तिष्क और रचनात्मक मस्तिष्क में एक और बड़ा अंतर यह है कि तर्कशील मस्तिष्क सिर्फ उपलब्ध तथ्यों का विश्लेषण करता है जबकि रचनात्मक मस्तिष्क कल्पनाशक्ति के सहारे अज्ञात में प्रवेश करने का प्रयत्न करता है तथा दो और दो चार के गणितीय कार्य से भी आगे जाकर कुछ नया कर दिखाता है। यह समझना आवश्यक है कि कल्पनाशक्ति और तर्कशक्ति एक-दूसरे के पूरक भी हैं और शत्रु भी, अतः यदि इनमें सही संतुलन न रखा जाए तो दोनों का ही नुकसान होता है। तर्कशील मस्तिष्क का कार्य मुख्यतः ऋणात्मक है। 'अरे, इसमें तो यह दोष है', 'नहीं, नहीं, यह नहीं चलेगा', 'ऐसा भी कहीं होता है' आदि-आदि तर्कशील मस्तिष्क की उपज हैं, जबकि रचनात्मक मस्तिष्क की मुख्यतः धनात्मक या विधायी कार्य करने होते हैं, तभी वह नए विचारों का सृजन कर पाता है। रचनात्मक मस्तिष्क बुरी से बुरी स्थिति में भी आशा की किरणें खोजता है जबकि तर्कशील मस्तिष्क हर योजना में कमियां ढूंढता है। कल्पनाशक्ति की उड़ान से उपजे कई विचार तो प्रथम दृष्टि में ही असंभव लगते हैं, लेकिन बाद में उनमें से कइयों को वास्तविकता में बदलना संभव हो जाता है। यह देखना आवश्यक है कि हमारा तर्कशील मस्तिष्क हमारे रचनात्मक मस्तिष्क में उपजने वाले विचारों की भ्रूण हत्या न कर दे, क्योंकि लगभग हर नए विचार को तुरंत तर्कसंगत ढंग से गलत सिद्ध किया जा सकता है। कई बार तो ये तर्क इतने पुख्ता लगते हैं कि व्यक्ति अपनी योजना को सिरे से ही त्याग देता है, अतः यह आवश्यक है कि विचारों को तुरंत ठीक और गलत या संभव और असंभव की कसौटी पर परखना आरंभ कर देने से पहले उसे कुछ और परिपक्व हो लेने देना चाहिए। स्मरणशक्ति एक मशीनी अंदाज का काम है। एक विषय को बार-बार दोहराते रहने से वह हमें याद हो जाता है, या एक कार्य को बार-बार दोहराने से हमें उसका अभ्यास हो जाता है। उसमें सृजनात्मक कुछ भी नहीं है। कल्पनाशक्ति किसी विषय को दोहराते समय भी उसे दोहराने या याद करने के बेहतर और आसान तरीके खोज निकालती है। कल्पनाशक्ति का प्रयोग एक रचनात्मक क्रिया है और कल्पनाशक्ति एक रचनात्मक, सृजनात्मक शक्ति है। किसी भी समस्या से दो-चार होने पर अपने आसपास नजर दौड़ाइए।

नशे की गिरफ्त में शिक्षण संस्थान व विद्यार्थी

> शिक्षण संस्थानों एवं छात्रावासों में नशीले एवं मादक पदार्थों की आपूर्ति और नशे की गिरफ्त में आए विद्यार्थियों की ओर समस्त देशवासियों का ध्यान आकृष्ट किया है। सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर कोई मां-बाप किसके भरोसे राष्ट्रीय स्तर के ऐसे संस्थानों में अपने बच्चों को पढ़ने के लिए भेज पाएंगे। छात्र अनुशासन को लेकर संस्थान की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठाए गए हैं कि स्टडी टाइम में भी छात्र सरेआम बाहर घूमते रहते थे। हालांकि पुलिस छानबीन में यह भी खुलासा हुआ है कि मृतक छात्र पर शिमला में भी एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। हालांकि अब संस्थान प्रबंधन ने 2 हॉस्टलों के वार्डन व सब वार्डन को बदल दिया है। इसके साथ ही सिक्योरिटी में भी कुछ बदलाव किए गए हैं और विद्यार्थियों के बाहर आने-जाने में सख्ती बरती जा रही है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान हमीरपुर में नशे की ओवरडोज से मृत्यु की आगोश में समाए विद्यार्थी की मौत ने हिमाचल के शिक्षण संस्थानों एवं छात्रावासों में नशीले एवं मादक पदार्थों की आपूर्ति और नशे की गिरफ्त में आए विद्यार्थियों की ओर समस्त देशवासियों का ध्यान आकृष्ट किया है। सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर कोई मां-बाप किसके भरोसे राष्ट्रीय स्तर के ऐसे संस्थानों में अपने बच्चों को पढ़ने के लिए भेज पाएंगे। छात्र अनुशासन को लेकर संस्थान की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठाए गए हैं कि स्टडी टाइम में भी छात्र सरेआम बाहर घूमते रहते थे। हालांकि पुलिस छानबीन में यह भी खुलासा हुआ है कि मृतक छात्र पर शिमला में भी एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। हालांकि अब संस्थान प्रबंधन ने 2 हॉस्टलों के वार्डन व सब वार्डन को बदल दिया है। इसके साथ ही सिक्योरिटी में भी कुछ बदलाव किए गए हैं और विद्यार्थियों के बाहर आने-जाने में सख्ती बरती जा रही है। अभी हाल ही में खुफिया एजेंसियों ने संस्थान के भीतर व बाहर नशा बिकने की आशंका जताई थी। इस संबंध में बाकायदा रिपोर्ट भी बनाकर सरकार को भेजी गई थी तथा पुलिस को अलर्ट रहने की हिदायत जारी की गई थी। इसके बावजूद पुलिस फिल्मों की तर्ज पर हादसा होने के बाद ही सक्रिय हुई। पुलिस की इस तफ्तीश से आसपास के इलाकों और संस्थान के साथ लगते ग्राम देई का नौण के वार्ड पन्याला के लोगों में रोष है कि यही कार्रवाई पुलिस ने पहले क्यों नहीं की, जब वे शिकायत करते थे कि उनके क्षेत्रों में भी संस्थान के छात्र नशा करते देखे गए हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि पुलिस की यह गतिविधियां सीमित समय के लिए ही है। हमीरपुर में नशे का कारोबार चरम पर है, इसकी पुष्टि एक जनवरी 2023 से लेकर 25 अक्तूबर 2023 तक जिला पुलिस ने विभिन्न जगहों पर छापेमारी कर और गुप्त सूचना के आधार पर एनडीपीएस के कुल 73 मामले दर्ज किए गए हैं, से भी होती है। यद्यपि पुलिस आए दिन नशा माफिया को खत्म करने के लिए कार्रवाई कर रही है लेकिन चोरी-छिपे चिट्टा और चरस का कारोबार पूरे प्रदेश में धड़ल्ले से जारी है। हिमाचल में बढ़ते नशे एवं मादक पदार्थों की चपेट में आकर अपना बहुमूल्य जीवन और भविष्य को खराब करती युवा पीढ़ी को लेकर राज्य के दो प्रमुख नेताओं पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार और पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल ने गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि यदि समय रहते समाज और सरकार ने उचित कार्रवाई नहीं की तो भविष्य में पछताना पड़ेगा। प्रो. धूमल ने सरकार और प्रशासन से आग्रह किया है कि नशे से जुड़े मामलों में संलिप्त लोगों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। दूसरी तरफ एनआईटी हमीरपुर के निदेशक प्रो. एचएम सूर्यवंशी का कहना है कि व्यवस्था को बदला जा रहा है तथा संस्थान का माहौल बिगड़ने नहीं दिया जाएगा। उनका कहना है कि शीघ्र ही संस्थान में अध्यात्म को लेकर भी कक्षाएं लगाई जाएंगी। इसके लिए संस्थान प्रबंधन आर्ट ऑफ लिविंग से संपर्क करने जा रहा है ताकि विद्यार्थियों में तनाव और चिंताओं को दूर कर जीवन में खुशी और आनंद लाने की कला सिखाई जा सके। जहां तक प्रदेश में मादक पदार्थों की धरपकड़ का सवाल है तो हिमाचल प्रदेश पुलिस ने 1 जनवरी 2023 से लेकर 30 जून 2023 की अवधि में आठ किलोग्राम चिट्टा पकड़ा है। बीते छह महीनों में ही एनडीपीएस एक्ट के तहत 1 हजार 230 मामले दर्ज किए गए और इन मामलों में 1 हजार 670 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। गिरफ्तार हुए आरोपियों में एक नाइजीरियन मूल का आरोपी भी शामिल है। हिमाचल प्रदेश पुलिस अब तक 1 हजार 611 पुरुष और 58 महिलाओं को गिरफ्तार कर चुकी है। साल 2019 में एनडीपीएस एक्ट के तहत 1 हजार 439 केस दर्ज किए गए थे। साल 2020 में 1 हजार 538, साल 2021 में 1 हजार 537 और साल 2022 में नशे के 1 हजार 516 मामले दर्ज किए गए थे। हिमाचल प्रदेश में बीते छह महीनों में 50 करोड़ का चिट्टा बरामद किया जा चुका है। यदि हिमाचल प्रदेश पुलिस की उपर्युक्त उपलब्धियों को देखा जाए तो लगता है कि नशे को लेकर हालात इतने बेकाबू भी नहीं हैं लेकिन यह पूरा सच नहीं है। आज हिमाचल का कोई भी गांव-कस्बा ऐसा नहीं बचा है जहां चिट्टे और चोरियों ने अपनी दस्तक न दी हो। चोरियों के मामले में चोरों को पकड़ने में तो पुलिस लाचार ही नजर आती है। ड्रग्स और मादक पदार्थों के खतरे को रोकने हेतु भारत सरकार द्वारा 1985 में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सबस्टेंस एक्ट (एनडीपीएस) लाया गया था। यह कानून किसी व्यक्ति को किसी भी मादक पदार्थ या साइकोट्रोपिक पदार्थ के उत्पादन, स्वामित्व, बिक्री, खरीद, परिवहन, भंडारण या उपभोग करने से रोकता है, जबकि नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) 2020 में मादक द्रव्यों के सेवन के मुद्दे से निपटने और भारत को नशा मुक्त बनाने के दृष्टिकोण से शुरू किया गया था। हालांकि हिमाचल में प्रतिदिन पुलिस द्वारा चिट्टे और चरस के आपूर्तिकर्ताओं को पकड़ा जा रहा है, फिर भी बहुतायत में नशीले एवं मादक पदार्थों की बिक्री का धंधा अभी भी जोरों से जारी है। आवश्यकता है कि पुलिस अपनी रणनीति और कार्यशैली में बदलाव लाकर नशे के कारोबारियों पर प्रहार करे, वहीं खुफिया विभाग सटीक जानकारी जुटा कर दे। हिमाचल सरकार को चाहिए कि बढ़ती आबादी की कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा जरूरतों के दृष्टिगत पुलिस थानों में पुलिस कर्मचारियों की संख्या बढ़ाए, उन्हें उन्नत किस्म के हथियार एवं उच्च प्रशिक्षित स्निफर डॉग्स, उपकरण एवं वाहन इत्यादि उपलब्ध करवाए जाएं।

देश दुनीया से

प्राकृतिक खेती ने बदला है जीवन, जलवायु की बेहतरी में भी मददगार

> भारत में भी किसान गंभीर संकट में हैं, पर यहां एक आशा की किरण यह है कि सार्थक प्रयास के बल पर दो से चार एकड़ तक की छोटी जोत वाले किसान भी संतोषजनक आजीविका प्राप्त कर रहे हैं। ऐसा ही एक प्रयास ललितपुर जिले, तालबेहट प्रखंड (उत्तर प्रदेश) के तेरई गांव में देखा जा सकता है। यहां भुनिया देवी और पजन लाल कुशवाहा के परिवार के पास मात्र सवा दो एकड़ भूमि है, जिसके अधिकांश हिस्से पर इनका पूरा परिवार प्राकृतिक खेती कर रहा है। शेष भूमि पर भी वे शीघ्र ही प्राकृतिक खेती करेंगे। इस तरह रासायनिक खाद व कीटनाशक आदि पर होने वाला खर्च उन्होंने बचा लिया है। गोबर की खाद व गोमूत्र, जैविक कीटनाशक आदि का उपयोग करके उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि उत्पादन पहले के मुकाबले बेहतर हो। मक्के के साथ वे बैंगन, रतालू, अदरक, खीरा, फलों आदि की मिश्रित खेती करते हैं।

आज अनेक पश्चिमी देशों में कई सौ एकड़ कृषि भूमि वाले किसान संकट में बताए जा रहे हैं। भारत में भी किसान गंभीर संकट में हैं, पर यहां एक आशा की किरण यह है कि सार्थक प्रयास के बल पर दो से चार एकड़ तक की छोटी जोत वाले किसान भी संतोषजनक आजीविका प्राप्त कर रहे हैं। ऐसा ही एक प्रयास ललितपुर जिले, तालबेहट प्रखंड (उत्तर प्रदेश) के तेरई गांव में देखा जा सकता है। यहां भुनिया देवी और पजन लाल कुशवाहा के परिवार के पास मात्र सवा दो एकड़ भूमि है, जिसके अधिकांश हिस्से पर इनका पूरा परिवार प्राकृतिक खेती कर रहा है। शेष भूमि पर भी वे शीघ्र ही प्राकृतिक खेती करेंगे। इस तरह रासायनिक खाद व कीटनाशक आदि पर होने वाला खर्च उन्होंने बचा लिया है। गोबर की खाद व गोमूत्र, जैविक कीटनाशक आदि का उपयोग करके उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि उत्पादन पहले के मुकाबले बेहतर हो। मक्के के साथ वे बैंगन, रतालू, अदरक, खीरा, फलों आदि की मिश्रित खेती करते हैं। खेत के शेष 300 वर्ग मीटर क्षेत्र में वे बहुस्तरीय पद्धति से सब्जी व कुछ फलों उत्पादन कर रहे हैं। बांस, तारें, फैसिंग आदि लगाकर ऊपर में तुरई, खीरा, लौकी आदि की फसलें लेते हैं, और जमीन की सतह पर टमाटर, मिर्ची, धनिया आदि तथा तीसरे स्तर पर जमीन के भीतर उगने वाली फसलें जैसे, मूली, गाजर, प्याज, हल्दी, अदरक, अरबी, रतालू आदि की खेती करते हैं। इसके आसपास उन्होंने मेड़ पर नींबू, अमरूद, आम, पपीता व कटहल के पेड़ भी लगाए हैं। इस तरह एक तरफ जहां उन्होंने अपने घर की पोषण व्यवस्था को मजबूत किया है, वहीं नकद आमदनी भी सुनिश्चित की है। प्राकृतिक खेती से उपजे फल व सब्जी की बाजार में अच्छी मांग रहती है व सही मूल्य मिलता है। खेती के साथ पशुपालन करके वे परिवार के बेहतर पोषण के साथ लगभग डेढ़-दो लाख रुपये की वार्षिक आय भी प्राप्त करते हैं। पजन लाल की सफलता को देख उनके तीन भाइयों ने भी प्राकृतिक खेती शुरू की है। छोटे भाई जगदीश के खेत का एक हिस्सा अनुपजाऊ था, जहां की मिट्टी में न के बराबर फसल होती थी। पर गोबर व गोमूत्र की खाद में कुछ बेसन, गुड़ आदि मिलाकर इस भूमि को पोषित किया, तो इस पर भी हरी-भरी फसल लहलहाने लगी। कोमल प्रसाद अहरवार के पास भी इतनी ही कम जमीन है, पर उन्होंने भी ऐसे ही भूमि के बेहतर उपयोग व विविध फसलों के उत्पादन से पोषण व आय बढ़ाई है। इसके अतिरिक्त यह बकरी पालन से भी कमाते हैं। उनकी पत्नी शीला प्राकृतिक खेती केंद्र का संचालन करती हैं। तेरई गांव के कई किसान बताते हैं कि प्राकृतिक खेती अपनाने से खेत में फिर अधिक संख्या में केंचुए नजर आने लगे हैं, जो मिट्टी को नम रखते हैं और उसे भुरभुरा बनाते हैं। इसी तरह किसानों के मित्र अन्य जीव भी बढ़ रहे हैं। यहां प्राकृतिक खेती को बढ़ाने में सृजन व कार्ड संस्थाओं ने बिवाल प्रोजेक्ट के तहत महत्वपूर्ण योगदान दिया। पहले 10 प्रमुख किसानों ने पूर्ण या आंशिक तौर पर प्राकृतिक खेती को अपनाया। जब अन्य किसानों ने देखा कि प्राकृतिक खेती से कम खर्च में अच्छा उत्पादन हो रहा है, तो वे भी इसे बड़ी संख्या में अपनाने लगे। तेरई जैसे गांव में सिंचाई की स्थिति अच्छी है, पर जिन गांवों में सिंचाई की स्थिति कमजोर है, वहां इन संस्थाओं ने जल-संरक्षण उपायों से प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए अनुकूल स्थितियां उपलब्ध कराईं। प्राकृतिक नालों में 'दोहा' विधि के गड्ढा बनाकर जल-संरक्षण बढ़ाया गया व इससे कुओं का जल स्तर भी बढ़ा। तालाबों से मिट्टी हटाकर उसकी जल-संरक्षण क्षमता बढ़ाई गई, जबकि हटाई गई मिट्टी-गाद खेतों में डलने से खेतों की उर्वराशक्ति बढ़ी।

कुछ अलग

फोन में सेंधमारी

बहुराष्ट्रीय कंपनी एप्पल ने विपक्ष के कुछ नेताओं को अलर्ट भेजा कि आपके आईफोन हैक किए जा सकते हैं। हमलावर आपके फोन के संवेदनशील डाटा, कैमरे और माइक्रोफोन आदि तक पहुंचने की कोशिश भी कर सकते हैं। एप्पल ने यह अलर्ट सिर्फ विपक्षी नेताओं को ही नहीं भेजा, बल्कि ऐसे लोगों तक भी भेजा है, जो सार्वजनिक जीवन में नहीं हैं। कुछ पत्रकारों और स्कॉलर्स तक भी यह अलर्ट पहुंचा है। यह अलर्ट 150 देशों में भी भेजा गया है, जहां एप्पल के आईफोन इस्तेमाल किए जाते हैं। साफ मायने हैं कि यह चेतावनी वैश्विक है, लिहाजा विपक्षी नेताओं की चीखा-चिल्ली महज सियासत है। एप्पल ने अपने बयान में यह स्पष्टीकरण भी दिया है कि खुफिया संकेतों के आधार पर ऐसे अलर्ट आते हैं, जो अधूरे और गलत भी साबित हो सकते हैं। कंपनी ने सरकार द्वारा प्रायोजित हमलावरों की बात तो की है, लेकिन किसी 'विशेष सरकार' का खुलासा नहीं किया है। एप्पल ने हैकिंग के ऐसे खतरों से निपटने वाले सिस्टम से इंकार किया है। कंपनी यह भी नहीं बता सकती कि अलर्ट किन हालात में देना पड़ा, क्योंकि यह जानकारी देने से हैकर्स उससे बचने के रास्ते खोज सकते हैं। यानी स्पष्ट है कि फोन हैकर्स चीन, पाकिस्तान या किसी अन्य देश के भी हो सकते हैं! एप्पल ने एक ही समय, एक ही साथ, विपक्षी नेताओं और 150 देशों को यह चेतावनी-संदेश भेजा है, लिहाजा संदेहास्पद और सवालिया लगता है। यदि हैकिंग हुई है या की जा रही है, तो वह अलग-अलग स्थान पर, अलग-अलग समय में की जानी चाहिए। फिर भी मान सकते हैं कि मोदी सरकार ने विपक्ष के कुछ नेताओं और प्रवक्ताओं के फोन हैक कराए हैं, लेकिन 150 देशों और अराजनीतिक चेहरों के फोन हैक कराने में सरकार के सरोकार क्या हो सकते हैं? उनसे हासिल क्या होगा? भारत में 2 करोड़ से अधिक लोग आईफोन का इस्तेमाल करते हैं और दुनिया भर में करीब 146 करोड़ उपयोगकर्ता हैं। क्या ये सभी मोदी सरकार के निशाने पर हैं अथवा सभी को अलर्ट भेजा गया था? एप्पल को इस संदर्भ में तमाम स्पष्टीकरण देने चाहिए। बहरहाल केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव की घोषणानुसार जांच शुरू कर दी गई है। एप्पल भी जांच के दायरे में होगी। एप्पल से कथित 'राज्य-प्रायोजित हमलों' पर वास्तविक और सटीक जानकारी मांगी गई है। इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (सर्ट-इन) इसकी जांच कर तह तक जाने की कोशिश करेगी। मंत्री ने इसे भारत सरकार को बदनाम करने की साजिश और भटकाने वाली विपक्ष की राजनीति करार दिया है। 'फोन में सेंधमारी' कोई नया मुद्दा नहीं है। किसी की निजता और गोपनीयता पर हमला भी नहीं है। इजरायल से खरीदे गए जासूसी सॉफ्टवेयर की चर्चा एक बार फिर मुखर हो रही है। हालांकि सर्वोच्च अदालत की निगरानी में जो जांच कराई गई थी, उसमें कुछ भी ठोस सामने नहीं आया था। तब शीर्ष अदालत ने अपने-अपने फोन सरकार में जमा कराने का विकल्प भी दिया था, ताकि भीतरी जांच हो सके कि उसकी जासूसी कराई गई अथवा नहीं।

दृष्टिकोण

घोषणा संस्कृति की परंपरा

आजकल इस देश की धरा वीरों से वंचित हो गई लगती है। लेकिन आजकल कुछ नए वीरों का पैदा हो जाना एक ऐसे बदलाव की ओर इशारा कर रहा है, कि जिसके कारण यह ऊर्जाहीन होती धरा सनसनीखेज खबरों से भर जाती है। गोदी मीडिया को पुचकार मिलती है। पहले वीरता के अभाव ने पूरे देश में अवसाद और बेचारगी को जन्म दे दिया था। जिसके साथ जो भी हो रहा था, वह उसे एक दीर्घ उच्छवास से स्वीकार कर लेता और इसका नया कारण कोरोना से पैदा मृत्युभय बता देता। गंभीरता से समाज टटोला तो पाया कि नया समाज बना सकने वालों की वीरता कब से दिवंगत हो गई। अब काम का अधिकार मांगने वाले राहतों, रियायतों और सस्ती साझी रसोइयों से निबटा दिए गए हैं। जरूरत महामारी से खंडित हो गए समाज को श्रम दीपता का अर्थ बड़बोलापन हो गया। जो जितनी दूर की हांक सके, उतना ही बड़ा इस देश का नवनिर्माता। यूं दया-धर्म का मूल है दोहराने वाले बहुत से वाक्यवीर पैदा हो गए। क्या संस्कृति की जगह राहत और रियायत उद्घोषक संस्कृति ने कुछ इस प्रकार जन्म लिया, कि पेट भरने के लिए भूखे, बेकार और बीमारी से उठे लोगों की कतारें दानवीरों के मुफ्त और रियायती जलपान गृहों के बाहर लगनी शुरू हो गईं। नम्बर दो का धंधा करने वाले, महामारी के दिनों में कभी के मनोविज्ञान की बैसाखियों से चोरबाजारी करने वाले अनैतिकता के रणबांकुरे अचानक लंगर और राहतों से उपकार करते हुए अपने इहलोक के साथ परलोक की चिंता करने चल दिए, इससे छुटकारा पाने के लिए देश की सरकार की ओर किसी नई कार्य संस्कृति की रूपरेखा के लिए देखा जा सकता है। महामारी का दबाव हटने के साथ इस नये सामान्य होते माहौल में उससे यह उम्मीद रखना बेजा भी नहीं था, लेकिन कार्य संस्कृति के साथ उद्यम और मेहनत की परेशानी जुड़ी होती है। इसके नतीजे भी हथेली पर सरसों जमने की तरह तत्काल नहीं आते। इसलिए ऐसा कंटकपूर्ण राह अपनाने के स्थान पर अब सरकारी दरीचों से घोषणावीरों की जमात पैदा हो गयी। अब सत्ता के मीनारों पर तो हर कोई कब्जा करना चाहता है। जो वहां जम कर बैठे हैं, वे सत्ता पक्ष हैं, जिसका लक्ष्य है जब तक जीवन, तब तक भोगो। और जब जीवन क्षीण हो, झुठलाने लगे तो अपनी कुर्सियों के सर्वाधिकार नाती-पोतों के नाम सुरक्षित करवा जाओ। लेकिन बाहर सड़क पर ट्रैफिक जाम लगा मोर्चाबंद होता विपक्ष भी तो है। वह सत्ता पर पुश्तैनी अधिकार मानने वाले इन महामानवों के नीचे से कुर्सी खींचने की फिराक में लगा रहता है। आजकल मुकाबला, संघर्ष की वीरता, महंगाई नियंत्रण, भ्रष्टाचार उन्मूलन या बेकार कांपते हाथों को काम देने में नहीं दिखाई जाती, बल्कि घोषणा संस्कृति का अभिषेक करते हुए और शेखचिल्ली होने में दिखाई जाती है। चुनाव करीब हो, और लोगों के मन लुभाने की चाहत हो तो यह बातों से आसमान में पैबन्द लगाने की चाह और भी बढ़ जाती है। कोई नहीं कहता कि बेकार हाथों के लिए अब काम की गारंटी होगी। बस यही कहा जाता है कि किसी को अब भूखा न मरने देंगे। इसी की दिलासा मिलती है। महामारी से डरे हुए नौनिहालों के लिए नये शांति निकेतनों की स्थापना पर कोई बल नहीं देता। बस लोगों को बिना स्मार्ट फोनों के डिजीटल हो जाने का सन्देश दिया जाता है। हम शिक्षा को मरने नहीं देंगे, के दावे किये जाते हैं, और प्रश्न उत्तर के आल्कैंटिक सिस्टम की ऐसी परीक्षाएं ली जाती हैं कि जिसमें परिणाम सौ में से सौ प्राप्त करने वाले छात्रों का नया समूह पैदा करके निकलता है। दावा करने वाले घोषणावीरों की जमात फिर प्रभावी हो गई।

गाजा के शरणार्थी शिविर में छिपे हमास के दो कमांडर मार गिराए', इजराइली सेना का दावा

यरुशलम ।

हमास और इजराइल के बीच भीषण युद्ध जारी है। लगातार एक-दूसरे पर रॉकेट दागे जा रहे हैं। इजराइली सेना हमास के आतंकी ठिकानों को तबाह करने में लगा है। आसमान से लेकर जमीन तक सभी जगहों से हमास पर हमले किए जा रहे हैं। अभी तक 10 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। गाजा पट्टी पर लगातार हो रहे हमलों से परेशान होकर विदेशी लोग इस क्षेत्र को छोड़ने पर मजबूर हो गए हैं। हमास का कहना है कि इजराइल द्वारा जबालिया शरणार्थी शिविर पर किए हमले में करीब 200 फलस्तीनियों की मौत हुई है। वहीं, इजराइल का दावा है कि शिविर पर किए हमलों में दो हमास के कमांडर मारे गए हैं।

लोगों के घरों के आसपास आतंकवादी मौजूद - इजराइल ने लगातार दो दिन मंगलवार और बुधवार को जबालिया शरणार्थी शिविर पर हमला किया। उसका दावा है कि इन हमलों में हमास के दो कमांडर मारे गए हैं। साथ ही इजराइली सेना ने यह भी कहा है कि इन शिविरों और लोगों के घरों के आसपास आतंकवादी मौजूद हैं। यह लोग जानबूझकर गाजा के नागरिकों को खतरे में डाल रहे हैं।

कम से कम 195 फलस्तीनी मारे गए - वहीं, हमास ने गुरुवार को कहा कि जबालिया पर दो इजराइली हमलों में कम से कम 195 फलस्तीनी मारे गए, जबकि 120 अभी भी मलबे के नीचे दबे हैं। वहीं, कम से कम 777 लोग घायल हुए हैं। एक प्रत्यक्षदर्शी का कहना है कि फलस्तीनियों ने बुधवार को मलबे में फंसे पीड़ितों की तलाश शुरू कर दी। यह एक नरसंहार है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार अधिकारियों ने कहा कि शिविर पर हमला युद्ध अपराध हो सकता है।

500 लोगों ने छोड़ा गाजा पट्टी - रिपोर्ट के अनुसार, 500 लोगों की एक सूची में कम से कम 320 विदेशी नागरिकों के साथ ही दर्जनों गंभीर रूप से घायल गाजावासी, इजराइल, मिस्र और हमास के बीच एक समझौते के तहत बुधवार को मिस्र में प्रवेश कर गए। जिन लोगों ने गाजा पट्टी को छोड़ा है वो ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, बुल्गारिया, चेक गणराज्य, फिनलैंड, इंडोनेशिया, इटली, जापान, जॉर्डन, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका के नागरिक हैं। गाजा सीमा के अधिकारियों ने कहा कि सीमा क्रॉसिंग एक बार फिर खुलेगी ताकि विदेशी नागरिक वहां से बाहर निकल सकें। एक राजनयिक सूत्र का कहना है कि करीब 7,500 विदेशी पासपोर्ट धारक लगभग दो सप्ताह में गाजा छोड़ देंगे।

न्यूज ब्रीफ

फिटनेस सेंटर में चाकू से हमले के बाद भारतीय युवक की हालत गंभीर, पूरी तरह दृष्टिहीन और विकलांग होने का खतरा

वॉशिंगटन । अमेरिका में इंडियाना के एक फिटनेस सेंटर में 24 वर्षीय भारतीय छात्र पी वरुण राज को चाकू मार दिया गया था। इस घटना के बाद से ही उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। कंप्यूटर साइंस के छात्र वरुण राज को 24 वर्षीय आरोपी जॉरडन अंड्रेड ने सार्वजनिक जिम में चाकू मारी थी। इस घटना के बाद लगातार तीन दिनों तक इलाज चलने के बाद भी वरुण अब लाइफ सपोर्ट में ही है। सूत्रों ने बताया कि इस हादसे के बाद वरुण के स्थाई विकलांगता, पूर्ण या आंशिक दृष्टिहीनता होने की संभावना है। घटना के बाद ही आरोपी जॉर्डन को गिरफ्तार कर लिया गया था। वरुण को फिलहाल लुथरन अस्पताल में स्थानांतरित किया गया है। आरोपी को पोर्टर सुपीरियर कोर्ट के न्यायाधीश जेफरी क्लाइमर के सामने पेश किया गया, जहां उसने अपना अपराध स्वीकार करने से इनकार कर दिया। यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष ने इस हादसे पर अपनी चिंता जताई है। उन्होंने कहा, हम इस घटना के बारे में सुनकर दुखी हूं। हमारी प्रर्थना वरुण के परिवार और दोस्तों के साथ हैं। उत्तरी अमेरिका तेलुगु सोसाइटी (एनएटीएस) ने गोफंड पर एक फंडरेजर शुरू किया है और और बुधवार रात तक 38,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक राशि जमा कर लिया है। एनएटीएस ने बताया कि फिलहाल वरुण की हालत गंभीर बनी हुई है। उनका परिवार इस परिस्थिति में भारी चिकित्सा बिलों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में उनके परिवार ने हमसे संपर्क किया, जिसके बाद हमने धनराशि जमा करना शुरू किया।

इजराइल की जमीन पर उतरी अमेरिकी सेना, हमास से जंग में कर रहा मदद

वाशिंगटन । इजराइल- हमास युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है। करीब एक महीने से जारी युद्ध में 10 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। सात अक्तूबर को हमास ने इजराइल पर अचानक हमला कर 200 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया था। आतंकवादियों की कैद से बंधकों को बचाने के लिए इजराइली रक्षा बल दिन रात लगे हुए हैं। अब खबर आ रही है कि इजराइल की मदद अमेरिका कर रहा है। पेंटागन के एक शीर्ष अधिकारी का कहना है कि इजराइल में तैनात अमेरिकी कमांडो बंधकों का पता लगाने में मदद कर रहे हैं। सहायक रक्षा मंत्री क्रिस्टोफर पी. मायर ने कहा, 'हम सक्रिय रूप से इजराइल की कई मामलों में मदद कर रहे हैं। विशेषकर, हम बंधकों के बारे में पता लगाने में मदद कर रहे हैं। बंधकों में अमेरिका के लोग भी शामिल हैं। बंधकों का पता लगाना हमारी जिम्मेदारी है। हालांकि, अधिकारी ने यह बताने से इनकार कर दिया कि वर्तमान में इजराइल में कितने अमेरिकी सैनिक मौजूद हैं। वहीं, अन्य अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि रक्षा विभाग ने हाल के हफ्तों में कई दर्जन कमांडो भेजे हैं। इसके अलावा एक छोटी टीम पहले से ही मौजूद है। अधिकारियों ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि इजराइली समकक्षों के साथ कमांडो, एफबीआई, विदेश मंत्रालय और अमेरिकी सरकार बंधकों की रिहाई पर चर्चा करेंगे। मायर ने कहा कि क्षेत्र में अमेरिकी विशेष अभियान बल भी हमारे अपने नागरिकों को स्थानों से बाहर निकालने और हमारे दूतावासों को सुरक्षित रखने में मदद करने के लिए तैयार हैं।

व्हाइट हाउस में हैलोवीन पार्टी में जेलेंस्की बनकर पहुंचे ब्लिंकन के बेटे

वॉशिंगटन । अमेरिका के व्हाइट हाउस में हैलोवीन पार्टी के लिए विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अपने चार वर्षीय बेटे को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के रूप में तैयार किया। उनकी तीन वर्षीय बेटी यूक्रेन के ध्वज के रंग वाली नीली-पीली पोशाक पहनकर पार्टी में शामिल हुई। व्हाइट हाउस के लॉन में आयोजित हैलोइन पार्टी में ब्लिंकन अपनी पत्नी और बच्चों के साथ पहुंचे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन खुद भी राष्ट्रपति की मुहर वाली बेसबॉल टोपी और कपड़े पहनकर मौजूद थे। सजावट के तौर पर व्हाइट हाउस की बालकनी में यूएस के कुत्ते कमांडर की एक बड़ी तस्वीर लगाई गई थी। ये वही कुत्ता है, जिसने खुफिया जासूसों को काट लिया था और उन्हें घायल दिया था।

गाजा पर हमलों में जैसे मारे जा रहे फलस्तीनी, वैसे ही इजराइली बंधकों को मौत दे रहे, हमास प्रमुख का दावा

यरुशलम ।

इजराइल और हमास के बीच संघर्ष शुरु हुए अब चार हफ्ते होने वाले हैं। इस बीच दोनों तरफ से मौतों का आंकड़ा अब तक 10,000 से ज्यादा हो चुका है। जहां हमास के 7 अक्तूबर को किए गए हमलों में 1400 इस्राइलियों की ज ान गई, वहीं इसके जवाब में गाजा पट्टी पर की गई इजराइल की कार्रवाई में 9000 से ज्यादा फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है। इन हालात के बावजूद न तो इजराइल और न ही हमास झुकने के लिए तैयार है। हमास के प्रमुख ने नई चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि गाजा में हमलों में जिस तरह से फलस्तीनी मारे जा रहे हैं, कुछ उसी तरह की मौत इजराइली बंधकों को भी दी जा रही है। हमास प्रमुख इस्माइल हनिया की ओर से एक वीडियो संदेश जारी किया गया है। इसमें दोनों पक्षों के बीच सुलह कराने वालों से कहा गया है कि इस नरसंहार को रोकना जरूरी है। इतना ही नहीं इसमें लोगों से इजराइली हमलों के खिलाफ प्रदर्शन जारी रखने के लिए भी कहा गया है। खासकर पश्चिमी देशों में रहने वालों से, ताकि वहां नीति निर्माताओं पर दबाव बनाया जा सके। इस्माइल ने कहा कि इजराइल गाजा युद्ध में नरसंहार कर रहा है, ताकि वह अपनी हार को छिपा सके। वह शस्त्रहीन आम नागरिकों को निशाना बना रहा है। हमास प्रमुख ने कहा कि इजराइल की यह दुष्टता उसे एक बड़ी हार से बचा न हीं पाएगी। खुद फलस्तीन के बाहर रहकर हमास के संघर्ष को बढ़ावा दे रहे संगठन के सरगना ने कहा कि मिस्र का फलस्तीन से लगता राफा बॉर्डर भी खोल दिया जाना चाहिए, ताकि दोनों दिशाओं से लोगों को आने-जाने की जगह मिले।

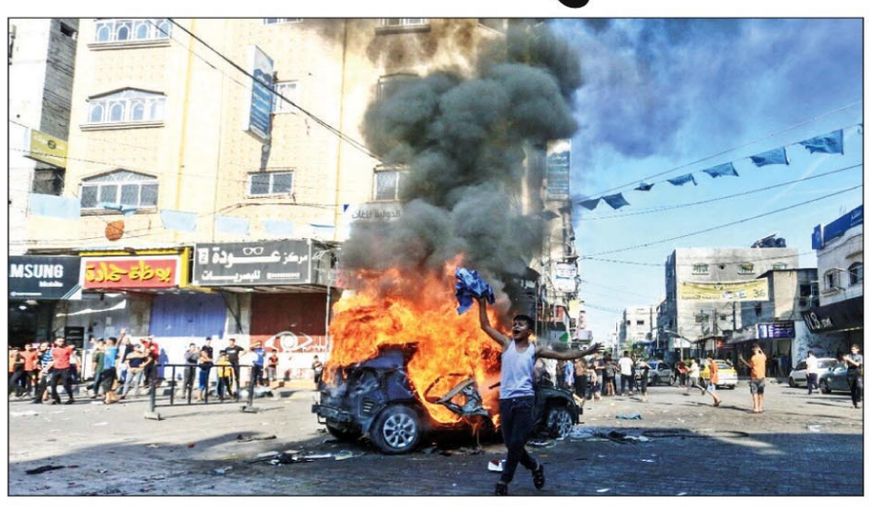

पाकिस्तान में आम चुनाव की तारीखों का एलान

करांची । पाकिस्तान में आम चुनाव के लिए तारीखों का एलान हो चुका है। चुनाव आयोग (ईसीपी) ने सुप्रीम कोर्ट को जानकारी देते हुए बताया कि देश में आम चुनाव 11 फरवरी को होगा। पाकिस्तान चुनाव आयोग के वकील सजील स्वाति ने कहा कि निर्वाचन क्षेत्रों का निर्धारण 29 जनवरी तक पूरा होगा। राष्ट्रीय सभा और प्रांतीय विधानमंडलों के विघट के बाद सुप्रीम कोर्ट के 90 दिनों के भीतर चुनाव कराने का आदेश दिया था। देश में राजनीतिक विश्लेषकों ने भी पिछले जनवरी में चुनावों में संभावित देरी के बारे में चिंता जताई है। कई लोगों ने कहा है कि कोई भी राजनीतिक दल चुनावी मोड में नहीं दिख रहा है, जबकि कुछ अन्य ने आगाह किया है कि कठोर सर्दियां मतदान प्रक्रिया में बाधा डाल सकती हैं। एक बड़े आर्थिक संकट के बीच पाकिस्तान, अप्रैल 2022 में नेशनल असेंबली में अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से इमरान खान सरकार को हटाए जाने के बाद से राजनीतिक अनिश्चितता की चपेट में है। हाल ही में एक समाचार चैनल को दिए साक्षात्कार में राष्ट्रपति अल्वी ने कहा था कि उन्हें जनवरी में चुनाव होने के आसार नहीं दिख रहे। इसके लिए कई प्रयास किए, जिसमें पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) को पत्र लिखना भी शामिल था।

कौन है इस्माइल हनिया और इसको लेकर क्या जानकारी आई

वर्तमान में आतंकी संगठन हमास की कमान इस्माइल हनिया के हाथों में है। 2018 में हनिया को अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा आतंकवादी नामित किया गया था। सवाल्हा की तरह हनिया भी विदेश में बैठकर आतंकी संगठन को चला रहा है। जहां गाजा के आम लोग दाने-दाने को मोहताज हैं। वहीं, हमास प्रमुख और उसका परिवार कतर में ऐशो-आराम की जिंदगी जी रहा है। 7 अक्तूबर को इजराइल पर हमास के हमले के एक वीडियो वायरल हुआ हुआ जिसमें इस्माइल कतर की राजधानी दोहा में अपने शानदार कार्यालय में आतंकी हमले का समर्थन करता नजर आया। 2006 में फलस्तीन के आम चुनावों में हमास की जीत के बाद से ही संगठन में हनिया का दबदबा बढ़ने लगा। उसे गाजा पट्टी में फलस्तीनी प्राधिकरण का प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। इस दौरान मिस्र से गाजा पट्टी में आयातित वस्तुओं पर लगाए गए भारी कर लगाकर हनिया ने अपनी संपत्ति कई गुना बढ़ा ली। 2014 में हमास द्वारा सभी व्यापार पर 20 प्रतिशत कर लगाए जाने की घोषणा की गई थी। एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि इन करों की वजह से हमास के 1,700 टॉप कमांडर करोड़पति बन गए।

2010 में हनिया ने शाती शरणार्थी शिविर के पास करीब 33 करोड़ रुपये की जमीन खरीदी थी जिसे उसने अपने दामाद के नाम पर किया था। तब से हनिया ने गाजा पट्टी में कई अपार्टमेंट, विला और इमारतें खरीदी हैं, जो उसके बच्चों के नाम पर पंजीकृत हैं।

हनिया के कई बेटों की विदेश में लग्जरी नाइट क्लबों में शराब पीने की तस्वीरें भी सामने आई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, हनिया के बच्चों के पास जनरेटर हैं जिससे उत्पन्न होने वाली बिजली को वो अच्छी कीमत पर बेचते हैं।

इजराइल-हमास संघर्ष के बीच इसी महीने भारत आएंगे अमेरिकी विदेश-रक्षा मंत्री, जयशंकर-राजनाथ से होगी मुलाकात

न्यूयॉर्क ।

अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने बताया कि विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन पांच देशों की यात्रा पर जाएंगे, जिसका समापन भारत में 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता में भाग लेने के साथ होगा। ब्लिंकन इजराइल, जॉर्डन, जापान, दक्षिणी कोरिया और भारत का दौरा करने वाले हैं। उनकी भारत यात्रा के दौरान अमेरिका के रक्षा मंत्री भी साथ रहेंगे।

भारत में जयशंकर और राजनाथ से भी मिलेंगे ब्लिंकन

ब्लिंकन भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भारत के शीर्ष अधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे। इस दौरान वह भारत-प्रशांत में विकास और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय चर्चा में भी हिस्सा लेंगे। सबसे पहले ब्लिंकन इजराइल जाएंगे, जहां वह आतंकवाद के खिलाफ इजराइल का समर्थन करने के साथ इजराइल, गाजा और वेस्ट बैंक में अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा पर चर्चा भी करेंगे।

इसके बाद ब्लिंकन जॉर्डन जाएंगे जहां वह नागरिक जीवन की रक्षा के महत्व को रेखांकित करेंगे। इसके अलावा वह हिंसा को रोकने, बयानबाजी को शांत करने, क्षेत्रीय तनाव को कम करने के लिए तत्काल उपायों पर भी चर्चा करेंगे। इसके बाद ब्लिंकन दक्षिण कोरिया, जापान और भारत की यात्रा करेंगे।

टोक्यो में वह दूसरे जी-7 विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। वह जापान के प्रधानमंत्री किशिदा फुमियो के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। वहां से ब्लिंकन सियोल जाएंगे, जहां वह दक्षिण कोरिया के प्रधानमंत्री यून सुक योल, विदेश मंत्री पार्क जिन और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार चो टी युंग से मुलाकात करेंगे। इसके बाद वह 2+2मंत्रिस्तरीय वार्ता में शामिल होने के लिए भारत का दौरा करेंगे। इस वार्ता में उनके साथ अमेरिका के रक्षा मंत्री जस्टिन लॉयड भी होंगे।

अनार का जूस पीना था, ऑनलाइन ट्रांसलेशन से किया ऐसा ऑर्डर कि बुलानी पड़ी पुलिस

लिस्बन ।

विदेशी देशों में यात्रा करते समय अक्सर भाषा को लेकर काफी परेशानी होती है। ऐसा ही कुछ पुर्तगाल में एक पर्यटक के साथ हुआ, जिसने अनार का जूस ऑर्डर करने के दौरान ग्रेनेड शब्द का इस्तेमाल किया। हालांकि, इसके बाद जो हुआ उसकी शायद ही किसी ने कल्पना की हो।

अनार की जगह किया ग्रेनेड शब्द का इस्तेमाल

अजरबैजान का एक 36 वर्षीय रूसी वक्ता लिस्बन के एक रेस्तरां में अनार का जूस ऑर्डर करने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने इस दौरान अनार शब्द का अनुवाद करने के लिए मोबाइल एप का इस्तेमाल किया। एप ने उन्हें गलत अनुवाद बता दिया, जिसके कारण उन्होंने अनार की जगह ग्रेनेड ऑर्डर कर दिया। वहीं ऑर्डर लेने वाले वेटर को लगा कि व्यक्ति उसे ग्रेनेड से मारने की धमकी दे रहा है, जिसके बाद उसने तुरंत पुलिस को बुला लिया।

शुक्रवार की दोपहर की ये घटना कार पार्किंग के एक सीसीटीवी कैमरा में कैद हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस पर्यटक को सड़क किनारे मुंह के बल लेटने का आदेश देने के बाद उसे हथकड़ी पहना दी। पर्यटक को पास के पुलिस स्टेशन में ले जाया गया। हालांकि, उसके पास से किसी तरह का कोई हथियार नहीं मिलने पर पुलिस ने उसे छोड़ दिया था। पुलिस ने पर्यटक के होटल के कमरे की भी तलाशी ली। इस दौरान पुलिस ने पुर्तगाल की आतंकवाद विरोधी समन्वय इकाई से भी पर्यटक के बारे में जानकारी निकाली, लेकिन उससे भी कुछ हासिल नहीं हुआ।

मीडिया के हवाले से मालूम चला कि अनार और ग्रेनेड शब्द रूस में एक ही है, लेकिन पुर्तगाल में ये दोनों ही शब्द के अलग-अलग मतलब हैं। एप द्वारा गलत अनुवाद के कारण पर्यटक को पुर्तगाल में परेशानी का सामना करना पड़ा।

लास वेगास में निर्वस्त्र युवक ने पुलिस से छीनी कार, भागने के दौरान दूसरी कार में मारी टक्कर

वॉशिंगटन ।

अमेरिका में एक हैरान करने वाली घटना सामने आयी है। दरअसल अमेरिका के लास वेगास में एक निर्वस्त्र व्यक्ति ने पहले पुलिस पर हमला कर उनकी आधिकारिक कार लूटी और फिर उस कार से एक अन्य कार को टक्कर मार दी। इस हादसे में आरोपी और कार सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जो वायरल हो रहा है।

क्या है मामला

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, घटना मंगलवार देर रात की है, जब लास वेगास पुलिस को सूचना मिली की एक युवक सड़क पर निर्वस्त्र घूम रहा है। इस पर पुलिस का एक अधिकारी मौके पर पहुंचा तो आरोपी युवक ने उस पुलिस अधिकारी पर हमला कर दिया। आरोपी ने पुलिस अधिकारी को सड़क पर गिरा दिया और पुलिस की गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी का करीब पांच मील तक पीछा किया। जब पुलिस आरोपी का पीछा कर रही थी, तभी आरोपी ने एक अन्य कार को टक्कर मार दी। इस हादसे में कार सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में आरोपी भी घायल हुआ है, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

आरोपी की पहचान 29 वर्षीय क्लाइड काबुलिसान के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है लेकिन फिलहाल उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। आरोपी के खिलाफ डकैती, पुलिस अधिकारी के निर्देश को ना मानने और उस पर हमला करने जैसे कई आरोप लगे हैं। पुलिस आरोपी की मानसिक स्थिति की भी जांच कर रही है।

मेरे बच्चों को बख्श दो

धोखाधड़ी मामले में बेटों को गवाही के लिए बुलाने पर भड़के ट्रंप

वॉशिंगटन ।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ नागरिक धोखाधड़ी के मामले में सुनवाई चल रही है। इस मामले में ट्रंप के दोनों बेटों को भी गवाही के लिए बुलाया गया है। जिस पर डोनाल्ड ट्रंप ने नाराजगी जाहिर की है और जज पर भड़कते हुए कहा कि उनके बेटों को अकेला छोड़ दिया जाए। बता दें कि ट्रंप के बड़े बेटे डॉन जूनियर (45 वर्षीय) और छोटे बेटे एरिक ट्रंप (39 वर्षीय) को इस हफ्ते धोखाधड़ी के मुकदमे में गवाह के तौर पर बुलाया गया है।

ट्रंप ने जज पर साधा निशाना

बेटों को गवाही के लिए बुलाने के जज आर्थर एंगरोन के फैसले पर बरसते हुए ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कई पोस्ट किए। इन पोस्ट में ट्रंप ने एंगरोन को राजनीतिक पिछलग्गू बताया और आरोप लगाया कि वह डेमोक्रेट पार्टी के लिए काम कर रहे हैं। ट्रंप ने लिखा कि एंगरोन पागल है और बेहद खतरनाक भी। मेरे बच्चों को अकेला छोड़ दो एंगरोन, तुम कानूनी पेशे पर एक धब्बा हो। गवाही के लिए डोनाल्ड ट्रंप के बेटे डॉन जूनियर को और एरिक ट्रंप को बुलाया जा सकता है। दोनों ट्रंप ऑर्गेनाइजेशन में कार्यकारी उपाध्यक्ष हैं। ट्रंप ऑर्गेनाइजेशन दुनियाभर में ऊंची रिहायशी इमारतों और कार्यालयों के साथ ही लग्जरी होटल्स और गोल्फ कोर्स का प्रबंधन करती है।

क्या है मामला

आरोप है कि डोनाल्ड ट्रंप और उनके बेटों ने बैंकों से ऋण पाने और बीमा शर्तों के लिए समूह की संपत्तियों के मूल्य में अरबों डॉलर की हेर-फेर करने का आरोप है। ट्रंप से इस मामले में 5 नवंबर को पूछताछ हो सकती है। साथ ही बेटी इवांका ट्रंप से भी जल्द ही पूछताछ हो सकती है। हालांकि इवांका इस मामले में आरोपी नहीं हैं लेकिन वह पहले परिवार के बिजनेस में शामिल थीं, इसलिए उनसे भी पूछताछ की जाएगी।

दांव पर डोनाल्ड ट्रंप का बिजनेस

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया है और कहा है कि बैंकों और इंश्योरेंस कंपनियों का पूरा पैसा दिया गया है और इस मामले में मेरे अलावा कोई पीड़ित नहीं है। मेरे वित्तीय दस्तावेज सही हैं और कहीं कोई धोखाधड़ी नहीं की गई है। इस मामले में कानूनी अधिकारियों पर टिप्पणी करने के मामले में ट्रंप पर पूर्व में पांच हजार और दस हजार डॉलर का जुर्माना भी लग चुका है। बता दें कि धोखाधड़ी के इस मामले में अगर ट्रंप दोषी पाए जाते हैं तो उन पर 250 मिलियन डॉलर का जुर्माना लग सकता है, साथ ही उनके बेटों को प्रबंधन के काम से हटाया जा सकता है।

जॉर्डन ने इजराइल से राजदूत वापस बुलाया, यूएस बोला- उसे द्विपक्षीय संबंधों को अपने अनुसार रखने का अधिकार

वाशिंगटन । इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। दोनों के बीच जारी संघर्ष में 10 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच, जॉर्डन ने हाल ही में इजराइल से अपने राजदूत को वापस बुलाने का एलान किया। साथ ही, इजराइली राजदूत को गाजा पर बमबारी के विरोध में हो रहे प्रदर्शन से दूर रहने को कहा है। हालांकि, अमेरिका का सहयोगी कहे जाने वाले जॉर्डन के इस कदम को लेकर व्हाइट हाउस पर सवाल उठने लगे हैं। जॉर्डन द्वारा इजराइल से अपने राजदूत को हटाए जाने पर व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद समन्वयक जॉन किर्बी ने कहा है कि जॉर्डन को द्विपक्षीय संबंधों को जिस तरीके से रखना है वो रख सकता है। उसे इसका अधिकार है।

जिसकी खुद की वारंटी नहीं, वह कांग्रेस अब लोगों को गारंटी देने लगी : वसुंधरा राजे

बाली/बिलाड़ा/पाली/जोधपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने प्रचार अभियान का आगाज करते हुए कहा है कि जनता मूर्ख नहीं है, जो कांग्रेस की झूठी गारंटी में आ जाए। उन्होंने कहा कि आश्चर्य होता है जिसकी खुद की वारंटी नहीं, वह कांग्रेस अब लोगों को गारंटी देने लगी। गहलोत जाते-जाते राहत का ऐसा जादुई पिटारा खोल रहे है, जिसमें दिखावे के अलावा कुछ नहीं है। उन्होंने पूरे समय जनता को जख्म दिए,अब झूठे सपने दिखा रहे हैं, पर जनता जानती है कि आखिरी समय में कांग्रेस की ये राहत घोषणाएं सिर्फ चार दिन की चांदनी है। उन्होंने कहा कांग्रेस के यह पांच साल राजस्थान के लिए काले अध्याय के समान थे। जिसमें महिलाओं की चीखे थीं, किसानों के आंसू थे,

युवाओं के अरमानों पर पानी था और दलितों पर अत्याचार की कहानी थी। पूर्व मुख्यमंत्री गुरुवार को बाली से भाजपा प्रत्याशी पुष्पेन्द्र सिंह बाली व बिलाड़ा से भाजपा प्रत्याशी अर्जुन लाल गर्ग की नामांकन रैली में बोल रही थी। राजे ने कहा कि जो काम हमने चालू किए, कांग्रेस ने उनके ताले लगा दिए। अस्पताल है पर डॉक्टर नहीं। स्कूल है पर टीचर नहीं। पद खाली है पर नौकरी नहीं। कांग्रेस सरकार ने फ़्यूल सरचार्ज के नाम पर साढ़े 56 करोड़ की वसूली की और जून में 100 यूनिट बिजली फ्री की। यानी आपका पैसा आपसे ही छीन कर आपको बिजली फ्री के रूप में लौटा रहे है, लेकिन छीना ज्यादा, दे रहे हैं बहुत कम। हमारे समय में ट्रांसफॉर्मर 72 घंटे में बदले जाते थे, आज 72 दिन में भी नहीं। ट्रांसफॉर्मर खरीदने के लिए सरकार के पास पैसा ही नहीं है। उन्होंने कहा कि आप सब जानते हैं कि ये पांच साल आपने कैसे निकाले। बहन बेटियों की इज्जत नीलाम हुई। आए दिन निर्दोष लोगों की हत्याएं हुई। छोटी बच्चियों के साथ दुष्कर्म हुए। इसलिए वोट उसको दें जो आपकी बेटी की सुरक्षा करे। राहुल गांधी ने 10 दिन में किसानों का कर्जा माफ करने का वादा किया। आज तक पूरा नहीं हुआ। उल्टा 19 हजार से ज्यादा किसानों की जमीन कुर्क हुई। अब तक 350 किसानों ने आत्महत्या की। वादा करके भी बेरोजगारी भत्ता नहीं दिया। 19 बार पेपर लीक होने से 70 लाख युवाओं का भविष्य चौपट हुआ। युवा आत्महत्या कर रहे हैं। मनरेगा में समय पर पैसा नहीं। कांग्रेस के इस कुराज में राजस्थान रेप और महिला, दलित अत्याचार, भ्रष्टाचार, कर्ज, बेरोजगारी, महंगाई, हिंदुओं और संतों पर अत्याचार और झूठे वादों में नंबर वन है।

पंजाब सरकार 9-10 दिसंबर को ऑनलाइन करवाएगी अंतर्राष्ट्रीय पंजाबी भाषा ओलंपियाड : बैंस

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाबी भाषा को दुनिया में बढ़ावा देने के उद्देश्य से पंजाब सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय पंजाबी भाषा ओलंपियाड करवाने का फैसला किया गया है। पंजाब के स्कूल शिक्षा और भाषा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने गुरुवार को बताया कि दक्षिणी एशिया में पंजाब एक प्रभावशाली सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और राजनैतिक क्षेत्र है, जिसके रहन-सहन, खान-पान, भंगड़ा और संगीत को दुनिया भर में सराहा जाता है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में सिख धर्म, बुद्ध पंथ और सूफीवाद ने शुरुआत की और बाद में पूरी दुनिया में फैल गया। भाषा मंत्री ने बताया कि पंजाबी लोगरोजगार के बेहतर मौकों की तलाश में अलग-अलग मुल्कों में बस गए हैं और अब उनकी भावी पीढ़ियां पंजाबी भाषा से पूरी तरह अवगत नहीं हैं। इसलिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय पंजाबी भाषा ओलंपियाड करवाने का फैसला किया, जिससे बच्चों को पंजाबी भाषा सीखने के प्रति उत्साहित किया जा सके। बैंस ने बताया कि यह ओलंपियाड 9 और 10 दिसंबर, 2023 को ऑनलाइन करवाया जायेगा। इसमें 40 मिनट में ऑब्जैकटिव टाइप के 50 नंबरों के 50 प्रश्न पूछे जाएंगे।

उन्होंने बताया कि इस ओलंपियाड में आठवीं और नौवीं कक्षा में पढ़ने वाले 17 साल की उम्र तक के विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। इसके अलावा इस ओलंपियाड में भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप और अन्य स्थानों के विद्यार्थी भी भाग ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि छह टाइम फोन में 2 घंटों के लिए यह ओलंपियाड चलेगा।

एनआईए टीम ने कोटा में की छापेमारी पीएफआई से जुड़े दो संदिग्ध हिरासत में

जयपुर (हिंस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार को टेरर लिंक का इनपुट मिलने के बाद कोटा में छापेमारी की है। एनआईए ने कोटा के कुन्हाड़ी और कैथून थाना क्षेत्र में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से जुड़े दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है। मौके से मोबाइल व उपकरण सहित कुछ संदिग्ध सामग्री जब्त की गई है। एनआईए की टीम ने कोटा शहर के कुन्हाड़ी थाना क्षेत्र में बापू कॉलोनी में गुरुवार सुबह छापा मारा और यहां एक संदिग्ध वाजिद के घर की तलाशी ली। वाजिद जुडो कराटे की ट्रेनिंग देता है। पिता खुद की गाड़ी चलाते है। वाजिद तीन भाई है। वाजिद के परिवार से कोई जयपुर में कोचिंग भी चलाता था। दूसरी कार्रवाई ग्रामीण इलाके के कैथून थाना क्षेत्र में मवासा रोड पर हुई। यहां भी संदिग्ध मुबारक अली के घर की तलाशी लेकर पूछताछ की गई। मुबारक अली मंसूरी कोटा में सैलून (नाई) लगाता है। एनआईए की टीम पहले भी पीएफआई से जुड़े मामले में मुबारक अली से पूछताछ करने पहुंची थी। एनआईए टीम ने पूछताछ के लिए मुबारक अली व वाजिद को हिरासत में लिया। साथ ही कुछ संदिग्ध सामग्री भी जब्त की है। कोटा शहर पुलिस अधीक्षक शरद चौधरी ने एनआईए की टीम के कोटा में दो जगह कार्रवाई की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि एनआईए की टीम ने उनसे पुलिस बल मांगा था, जिस पर एनआईए टीम को पुलिस बल उपलब्ध कराया गया

जनसंगठनों ने मानव श्रृंखला बनाकर फिलीस्तीन के साथ एकजुटता का किया प्रदर्शन

फतेहाबाद (हिंस)। शांति सद्भावना समिति के राष्ट्रीय आह्वान पर विभिन्न जनसंगठनों ने वीरवार को फतेहाबाद के अंबेडकर चौक पर फिलीस्तीन पर इजराइली हमले रोकने को मांग को लेकर मानव श्रृंखला बनाकर फिलीस्तीन के साथ एकजुटता प्रदर्शन किया। इस मौके पर रामकुमार बहबलपुरिया ने कहा कि इजराइल ने गाजा के लोगों पर जनसंहारक हमला किया है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हर 15 मिनट में एक बच्चा मर रहा है। अस्पतालों, संयुक्त राष्ट्र आश्रयों, स्कूलों, पूजा स्थलों सभी पर बमबारी की जा रही है। 9 अक्तूबर से गाजा को भोजन, पानी, ईंधन, बिजली और दवाओं से वंचित कर दिया गया है। इंटरनेट और अन्य संचार माध्यम भी काट दिए गए हैं, इसलिए जो लोग बमबारी में घायल हुए हैं उन्हें मदद भी नहीं मिल सकती है। उन्होंने कहा कि गाजा कई वर्षों से इजरायली

नाकाबंदी का सामना कर रहा है जिसने इसे 25 लाख फिलिस्तीनियों के लिए एक यातना शिविर में बदल दिया है। अब इजरायल संकटग्रस्त आबादी को गाजा पट्टी से पूरी तरह बाहर निकालने पर उतारू है। इसके साथ ही अवैध इजरायली निवासियों ने वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों पर अपने जानलेवा हमले तेज कर दिए हैं। जनसंगठनों के कार्यकर्ताओं ने कहा कि इजरायली हमलों की भयावहता ने दुनिया भर में लाखों लोगों को शांति और फिलिस्तीनियों के लिए न्याय की मांग करते हुए सड़कों पर जुझारू प्रदर्शन करने के लिए मजबूर किया है। सबसे बड़े प्रदर्शन अमेरिका और ब्रिटेन में हुए हैं जिनके नेताओं को इजरायली आक्रामकता में शामिल होने के रूप में सही ढंग से पहचाना गया है। भारत में भी सरकार के प्रतिबंधों के बावजूद विरोध मार्च और प्रदर्शन देखे गए हैं। आने वाले दिनों में भारत समेत पूरी दुनिया में ये विरोध प्रदर्शन और तेज होंगे। प्रदर्शन में किसान सभा के नेता जगतार सिंह, विष्णु दत्त शर्मा, साहनवाज एडवोकेट, नगर पार्षद मोहनलाल नारंग, जोगेंद्र सिंह भ्याणा, संदीप जांगड़ा, दलबीर सिंह आजाद, पवन कुमार भूथन, कर्मबीर सिंह ढाणी छतरियां, जगीर कौर, धर्मपाल जांडली, मनफूल सिंह ढाका, ग्रामीण सफाई कर्मचारी नेता बलबीर सिंह, हरपाल सिंह, पवन कुमार सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र बहाल करें और चुनाव कराएं : नेका

जम्मू (हिंस)। जम्मू-कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस के प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता ने वीरवार को कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश में कानून और व्यवस्था बनाए रखने में असमर्थता के कारण जम्मू-कश्मीर को अभूतपूर्व राजनीतिक अनिश्चितता में धकेल दिया है। भाजपा के महासचिव के एक बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कि *जम्मू और कश्मीर दिन-ब-दिन विकास की एक नई कहानी लिख रहा है,* वरिष्ठ एनसी नेता ने केंद्र और केंद्रशासित प्रदेश सरकारों को सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल बताया। प्रांतीय अध्यक्ष ने कहा कि आगामी चुनावों में खराब प्रदर्शन के डर से भाजपा नेतृत्व चुनाव में देरी के लिए निराधार बहाने पेश कर रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा की अनिच्छा केवल रणनीतिक नहीं है बल्कि लोकतांत्रिक शासन सिद्धांतों की स्पष्ट उपेक्षा है। इसके अलावा राज्य का दर्जा प्रत्येक जम्मू-कश्मीर नागरिक का बुनियादी अधिकार है और इसे तुरंत बहाल किया जाना चाहिए। उनका मानना है कि राज्य की मांग लोगों के बीच मजबूती से गूंजती है। वरिष्ठ एनसी नेता ने दावा किया कि मोदी सरकार न केवल भ्रष्टाचार को खत्म करने में विफल रही है, बल्कि उसके शासन के तहत जम्मू-कश्मीर में भ्रष्टाचार में काफी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार की स्थिति आईएएस अधिकारी अशोक परमार के मामले से स्पष्ट है, जो जल शक्ति विभाग में व्यापक भ्रष्टाचार के बारे में मुखबिर बन गए।

जनता में नहीं कांग्रेस में है आक्रोश : कंवरपाल

यमुनानगर (हिंस)। रादौर विधानसभा में हुई कांग्रेस की जन आक्रोश रैली पर हरियाणा के कैबिनेट मंत्री कंवर पाल ने गुरुवार को अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जनता भाजपा की नीतियों से खुश है। जनता में कोई आक्रोश नहीं है। आक्रोश कांग्रेस के अंदर है, दस साल से कांग्रेस सत्ता से बाहर है। जिस प्रकार की घोषणाएं कांग्रेस कर रही है वह कांग्रेस की हताशा का प्रतीक है। कांग्रेस ने अपने शासन में केवल 400 रुपए पेंशन बढ़ाई थी। जब कांग्रेस सत्ता से बाहर हुई तो केवल 700 रुपए पेंशन थी जबकि कांग्रेस द्वारा 1000 रुपए पेंशन की घोषणा की गई थी लेकिन उसे पूरा नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि भाजपा ने 2014 में सरकार बनते ही जो वादे किए उसे पूरा किया। हमने पेंशन 2750 रुपए की और अभी एक साल का कार्यकाल बाकी है हम

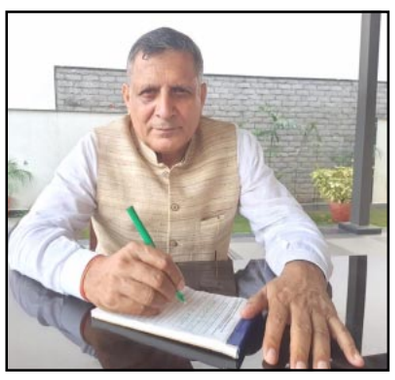

इसे और बढ़ाएंगे। भाजपा की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। प्रदेश की पूरी जनता को भाजपा परिवार मानती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज में भेदभाव हुआ और रोहतक के अलावा पूरे प्रदेश में कहीं विकास नहीं किया गया। उन्होंने कहा आज कांग्रेस किसानों के हित की बात करती है,जबकि इनकी सरकार में जब किसानों को नुकसान हुआ, तब किसानों को 2 रुपए के चेक दिए गए। कांग्रेस की सरकार ने एमएसपी पर गेंहू,धान और गन्ने की यही तीन फसलें खरीदी की। हमारी सरकार 14 फसलों को खरीद रही है। उन्होंने भूपेंद्र सिंह हुड्डा के पोर्टल सिस्टम को न बंद करने वाले उनके यू टर्न वाले बयान पर कहा कि भूपेंद्र हुड्डा का पोर्टल सिस्टम पर यू टर्न सही है। हम तो कह रहे हैं कि अगर पोर्टल में कोई कमी है, तो उसमें सुधार होना चाहिए। कांग्रेस पहले कहती थी कि पोर्टल को बंद किया जाएगा। आज करनाल में होने वाले अंत्योदय सम्मेलन पर उन्होंने कहा कि अंत्योदय हमारे लिए बहुत बड़ा मिशन है।

राजस्थान में बन रही है भाजपा की सरकार, कांग्रेस विपक्ष में बैठने लायक भी नहीं बचेगी : केंद्रीय मंत्री गोयल

अलवर (हिंस)। शहर विधानसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी संजय शर्मा का नॉमिनेशन भरवाने के लिए भाजपा के वरिष्ठ नेता केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल गुरुवार को अलवर पहुंचे। इस दौरान रोड शो में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राजस्थान में भाजपा की सरकार बन रही है। 2013 की तुलना में भाजपा की इस बार ज्यादा सीट आएंगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विपक्ष में बैठने लायक भी नहीं बचेगी। प्रदेश में कांग्रेस के हालात खराब है। राजस्थान में भाजपा की ऐसी आंधी तूफान वाली लहर चल रही है। भाजपा

प्रत्याशी संजय शर्मा ने कहा कि मोदी जी ने उन पर विश्वास कर दुबारा कमल खिलाने का उन्हें मौका दिया है। जिससे कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है। पूरा शहर आगे बडकर स्वागत सम्मान कर रहा है यह उनका सम्मान नही यह प्रधानमंत्री मोदी जी का सम्मान है। आने वाले चुनाव के दिन भरी मात्रा में मतदान कर आम आदमी मोदीजी को मजबूती प्रदान करेगा।

पंजाब पुलिस के एआईजी पर जबरन वसूली धोखाधड़ी व भ्रष्टाचार का मामला दर्ज

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने मानवाधिकार सेल, पंजाब पुलिस के सहायक इंस्पेक्टर जनरल (एआईजी) मालविन्दर सिंह सिद्धू समेत कई लोगों पर जबरन वसूली, धोखाधड़ी व भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया है। ब्यूरो के मुताबिक एआईजी सिद्धू के अलावा खाद्य, सिविल सप्लाई और उपभोक्ता मामले विभाग के ड्राइवर मोहाली निवासी कुलदीप सिंह, पटियाला जिला निवासी बलबीर सिंह को अपने पद का दुरुपयोग, सरकारी मुलाजिमों से धोखाधड़ी, ब्लैकमेलिंग, जबरन वसूली और रिश्वत लेने के दोष अधीन मामला दर्ज किया गया है।ब्यूरो के प्रवक्ता ने गुरुवार को बताया कि एआईजी सिद्धू सरकारी कर्मचारियों के विरुद्ध शिकायतें देने के बाद ब्लैकमेलिंग और नाजायज लाभ लेकर यह शिकायतें वापस ले लेते थे। उन्होंने बताया कि जांच के आधार यह मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि तफ्तीश के दौरान सामने आया कि मालविन्दर सिंह सिद्धू ने पिछले पांच सालों के दौरान कभी भी विजिलेंस ब्यूरो के पदों पर काम नहीं किया। इसके बावजूद एआईजी ने अपनी सरकारी गाड़ी आरटिगा (पीबी 65 एडी 1905) में तेल और अन्य खर्चे करके सरकारी खाते का दुरुपयोग किया। उसने कभी भी इस वाहन का लॉग बुक रिकार्ड नहीं रखा, जो सरकारी संपत्ति का दुरुपयोग है। इसके अलावा जांच में पर्दाफाश हुआ कि एआईजी सिद्धू ने ब्लाक प्राइमरी शिक्ष अफसर, राजपुरा के दफ्तर में डाटा ऑपरेटर को खुद को पंजाब विजिलेंस ब्यूरो का आईजी बताया। सिद्धू ने इसी फर्जी पहचान का प्रयोग करते हुए एक सरकारी अध्यापक की सर्विस बुक की फोटो कापी हासिल की और अपने मोबाइल फोन के साथ उसके शुरुआती पन्नों की फोटो खींच ली। इसी तरह सिद्धू ने सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल घनौर के प्रिंसिपल को स्कूल की ई-मेल आईडी पर अर्जी भेजकर स्कूल के एक अध्यापक का रिकार्ड प्राप्त किया। स्कूल से लिए गए इन अध्यापकों के रिकार्ड की पड़ताल करने के लिए वह जिला सामाजिक कल्याण अधिकारी को साथ लेकर स्कूल पहुंचा और प्रिंसिपल से दो पन्नों के प्रोफार्मे पर दस्तखत करवाने की कोशिश की, परंतु प्रिंसिपल ने इस पर दस्तखत करने से इन्कार कर दिया।

संगरूर में भीषण सड़क हादसा, 6 लोगों की मौत

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के संगरूर में हुए भीषण सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक बच्चा भी शामिल है। हादसा दो ट्रालों के बीच एक कार फंसने के कारण हुआ है। आसपास के ग्रामीणों ने ट्राले

को कटर से काट कर कार सवार मृतकों को बाहर निकाला। हादसे का कारण बने ट्राले का चालक मौके से फरार हो गया जबकि दूसरे ट्राले का चालक घायल हो गया। हादसे का शिकार हुए लोग सुनाम से मलेरकोटला में बाबा हैदर शेख की दरगाह पर माथा टेकने के बाद वापस आ रहे थे। वापसी के समय रात करीब दो बजे गांव मेहलां के निकट उनकी कार दो ट्रालों की चपेट में आ गई। हादसे में दीपक जिंदर, नीरज सिंगला तथा उनके दोनों पुत्र लक्की कुमार, विजय कुमार, देवेश जिंदल की मौत हो गई। छाजली थाना प्रभारी प्रतीक जिंदल के अनुसार सभी की मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों को सूचित कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए संगरूर में रखवाया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

नामांकन पत्र भरने का चौथा दिन

151 उम्मीदवारों ने 195 नामांकन पत्र दाखिल किए अब तक 241 उम्मीदवारों ने 301 नामांकन भरे

जयपुर (हिंस)। राज्य में विधानसभा आम चुनाव-2023 के लिए गुरुवार को नामांकन के चौथे दिन राज्य में 105 विधानसभा क्षेत्रों के लिए 151 उम्मीदवारों ने 195 नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। अब तक प्रदेश में 241 उम्मीदवारों ने 301 नामांकन पत्र भरे हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि राज्य में चौथे दिन सादुलशहर, श्रीगंगानगर, सूरतगढ़, संगरिया, हनुमानगढ़, बीकानेर पश्चिम, कोलायत, डूंगरगढ़, नोखा, सादुलपुर, सरदारशहर, चूरू, रतनगढ़, सुजानगढ़, झुंझुनूं, मंडावा, नवलगढ़, उदयपुरवाटी, खेतड़ी, फतेहपुर, लक्ष्मणगढ़, धोद, सीकर, दांता रामगढ़, खंडेला, नीम का थाना, कोटपूतली, विराटनगर, दूदू, आमेर, जमवा रामगढ़, किशनपोल, आदर्श नगर, मालवीय नगर, सांगानेर, बस्सी, किशनगढ़ बास, मुण्डावर, बहरोड़, थानागाजी, अलवर शहरी, राजगढ़-लक्ष्मणगढ़, कठूमर, डीग-कुम्हेर, भरतपुर, हिंडौन, करौली, बांदीकुई, महुवा, दौसा, गंगापुर, बामनवास, खंडार, किशनगढ़, मसूदा, केकड़ी, डीडवाना, जायल, डेगाना, मकराना, परबतसर, नावां, जैतारण, सोजत, पाली, बाली, सुमेरपुर, फलौदी, बिलाड़ा, शिव, पचपदरा, सिवाना, सांचोर, गोगुन्दा, खेरवाड़ा, उदयपुर ग्रामीण, उदयपुर, डूंगरपुर, आसपुर, चोरासी, गढ़ी, बांसवाड़ा, बागीडोरा, कुशलगढ़, कपासन, चित्तौड़गढ़, निम्बाहेड़ा, बड़ी सादड़ी, धरियावद, भीम, कुम्भलगढ़, नाथद्वारा, मांडल, भीलवाड़ा, शाहपुरा, मांडलगढ़, केशोरायपाटन, बूंदी, पीपल्दा, सांगोद, कोटा उत्तर, कोटा दक्षिण, अंता, डग और झालरापाटन विधानसभा क्षेत्रों में कुल 195 नामांकन पत्र दाखिल किए गए। गुप्ता ने बताया कि आपराधिक पृष्ठभूमि वाले 32 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र भरे हैं। उन्होंने कहा कि आपराधिक रिकॉर्ड वाले इन उम्मीदवारों को सी-1 फॉर्म भर कर अपराध की जानकारी समाचार पत्र व टीवी चैनल्स के माध्यम से तीन बार प्रकाशित-प्रसारित कर सार्वजनिक करनी होगी।

यूथ कांग्रेस ने नप कार्यालय में अर्धनग्न होकर किया प्रदर्शन

सिरसा (हिंस)। नगर परिषद द्वारा करवाए जा रहे विकास कार्यों में धांधली का आरोप लगाते हुए यूथ कांग्रेस केमहासचिव वेद भाट ने शहर के अनेक युवाओं के साथ मिलकर नगरपरिषद में अर्धनग्न धरना प्रदर्शन किया। नगर परिषद में सरकार व प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की गई। मीडिया से बातचीत में वेद भाट ने आरोप लगाया कि सिरसा शहर में विकास कार्यों की आड़ में करोड़ रुपए का गबन हुआ है और इस संबंध में नगर परिषद से एक महीने पहले आरटीआई भी लगाई गई थी लेकिन अभी तक उसका कोई भी जवाब नहीं दिया गया। आरोप हैं कि नगरपरिषद में जमकर धांधली हो रही है और उन ठेकेदारों को काम दिया जा रहा है जो शहर में सही ढंग से विकास कार्य नहीं करते। युवा नेता ने कहा कि सरकार व प्रशासन को चाहिए कि ठेकेदारों द्वारा करवाए जा रहे कार्यों की जांच करवाई लेकिन ऐसा नहीं हो रहा जबकि इस पूरे मामले को लेकर आरटीआई मांगी गई तो उसका भी अधिकारियों द्वारा जवाब नहीं दिया जा रहा। उन्होंने कहा कि अगर अब भी प्रशासन द्वारा उन्हें आरटीआई का जवाब नहीं दिया गया तो बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा और फिलहाल उनका अर्धनग्न प्रदर्शन तब तक जारी रहेगा जब तक उन्हें उनके सवालों के जवाब नहीं मिल जाते। उन्होंने कहा सिरसा शहर में विकास कार्यों के लिए 10 करोड़ रुपए का टेंडर मंजूर हुआ था तो ऐसे में इस बात की जांच होनी चाहिए कि 10 करोड रुपए किन-किन गलियों में खर्च हो रहे हैं या हुए हैं और इसके अलावा सिरसा शहर में अवैध कॉलोनी का भंडार है तो ऐसे में इसकी भी जांच होनी चाहिए कि आखिरकार सरकार का पैसा कहीं अवैध कॉलोनी में तो नहीं लग रहा। उन्होंने कहा कि जिन गलियों में अब तक विकास करें हुए हैं सब की बारीकी से जांच होनी चाहिए ताकि गबन कारियों पर शिकंजा का कसा जा सके।

संगीत, कला और संस्कृति के अद्भुत *मोमासर उत्सव* का आयोजन आज से

जयपुर (हिंस)। ना कोई स्टेज, ना विशेष लाइटिंग और ना ही कोई ताम तमाशा.... हवेली चौक और खुले मैदान में नामी कलाकारों की प्रस्तुतियां, लोक वाद्यों की धुन और दुर्लभ लोक संगीत...कुछ ऐसा होता है राजस्थान का सबसे बड़ा कल्चरल फेस्टिवल *मोमासर उत्सव*। यह एक ऐसा अनूठा कार्यक्रम है जिसमें कोई मुख्य अतिथि नहीं होता, कोई फीता काटना या दीप प्रज्जवलन नहीं होता। यहां दर्शक दरी पर बैठकर दुर्लभ संगीत का आनंद लेते हैं, उन्हें कला को करीब से देखने और कलाकारों से रूबरू होने का अवसर मिलता है। ऐसे आयोजन बहुत कम देखने को मिलते हैं। बीकानेर जिले का मोमासर कस्बा 3 से 5 नवंबर तक इस ऐतिहासिक आयोजन का गवाह बनेगा, जिसमें लोक कलाओं को सहेजने वाले 200 से ज्यादा कलाकार अपनी मधुर प्रस्तुतियों से समां बांधेंगे। आयोजन में अनेक दस्तकार व शिल्पकार भी अपनी हस्तकलाओं का प्रदर्शन करेंगे। इस बार मोमासर उत्सव का आयोजन अनेक मायनों में खास है। दर्शकों को इस बार खास तौर पर साउथ अमेरिकन और राजस्थानी गीत-संगीत की जुगलबंदी देखने को मिलेगी। मोमासर में पहली

बार आयोजित हो रही *धुंधलाती धुनें* प्रदर्शनी में दर्शक लोक वाद्य यंत्र बनाने की लुप्तप्राय: कला और दुर्लभ संगीत परम्पराओं से रूबरू होंगे। इन तीन दिनों में दर्शकों को भक्ति संगीत, अलगोढ़ा वादन, जोगिया सारंगी वादन, मांगणियार व कालबेलिया गीत-संगीत, पाबू जी के गीत, महिला कलाकारों द्वारा सितार वादन, मंजीरा-घूमर-चंग व ढोल-थाली नृत्य और इटली व चिली के कलाकारों की प्रस्तुतियां देखने को मिलेंगी। इसके अलावा हाट बाजार व मोमासर मेला भी आकर्षण का केंद्र होगा। देश-दुनिया से पधारे करीब 10,000 लोगों के इस कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम का मुख्य आयोजन स्थल मोमासर स्थित श्री जयचंद लाल पटावरी की हवेली और श्री कानीराम बुद्धमल पटावरी की हवेली हैं। इसके अलावा गांव देवता भोमिया जी का मंदिर, मोमासर ताल मैदान और द सैंड्स (कुनाल-कनिका फार्म) इस उत्सव के अन्य आयोजन स्थल हैं। सुरवि चैरिटेबल ट्रस्ट के रवि बोरड़ ने बताया कि कस्बे के निवासियों को इस आयोजन का इंतजार साल भर से रहता है। कस्बे के जो निवासी कहीं और जाकर बस गए हैं वो भी इस आयोजन जरूर शामिल होते हैं। यह आयोजन सिर्फ दूर बैठकर ताली बजाने तक ही सीमित नहीं है, यहां देश-दुनिया से आये लोगों को विभिन्न कलाओं को करीब से देखने और समझने का अवसर मिलता है। जाजम फाउंडेशन के विनोद जोशी ने बताया कि मोमासर उत्सव का इस बार यह 11वां संस्करण है। यह उत्सव राजस्थान की संस्कृति, अद्भुत कला और दुर्लभ लोक संगीत को बरसों से सहेजता आ रहा है। यह राजस्थान का एकमात्र ऐसा आयोजन है जिसमें इतने बड़े स्तर पर समुदाय और आमजन की सहभागिता रहती है। गौरतलब है कि मोमासर उत्सव का आयोजन *जाजम फाउंडेशन* के द्वारा किया जाता है। इसके मुख्य प्रायोजक सुरवि चैरिटेबल ट्रस्ट है। इसके सह-प्रायोजक संचेती ग्रुप हैं। नागपाल इवेंट्स-जयपुर, विश-मेकर्स-दिल्ली, लोक-धुनी फाउंडेशन, डांसिंग पिकॉक और मर्करी कम्यूनिकेशन इस उत्सव के आयोजन सहयोग हैं।

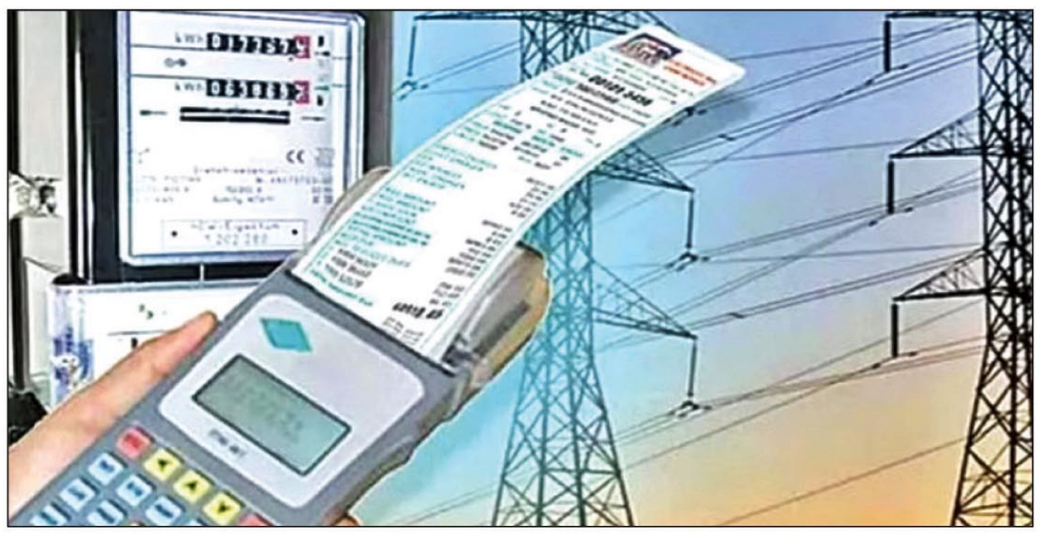

फ्लैट मालिकों से ज्यादा बिजली शुल्क वसूला तो देना होगा 18 प्रतिशत जीएसटी, सीबीआईसी का डेवलपर को निर्देश

नई दिल्ली ।
आवासीय सोसायटी में रहने वाले लोगों से तय दर से अधिक बिजली शुल्क वसूलने वाली रियल एस्टेट कंपनियों, डेवलपर्स और रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) को बिजली बिल पर 18 फीसदी की दर से जीएसटी देना होगा। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने रियल एस्टेट कंपनियों, शॉपिंग मॉल और एयरपोर्ट संचालकों से अपने परिसर की इकाइयों या किराएदारों से वसूले जाने वाले बिजली बिल पर जीएसटी को लेकर स्थिति स्पष्ट की है।

बोर्ड के मुताबिक, यदि डिस्कॉम से खरीदकर महंगी बिजली बेच रहे हैं, तो जीएसटी देना होगा। वहीं, अगर विशुद्ध एजेंट के रूप में बिजली दे रहे हैं, तो उसे आपूर्ति नहीं माना जाएगा। इसलिए, उस बिजली बिल पर जीएसटी नहीं लगेगा। किराए पर दी गई किसी अचल संपत्ति या परिसर के रखरखाव के लिए बिजली देने पर उसे समग्र आपूर्ति माना जाएगा और उसी हिसाब से जीएसटी लगेगा।

तो बनी रहेगी देनदारी

एएमआरजी एंड एसोसिएट्स में वरिष्ठ साझेदार रजत मोहन ने कहा, सीबीआईसी ने किराए पर दी गई अचल संपत्ति या परिसर के रखरखाव के लिए होने वाली बिजली आपूर्ति पर कर की स्थिति स्पष्ट की है। ऐसे मामलों में समग्र आपूर्ति मानते हुए उस पर 18 फीसदी की दर से कर लगेगा। बिजली बिल अलग से जारी होने पर भी कर देनदारी बनी रहेगी।

किराएदारों पर पड़ सकता है असर

ईवाई पार्टनर सौरभ अग्रवाल ने कहा कि सीबीआईसी के हालिया स्पष्टीकरण ने रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए चिंता बढ़ा दी है। अब मकान मालिक किराए की राशि तय करते समय बिजली पर जीएसटी लागत को जोड़ सकते हैं। इससे किराएदारों को पहले से अधिक किराया देना पड़ सकता है।

न्यूज ब्रीफ

रिलायंस इंडस्ट्रीज बना रही 15000 करोड़ रुपये की बॉन्ड बिक्री का प्लान, रिपोर्ट्स में दावा

नई दिल्ली । मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लोकल करेंसी बॉन्ड के जरिए 15,000 करोड़ रुपये (1.8 बिलियन डॉलर) जुटाने की योजना पर काम कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसे दावे किए गए हैं। अगर यह योजना सफल रहती है तो रिलायंस के लिए करेंसी में यह अब तक की सबसे बड़ी बॉन्ड बिक्री होगी। बता दें कि साल 2020 के बाद कंपनी पहला घरेलू बॉन्ड जारी कर पैसे जुटाने की योजना पर काम कर रही है। घरेलू या लोकल करेंसी बॉन्ड किसी विशेष देश की स्थानीय मुद्रा में जारी और मूल्यवर्गित ऋण प्रतिभूतियां हैं। ये बॉन्ड आमतौर पर सरकारों, निगमों या अपने देश की अन्य संस्थाओं की ओर से जारी किए जाते हैं। वहीं, बॉन्ड के मूलधन और ब्याज का भुगतान स्थानीय मुद्रा में किया जाता है। यह विदेशी मुद्रा बॉन्ड से अलग होते हैं। विदेशी बॉन्ड में मूल्य विदेशी मुद्रा से तय होता और मूलधन या ब्याज का भुगतान उस विदेशी मुद्रा में किया जाता है। लोकल करेंसी बॉन्ड में निवेशकों को जारीकर्ता के क्रेडिट जोखिम के साथ-साथ घरेलू ब्याज दरों में बदलाव से जुड़े ब्याज दर जोखिम का सामना करना पड़ता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज विस्तार की होड़ में है। इसी कड़ी में कंपनी अपने तेल, गैस कारोबार से इतर रिटेल, टेलीकॉम, एनर्जी और फाइनेंस के कारोबार का विस्तार कर रही है। सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को रिलायंस के शेयर 1 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गए। यह 2325 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। बता दें कि रिलायंस इंडस्ट्रीज को क्रिसिल रेटिंग्स से क्रेडिट रेटिंग प्राप्त है।

सोना बढ़कर 61 हजार, चांदी लगभग 72 हजार रुपए

नई दिल्ली । दो दिन की सुस्ती के साथ शुरुआत के बाद गुरुवर को सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव गुरुवार को तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव अब बढ़कर 61 हजार और चांदी के वायदा भाव 72 हजार रुपये के करीब पहुंच गए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की वायदा कीमतों में तेजी देखी गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमएसएक्स) पर सोने का दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 105 रुपये की तेजी के साथ 60,890 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह 73 रुपये की तेजी के साथ 60,858 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 60,930 रुपये के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 60,851 रुपये के भाव पर निचला स्तर छू लिया। मई महीने में सोने के वायदा भाव ने 61,845 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 392 रुपये की तेजी के साथ 71,690 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह 522 रुपये की तेजी के साथ 71,820 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 71,933 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 71,690 रुपये प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। वहीं बैश्विक बाजार में भी सोने और चांदी की वायदा कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 1992 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद प्राइस 1987.50 डॉलर था। फिलहाल यह 4.80 डॉलर की तेजी के साथ 1992.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

फेड दरों में कटौती पर फिलहाल नहीं कर रहा कोई विचार, प्रमुख जेरोम पॉवेल ने कही ये बात

नई दिल्ली । फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने निकट भविष्य में नीतिगत दर में कटौती की किसी भी उम्मीद से इनकार किया और कहा है कि केंद्रीय बैंक फिलहाल इस संभावना के बारे में बिल्कुल नहीं सोच रहा है। फेड ने लगातार दूसरे महीने ब्याज दर में वृद्धि को स्थिर रखा है। फेड की बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में, पॉवेल ने कहा कि फेड की मौद्रिक नीति समिति अभी दरों में कटौती के बारे में बिल्कुल नहीं सोच रही है। उन्होंने कहा, हम अब भी पहले इस सवाल पर बहुत ध्यान दे रहे हैं, कि क्या हमने मौद्रिक नीति का ऐसा रुख हासिल कर लिया है जो समय के साथ मुद्रास्फीति को दो प्रतिशत तक लाने के लिए पर्याप्त रूप से प्रतिबंधात्मक है।

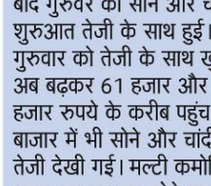

दिवाली से पहले भरा खजाना

आर्थिक तेजी और खपत ने बढ़ाई जीएसटी वसूली इस साल औसत मासिक संग्रह 1.66 लाख करोड़

नई दिल्ली ।
आर्थिक गतिविधियों में तेजी और खपत में वृद्धि के साथकंपनियों के कर संबंधी विवादों के निपटान से अक्तूबर, 2023 में सरकार को जीएसटी के रूप में दूसरी बार रिकॉर्ड कमाईहुई है।इससे पहले इसी साल अप्रैल में जीएसटी संग्रह 1.87 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया था, जो अब तक का सर्वाधिक है।वित्त मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में औसत मासिक जीएसटी संग्रह 1.66 लाख करोड़ पहुंच गया है।यह आंकड़ा 2022-23 की समान अवधि के 1.49 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 11.4 फीसदी अधिक है।

आंकड़ों के मुताबिक, सरकार ने एकीकृत जीएसटी में केंद्रीय जीएसटी के 42,873 करोड़ और राज्य जीएसटी के 36,614 करोड़ का निपटान किया है। नियमित निपटान के बाद अक्तूबर में केंद्र और राज्यों का कुल राजस्व केंद्रीय जीएसटी के लिए 72,934 करोड़ और राज्य जीएसटी के लिए 74,785 करोड़ रहा। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि अक्तूबर में जीएसटी संग्रह की सालाना वृद्धि की रफ्तार 10 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई, जो उत्साहजनक है।

सेवाओं का निर्यात 2.7 फीसदी घटा

देश से सेवाओं का निर्यात सितंबर, 2023 में सालाना आधार पर 2.7 फीसदी घटकर 28.42 अरब डॉलर रह गया।आरबीआई के मुताबिक, सेवाओं का आयात भी 10.3 फीसदी की तेज गिरावट के साथ14.59 अरब डॉलर पर आ गया।सितंबर तिमाही में आयात

लगातार घटा है।

यूपीआई से रिकॉर्ड 17.2 लाख करोड़ के लेनदेन

यूपीआई से अक्तूबर, 2023 में रिकॉर्ड 17.16 लाख करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ है। यह एक साल पहले के समान महीने के 12.12 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 42 फीसदी व सितंबर के मुकाबले 9 फीसदी ज्यादा है। वहीं, संख्या के लिहाज से कुल 11.41 अरब लेनदेन हुए, जो सालाना आधार पर 56 फीसदी अधिक है। फास्टैग लेनदेन की संख्या सात फीसदी बढ़कर 32 करोड़ पहुंच गई। मूल्य के लिहाज से कुल 5,539 करोड़ रुपये के लेनदेन हुए।

बिजली खपत 22 फीसदी बढ़कर 139 अरब यूनिट

त्योहारों और आर्थिक गतिविधियां बढ़ने से देश में बिजली खपत अक्तूबर में सालाना आधार पर 22 फीसदी बढ़कर 138.94 अरब यूनिट पहुंच गई।पिछले साल समान महीने में खपत 113.94 अरब यूनिट थी। अधिकतम दैनिक बिजली आपूर्ति बढ़कर 221.62 गीगावाट रही। पिछले साल इसी महीने में यह 186.90 गीगावाट और अक्तूबर, 2021 में 174.44 गीगावाट थी।

पेट्रोल-डीजल की बिक्री में पांच फीसदी तक की बढ़ोतरी

त्योहारी सीजन की शुरुआत से अक्तूबर में पेट्रोल और डीजल की बिक्री बढ़ गई। हालांकि, अक्तूबर के पहले पखवाड़े में मांग घटी थी। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों के आंकड़ों के मुताबिक, पेट्रोल की बिक्री अक्तूबर में तीन फीसदी बढ़कर 28.7 लाख टन पहुंच गई।डीजल की खपत पांच फीसदी बढ़कर 69.1 लाख टन रही। विमान ईंधन एटीएफ की मांग 6.9 फीसदी बढ़कर 6,21,200 टन पर पहुंच गई। रसोई गैस यानी एलपीजी की बिक्री 5.3 फीसदी बढ़कर 24.9 लाख टन पहुंची।

वाहन बिक्री में त्योहारी मांग के दम पर मारुति और महिंद्रा ने तोड़े रिकॉर्ड

त्योहारी मांग से मारुति सुजुकी इंडिया एवं महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अक्तूबर, 2023 में मासिक बिक्री के पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए। मारुति ने विभिन्न श्रेणी के रिकॉर्ड 1,99,217 वाहन बेचे। यह आंकड़ा अक्तूबर, 2022 में बेचे गए 1,67,520 वाहनों से 19 फीसदी ज्यादा है। घरेलू बाजार में वाहनों की बिक्री 21 फीसदी बढ़कर 1,77,266 इकाई पहुंच गई। यह उसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वहीं, महिंद्रा एंड महिंद्रा की बिक्री अक्तूबर में 32 फीसदी बढ़कर 80,679 इकाई पहुंच गई। यह उसकी अब तक की सर्वाधिक मासिक बिक्री है।

ह्यूंडई और टाटा मोटर्स में भी उछाल

ह्यूंडई की कुल थोक बिक्री सालाना आधार पर 18 फीसदी बढ़कर 68,728 इकाई पहुंच गई। घरेलू बाजार में बिक्री 15 फीसदी बढ़ गई। उधर, टाटा मोटर्स की बिक्री 5.89 फीसदी बढ़कर 82,954 इकाईपहुंच गई।ई-वाहनों की कुल बिक्री में 28 फीसदी तेजी रही। टोयोटा ने अक्तूबर में कुल 21,879 वाहन बेचे, जो 66 फीसदी अधिक है। एमजी मोटर की बिक्री 17 फीसदी बढ़कर 5,108 इकाई रही।

दोपहिया में भी उछाल

हीरो मोटोकॉर्प की दोपहिया वाहनों की कुल बिक्री 26.5 फीसदी बढ़कर 5,74,930 इकाई पहुंच गई। बजाज ऑटो की कुल बिक्री 19 फीसदी बढ़कर 4,71,188 इकाई पहुंच गई। टीवीएस मोटर कंपनी की बिक्री 21 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 4,34,714 इकाईपर पहुंच गई। सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया की बिक्री में 14.4 फीसदी तेजी दर्ज की गई।

फेड के नरम रुख के बाद क्रिप्टो बाजार में भी हरियाली, बिटकॉइन 17 महीने के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली ।
बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टो टोकन में गुरुवार को तेजी का रुख जारी रहा क्योंकि फेड के नरम रुख के बाद सबसे पुरानी क्रिप्टो संपत्ति 17 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई। सैम बैंकमैन-फ्राइड के क्रिप्टो साम्राज्य-एफटीएक्स एक्सचेंज के पतन के एक वर्ष पूरा होने के बाद क्रिप्टो टोकन ने बड़ा लाभ दर्ज किया।

बिटकॉइन मजबूत बना रहा क्योंकि सबसे बड़ा क्रिप्टो टोकन 3 प्रतिशत से अधिक बढ़ गया और 35,500 के स्तर से ऊपर मजबूती से दौड़ने में कामयाब रहा। इसकी सबसे बड़ी समकक्ष एथेरियम में भी करीब 3 फीसदी की तेजी देखी गई, लेकिन यह 1,900 डॉलर के स्तर से नीचे बना रहा। अधिकांश ऑल्टकॉइन तेज लाभ के साथ कारोबार करते दिखे।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) द्वारा प्रत्याशित ब्याज दरों की पुष्टि करने के बाद बिटकॉइन की कीमत .35,500 की सीमा से ऊपर कारोबार करती दिखी। मुड्रेक्स के सह-संस्थापक और सीईओ एदुल पटेल के अनुसार इस घोषणा ने बाजार को आशावाद के साथ प्रेरित किया है, जिससे पिछले दिन बिटकॉइन की कीमत में लगातार वृद्धि हुई है।

अमेरिकी डॉलर के यूएसडी कॉइन को छोड़कर, सभी शीर्ष क्रिप्टो टोकन गुरुवार को तेजी से कारोबार करते दिखे। सोलाना में 11 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई, जबकि पॉलीगॉन में 8 प्रतिशत की तेजी आई। शुरुआती कारोबार में कार्डानो और पोल्काडोट में 7 प्रतिशत और चेनलिंक और ट्रॉन में लगभग 4 प्रतिशत की तेजी आई। वैश्विक क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप बढ़कर 1.32 ट्रिलियन डॉलर के निशान पर पहुंच गया इसमें पिछले 3 घंटों में 24 प्रतिशत से अधिक का उछल आया। कुल ट्रेडिंग वॉल्यूम लगभग 43 प्रतिशत बढ़कर 57.45 अरब डॉलर हो गया।

बढ़ते वायु प्रदूषण से मुंबई की सांसें फूली! एमपीसीबी ने कंपनियों से उत्पादन घटाने को कहा

मुंबई ।
महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने मुंबई में बढ़ते वायु प्रदूषण के बीच कई कंपनियों को उत्पादन घटाने को कहा है। एमपीसीबी ने जिन कंपनियों को उत्पादन घटाने को कहा है, उनमें हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, टाटा पावर और कई अन्य कंपनियां शामिल हैं। एमपीसीबी ने इन कंपनियों को अपने उत्पादन में 50 प्रतिशत तक की कटौती करने को कहा है ताकि बढ़ते प्रदूषण की समस्या से निपटा जा सके।

एमपीसीबी ने की कार्रवाई

एमपीसीबी ने बुधवार को एक बयान जारी किया। जिसमें बताया गया कि 27 अक्तूबर को मुंबई के ट्रांबे इलाके में स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम, टाटा पावर, एजिस टेक्नोलॉजी और सीलॉर्ड कंटेनर्स लिमिटेड कंपनियों को उत्पादन में कटौती के निर्देश दिए गए थे। एमपीसीबी ने एजिस लॉजिस्टिक्स की 10 लाख रुपये और सीलॉर्ड कंटेनर्स की पांच लाख रुपये की बैंक गारंटी भी जब्त कर ली। ऐसा ही एक नोटिस चेंबूर स्थित राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड को भी भेजा गया है। एमपीसीबी ने दो रेडी मिक्स कंक्रीट प्लांट को भी बंद करने का निर्देश दिया है।

एमपीसीबी की यह कार्रवाई उसके कंपनियों को एसओपी जारी करने के 10 दिन बाद सामने आयी है। एमपीसीबी अब अगले एक महीने तक इन कंपनियों के उत्सर्जन का आकलन करेगा और नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अगर सस्ता होगा तेल तो भारत भी यूएस के वेनेजुएला पर प्रतिबंध हटाने पर बोले पेट्रोलियम मंत्री पुरी

नई दिल्ली ।
अमेरिका वेनेजुएला से तेल खरीदने वाले देशों पर भी पाबंदी लगाने की धमकी देता रहा है, लेकिन पैदा हुए ऊर्जा संकट के बीच वह खुद उससे तेल खरीदने की तैयारी में है। उसने हाल ही में वेनेजुएला के तेल क्षेत्र पर अस्थायी रूप से प्रतिबंध हटा दिया है। इस बीच, भारतीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भी साफ कर दिया है कि अगर वेनेजुएला तेल सस्ता करेगा तो भारत भी उससे खरीद सकता है।

तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक

गौरतलब है कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता है। अपनी जरूरत का 80 फीसदी से अधिक तेल विदेशों से खरीदता है और अपने कच्चे तेल के आयात कीमतों में कटौती करना चाहता है।

अधिक आपूर्ति होना हमेशा अच्छा

मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को एक उद्योग कार्यक्रम में वेनेजुएला के तेल के बारे में कहा कि जब बाजार में अधिक आपूर्ति होती है तो यह हमेशा अच्छा होता है। उन्होंने कहा कि जहां से भी सस्ता तेल मिलेगा हम वहां से खरीदेंगे। उन्होंने आगे कहा कि वेनेजुएला के पास सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक है। बड़े पैमाने पर इससे उत्पादन का वैश्विक तेल की कीमतों पर असर पड़ेगा।

दो सप्ताह पहले अमेरिका ने लिया फैसला

दक्षिण अमेरिकी देश 2019 से ही गंभीर प्रतिबंधों को झेल रहा है। अगले साल होने वाले चुनाव के लिए वेनेजुएला सरकार और विपक्षी दलों के बीच हुए समझौते के तहत दो सप्ताह पहले अमेरिका द्वारा प्रतिबंधों को हटा लिया गया है।

हमारी उपलब्धता पर नजर

पेट्रोलियम मंत्री ने कहा, 'हम उपलब्धता पर नजर बनाए हुए हैं। हम अपने ऊर्जा स्रोतों में विविधता ला रहे हैं। हालांकि, मैं इंतजार कर रहा हूं, लेकिन मुझे लगता है कि हम इस सफर में आगे बढ़ पाने में सफल होंगे।अतीत में भी हम ऐसा कर चुके हैं। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन और रिलायंस इंडस्ट्रीज वेनेजुएला से पहले तेल खरीद चुका है।

भारत में कंपनियां अगले साल सैलेरी में करेंगी 9.8 फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।
भारत में कंपनियों द्वारा अगले साल यानी 2024 में 9.8 प्रतिशत की वेतनवृद्धि किए जाने की उम्मीद की जा रही है। विलिस टावर वाटसन (डब्ल्यूटीडब्ल्यू) की हाल ही में जारी 'सैलरी बजट प्लानिंग इंडिया रिपोर्ट' में यह सामने आया है। इसमें कहा गया है कि सभी क्षेत्रों की कंपनियां अभी भी अपने लागत ढांचे की बारीकी से निगरानी कर रही हैं ऐसे में ज्यादा वेतन वृद्धि की संभावना नहीं है। इसे देखते हुए कहा जा सकता है कि कंपनियां अगले साल वेतन में 9.8 प्रतिशत की वृद्धि कर सकती हैं। हालांकि, यह 2023 में 10 प्रतिशत की वृद्धि से थोड़ा कम है।

सैलरी बजट प्लानिंग इंडिया रिपोर्ट' में अनुसार, भारत में औसत वेतनवृद्धि 2024 में 9.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो 2023 में 10 प्रतिशत की वास्तविक वृद्धि के करीब है। सर्वे के मुताबिक, आईटी क्षेत्र में वेतन वृद्धि में कमी की उम्मीद है। पहले 2024 के लिए लगभग 11 से 12 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान था, जो अब घटकर 10 प्रतिशत प्रतिशत पर आ गया है। इसके विपरीत, विनिर्माण, फार्मास्यूटिकल्स, मीडिया और गेमिंग जैसे क्षेत्रों का विस्तार हो रहा है। यह क्षेत्र अगले

साल ज्यादा भर्ती करने के साथ ज्यादा वेतन दे सकते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, 2022 की तुलना में आधे से अधिक कंपनियों ने इस साल वेतन के बजट में वृद्धि की है। एक चौथाई ने बजट को पहले के अनुमानों से बढ़ाया है। 36 प्रतिशत कंपनियों को अनुमान है कि अगले 12 महीनों में राजस्व की वृद्धि सकारात्मक रहेगी। 28 प्रतिशत कंपनियां अगले साल नए कर्मचारियों की भर्ती करेंगी, जबकि 60 फीसदी ने इसी साल भर्ती की है।

इस रिपोर्ट के अनुसार, विलिस टॉवर वॉटसन ने अप्रैल और मई 2023 में यह सर्वे किया था। इसमें 150 देशों की कंपनियां शामिल थीं। वहीं भारत की ओर से इसमें 708 प्रतिभागी शामिल हुए थे।

पूरे एशिया प्रशांत (एपीएसी) में सबसे अधिक वेतन वृद्धि भारत में होगी। इसके बाद वियतनाम के लिए 2024 में वेतनवृद्धि आठ प्रतिशत अनुमानित है। वहीं अगर बात चीन की करें तो वहां छह प्रतिशत इसी तरह फिलिपीन में 5.7 प्रतिशत और थाइलैंड में पांच प्रतिशत वेतन बढ़ेगा। वहीं, इस सर्वे में भारत में नौकरी छोड़ने वालों के बारे में बड़ा दावा किया गया है। इसके मुताबिक, भारत में नौकरी छोड़ने वालों की संख्या घटकर 14.6 फीसदी पर आ गई है जो 2022 में 15 फीसदी से ज्यादा थी।

नीता अंबानी के 60वें जन्मदिन पर हुई 'अन्न-सेवा', 1.4 लाख लोगों को वितरित किया गया भोजन

नई दिल्ली। रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक और चेयरपर्सन नीता अंबानी ने 1 नवंबर को अपना 60वां जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर अन्न-सेवा के तहत 15 राज्यों के 1.4 लाख लोगों को भोजन उपलब्ध कराया गया। अन्न सेवा के जरिए करीब 75 हजार लोगों को पका हुआ भोजन परोसा गया जबकि करीब 65 हजार लोगों के बीच कच्चे राशन का वितरण किया गया। इस मौके पर बच्चों, वृद्धाश्रमों में रहने वाले बुजुर्गों, दैनिक वेतन भोगियों, ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों, कुष्ठ रोगियों और विशेष जरूरतों वाले लोगों के लिए अन्न-सेवा की गई। भोजन वितरण से लेकर विभिन्न स्थानों पर गर्म भोजन परोसने तक के सभी काम रिलायंस के स्वयंसेवकों ने किए। नीता अंबानी ने वंचित समाज के करीब 3000 बच्चों संग अपना जन्मदिन मनाया। कोरोना महामारी के दौरान नीता अंबानी की अगुवाई में रिलायंस फाउंडेशन ने अन्न सेवा के नाम से उस समय का सबसे बड़ा अन्न वितरण कार्यक्रम चलाया था। फाउंडेशन के अनुसार नीता अंबानी के जन्मदिन पर अन्न वितरण उसी परंपरा का विस्तार है।

शो एस्पिरेंट्स 2 एक ओरिजनल ड्रामा

-एक्टर्स के बीच देखी कमाल की बॉन्डिंग

मुंबई (ईएमएस)। शो एस्पिरेंट्स 2 एक टीवीएफ ओरिजनल ड्रामा है और एस्पिरेंट्स के पहले सीजन ने अपनी जादुई कहानी, रिलेटेबल किरदारों और कहानियों के साथ चर्चा का विषय बन गया। आईएमडीबी के टॉप रेटेड शोज में से एक, एस्पिरेंट्स ऐसा शो है जो लाखों भारतीयों के दिल और दिमाग को छू गया, जिन्होंने दिलचस्प किरदारों में अपनी यात्रा की झलक देखी। अभिलाष, गुरी और एसके की ट्राइपॉड दोस्ती और संदीप भैया के सुझाव पॉप कल्चर का एक हिस्सा बन गए, और फैन्स नए सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। अब जब नया सीजन आखिरकार आ गया है, तो समीक्षकों और दर्शकों ने इसके शानदार वापसी की सराहना की है। हाल ही में, एक्टर नवीन कस्तूरिया ने बताया कि कैसे स्टार कास्ट के टीम वर्क और निर्देशक अपूर्व सिंह कार्की के समर्पण ने शो की शानदार सफलता में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, सब समझते है कि अगर अभिनेता अच्छा काम नहीं करेंगा, तो शो अच्छा नहीं चलेगा। हम सभी ने एक ही अपरोच फॉलो किया, यह विश्वास करते हुए कि हम में से हर को अपनी अपनी भूमिका में बेस्ट होना है। इस सीरीज की शूट के दौरान कभी भी ऐसा पल नहीं आया, जब एक व्यक्ति का शॉट पूरा हो गया और कैमरा दूसरे पर शिफ्ट हो गया हो, तो पहला अपना बेस्ट देना बंद कर देगा। क्योंकि हम जानते थे कि एक सीन में हर किसी का प्रदर्शन समान रूप से अहम है।

एस्पिरेंट्स में दिखाई गई प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की दुनिया में, अभिनेताओं ने खुद उम्मीदवारों को प्रतिबिंबित किया, जो अपने साझा लक्ष्य से बंधे थे, एक उत्कृष्ट कृति बनाने के लिए एक-दूसरे का समर्थन कर रहे थे। नवीन ने अपने को-स्टार्स के बीच जो साझेदारी है उनके लिए अपने निर्देशक को श्रेय दिया हैं। उन्होंने कहा, सेट पर हम सभी के बीच इतनी अच्छी बॉन्डिंग होने का कारण हमारे निर्देशक थे। वह एक सीधे-सादे व्यक्ति हैं, जो किसी भी तरह का दिखावा नहीं करते हैं। अगर हमारे निर्देशक खुद इतने ग्राउंडेड हैं, तो हम सब भी आपस में अच्छी तरह से घुलने-मिलने में कामयाब हो गए। यह हमारे प्रदर्शन के लिए जरूरी था और अपूर्वा के कारण हम सब वही करना चाहते थे। इसमें नवीन कस्तूरिया, सनी हिंदुजा, शिवांकित सिंह परिहार, अभिलाष थपलियाल और नमिता दुबे अपनी लोकप्रिय भूमिकाओं को रिप्राइज किया हैं।

सरकारी कत्ल -ए- आम 1984 का टीजर जारी

-84 के दंगे पर आधारित है यह निर्देशक विक्रम संधू की फिल्म

मुंबई (ईएमएस)। दिल्ली के पार्लियामेंट स्ट्रीट पर स्थित गुरुद्वारा रकबगंज साहिब की सच की दीवार पर कल विक्रम संधू की फिल्म सरकारी कत्ल -ए- आम 1984 का रेफरेंस टीजर लॉन्च किया गया। यह हिंदी फीचर फिल्म वीएस फिल्म वर्ल्डवाइड के बैनर तले बनाई जा रही है। इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति और सेलेब्रिटीज भी मौजूद रहे। फिल्म का टीजर उसी जगह पर लांच किया गया, जहां पर उन सिखों की याद में मेमोरियल बनाया गया है।

आरजे अनुराग पाण्डेय ने इस इवेंट को होस्ट किया जबकि यहां अली असगर, दीपक कुमार, दीपराज राणा, संजय स्वराज, जान्हवी वोरा, गुलशन पाण्डेय, संजीव जोतंगिया, दिव्या लक्ष्मी, पम्मी बाई (पंजाबी ऐक्टर), हॉबी धारीवाल, राज धारीवाल और तरुण मदान (गेस्ट पंचकूला) की उपस्थिति देखी गई। सम्मानीय डेलीगेट्स में सरदार हरप्रीत सिंह कालका (अध्यक्ष सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमिटी), सरदार जगदीप सिंह कहलोन (जेनरल सेक्रेटरी, दिल्ली सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमिटी), सरदार हरविंदर सिंह फुल्का (एडवोकेट 1984 के सिख विरोधी दंगे), पदमश्री सरदार जगजीत सिंह दर्दी, सरदार भूपेंद्र सिंह भुलर, सरदार डॉ रवेल सिंह का नाम उल्लेखनीय है। इस फिल्म को वीएस फिल्म्स के विक्रम संधू प्रोड्यूस और डायरेक्ट कर रहे हैं, उन्होंने कहा कि 84 के दंगों की बात सुनकर आज भी मेरे रौंगटे खड़े हो जाते हैं। मैं भी सिख समुदाय से हूँ और मेरे पूर्वजो ने भी उस दर्द को झेला है। मैंने बहुत पहले सोच लिया था कि इस सच्चाई को मैं पर्दे पर एक दिन दिखाऊंगा।

आज मैंने हिम्मत और हौसला करके इसकी शुरूआत कर दी है। इस कार्यक्रम में उस घटना में शहीद हुए लोगों की विधवाओं को विक्रम संधू ने शॉल और किट्स देकर सम्मानित किया। मालूम हो कि 1984 की वो घटना आज भी लोग याद करके सहम जाते हैं जो सिखों के लिए जुल्म, अत्याचार और बबार्दी का साल कहलाता है। लाखों सिखों ने वो दर्द झेला जो कभी भुलाया नहीं जा सकता। सिख समुदाय से सम्बंध रखने वाले निमार्ता निर्देशक विक्रम संधू ने उसी दर्द को बिग स्क्रीन पर प्रस्तुत करने की हिम्मत जुटाई है।

कंगना के लिए तेजस बनी बुरा सपना

तेजस को रिलीज हुए महज 5 दिन ही हुए थे कि, तेजस के साथ जो हुआ वह कंगना ने जिंदगी में भी नहीं सोचा होगा। तेजस फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर 50 प्रतिशत से भी ज्यादा शो रद्द कर दिए गए हैं, इसकी पीछे की वजह यही है कि, फिल्म को दर्शक पसंद नहीं कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि सिनेमाघरों में कंगना रनौत की इस फिल्म के लिए 5-6 लोगों की भीड़ दिख रही, जिसके बाद मूवी को सिनेमाघरों से हटाने की तैयारी भी शुरू हो चुकी है।मुंबई के गैटी गैलेक्सी के मालिक मनोज देसाई ने बताया कि, रविवार को मुश्किल से 100 व्यूअर आए थे। बाकी शोज में 100 से भी कम लोग फिल्म देखने के लिए आए, इसके बाद भी हमने गैटी में वीकडेज पर तेजस के शो जारी रखे हैं। वहीं दूसरे वितरक ने बताया कि संडे को हर शो में 10-12 दर्शक थे, जिसकी वजह से सोमवार को 50 प्रतिशत शो को कैंसिल करने का फैसला लिया गया, उन्होंने कहा, वहीं विक्रांत मैसी की 12वीं फेल बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन कर रही है।

नेहा और अंगद अपने पिता की याद में हो रहे भावुक

बालीवुड एक्ट्रेस नेहा धूपिया और अंगद बेदी हर पल अपने पिता को याद कर भावुक हो जाते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर ससुर को याद में कुछ अनसीन फोटोज शेयर की हैं, जो खूब वायरल हो रही हैं। नेहा धूपिया ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर कुछ अनसीन फोटो शेयर की, जिसमें एक्ट्रेस और उनके पति अंगद पिता के साथ नजर आ रहे हैं। एक फोटो में नेहा के बच्चे अपने दादा बिशन सिंह बेदी के साथ मस्ती करते दिखाई दे रहे हैं। वहीं, अन्य एक फोटो में पूरी बेदी फैमिली एक साथ नजर आ रही है। इन तस्वीरों के कैप्शन में नेहा ने लिखा है- हम उन सभी चीजों को संभाले हुए हैं, जो आप हमें देकर गए हैं। जिनमें खुशी, साहस, यादें, नैतिक मूल और ताकत शामिल हैं। आप हमारे दिल और दिमाग में हमेशा हो। काश लाइफ कुछ गुजरे लम्हें लौटा दे। हम ही जानते हैं कि इस वक्त में कैसा गुजर रही है।

वरुण-लावण्या हल्दी सेरेमनी की तस्वीरें आईं सामने

साउथ स्टार वरुण तेज और एक्ट्रेस लावण्या त्रिपाठी की हल्दी सेरेमनी की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं, जिन्हें फैंस खूब लाइक कर रहे हैं। सामने आई फोटोज में देखा जा सकता है कि वरुण तेज-लावण्या त्रिपाठी येलो अटायर में एक-दूसरे के साथ ट्विन करते नजर आ रहे हैं। जहां वरुण येलो कुर्ता और पायजामा में काफी डैशिंग लग रहे हैं, तो वहीं उनकी मंगेतर लावण्या येलो चोली और व्हाइट रंग का लहंगा पहने खूबसूरत लग रही हैं। एक फोटो में होने वाले दूल्हा-दुल्हन एक-दूसरे की आंखों में डूबे नजर आ रहे हैं। दूसरी फोटो में सुपरस्टार चिरंजीवी और उनकी पत्नी सुरेखा कपल को हल्दी लगाते हुए पोज दे रहे हैं। बता दें कि वरुण औ लावण्या जल्द ही सिंगल से मिंगल होने वाले हैं। तेज अपने सपनों की राजकुमारी एक्ट्रेस लावण्या त्रिपाठी संग शादी के बंधन में बंध जाएंगे। ऐसे में दोनों के वेडिंग फंक्शन खूब धूमधाम से मनाए जा रहे हैं।

अनुष्का सेन के 50 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स

-हमेशा छाई रहती है सोशल मीडिया पर

मुंबई (ईएमएस)। सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर एक्ट्रेस अनुष्का सेन के लगभग 50 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स हैं। जिस चीज ने एक्ट्रेस को हर घर में मशहूर कर दिया, वह है एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में उनकी कई परियोजनाओं के साथ उनका शानदार प्रदर्शन और एक डिफरेंट ग्लोबल स्टार ऑफ इंडिया के रूप में ईस्ट में उनकी पापुलैरिटी, जो देखने लायक है। अनुष्का के सोशल मीडिया पर बेहद दिलचस्प कंटेंट होते हैं जिसमें - खूबसूरत सिल्हूट से लेकर प्यारे ट्रेवल जर्नल, ब्रांड एसोसिएशन तक सब शामिल है जो हर मायने में लोगों के लिए एक इंस्पिरेशन भी होते है। बता दें, यूथ आइकन के रूप में जानी जाने वाली अनुष्का कैश जैस कई और वेब शोज में नजर आई हैं। लेकिन अनुष्का सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है, उन्होंने पीरियड ड्रामा फिल्म लिहाफः द क्विल्ट, एम आई नेक्स्ट और कंट्री ऑफ ब्लाइंड जैसी फिल्मों में भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है, जिसे ऑस्कर लाइब्रेरी द्वारा इंवाइट किया गया है। उनकी कामों में कई चार्टबस्टर म्यूजिक वीडियो भी शामिल है। इसके अलावा, अनुष्का जल्द ही अपनी अपकमिंग फिल्म एशिया के साथ साउथ कोरियन सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं, जहां वह भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं और यह भारत के एक अलग ग्लोबल स्टार के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत करता है, ठीक वैसे ही जैसे दीपिका पादुकोण और प्रियंका चोपड़ा जोनस ने वेस्ट में नाम कमाया हैं। उनकी बढ़ती लोकप्रियता और दो देशों के बीच सेतु के रूप में अनुष्का को देखते हुए, उन्हें हाल ही में कोरियाई पर्यटन के मानद ब्रांड एंबेसडर के रूप में भी नियुक्त किया गया था। लगातार सभी प्लेटफार्मों पर दर्शकों के लिए दिलचस्प और मनोरंजक कंटेंट पेश करने के साथ, अनुष्का सेन की एक बड़ी इंस्टाग्राम फैमिली है, जो 39.4 मिलियन की है। अनुष्का सेन इंडस्ट्री की यंग, प्रतिभाशाली और सबसे बिजी एक्ट्रेसेज में से एक हैं और आजकल सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं।

फिल्म 'थंगालान' 26 जनवरी को दुनिया भर में होगी रिलीज, टीजर ने किया हैरान

ग्रीन प्रोडक्शन हाउस के प्रमुख निमार्ता केई ज्ञानवेल राजा थंगालान के नाम से एक अहम और रियल लाइफ बेस्ड स्टोरी ला रहे हैं, जो केजीएफ के लोगों के जीवन पर आधारित है। इस पीरियड ड्रामा फिल्म में भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े नामों में से एक चियान विक्रम शामिल हैं और इसे बेहतरीन स्टोरीटेलर पा रंजीत का समर्थन हासिल है। यह फिल्म जनता के बीच एक हॉट टॉपिक बनी हुई है और अब इस चर्चा को बढ़ाने के लिए निमार्ताओं ने फिल्म का एक टीजर जारी किया है। फिल्म का टीजर क्रेजी दुनिया के बारे में ले जाता है। यह फिल्म ब्लॉकबस्टर पोन्नियिन सेलवन-1 और 2 के बाद चियान विक्रम की पैन इंडिया शैली में वापसी का प्रतीक है। मुख्य अभिनेता के किरदार में उनका समर्पण, प्रतिबद्धता और बदलाव निश्चित रूप से दिखाई देता है। टीजर में कुछ खून चूसने वाले पल और अभिनेताओं के रस्टिक लुक को दिखाया गया है, जो लोगों को हैरान कर देगा।

फिल्म में मालविका मोहनन, हॉलीवुड अभिनेता डैनियल कैल्टागिरोन और तमिल उद्योग के कुछ प्रमुख नाम भी शामिल हैं। थंगालान 26 जनवरी, 2024 को हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में दुनिया भर में रिलीज होगी। इस फिल्म का संगीत जीवी प्रकाश कुमार ने तैयार किया है। इसके अलावा निमार्ता दर्शकों के लिए एक पैन-वर्ल्ड फिल्म कंगुवा भी ला रहे हैं, जिसमें सूर्या शिवकुमार और दिशा पटानी मुख्य भूमिका में हैं।

कैलाश खेर ने सुरों के जरिए बलिया को झुमाया

बलिया, (हि.स.)। तीन दिवसीय बलिया महोत्सव के पहले दिन मशहूर सूफी गायक कैलाश खेर ने सुरों से ऐसा शमां बांधा कि पुलिस लाइन के परेड ग्राउंड में मौजूद हजारों लोग थिरकने लगे। इसके पहले प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही व परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने दीप प्रज्वलित कर कैलाश खेर के कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की। बलिया महोत्सव में कैलाश खेर ने अपने सुरों के जरिए प्रथम स्वातंत्र्य वीर मंगल पांडेय को याद किया। कैलाश खेर ने पहले तो कहा कि जैसे ही मुझे यहां आने की जानकारी मिली, मैं उत्साह से भर गया। क्योंकि मुझे मंगल पांडेय की मिट्टी में आना था। खेर ने अपने मशहूर गीत मंगल मंगल.... को जैसे ही गुनगुना शुरू किया, माहौल जोश से भर गया। कैलाश खेर ने सभी आयु वर्ग के लोगों को झकझोरा। 'मैं तो तेरे प्यार में दीवाना हो गया...' और सैंया आओ जी...' के जरिए युवाओं को झूमने पर मजबूर किया। वहीं, 'अल्ला के बंदे...' व 'क्या कभी धरती से सूर्य बिछड़ता है...' और 'दौलत शोहरत क्या करना... तेरे प्यार का सहारा काफी है' गाकर बलिया की सुरमयी शाम को खुशनुमा बना दिया।

कियारा ने रखा करवाचौथ का व्रत

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी का यह पहला करवाचौथ है और उन्होंने पति की लंबी आयु के लिए दिल्ली में व्रत रखा है। ऐसे में हाल ही में उन्होंने अपने पहले करवा चौथ की तैयारी की एक झलक फैंस को दिखाई है। कियारा आडवाणी ने अपने इंस्टाग्राम की स्टोरी पर सरगी से लेकर मेहंदी तक की झलक शेयर की है। पहली स्टोरी में कियारा ने दावत की फोटो शेयर की है, जबकि दूसरी में देखा जा सकता है कि एक्ट्रेस ने हाथ में शगुन की मेहंदी लगाई है। हाथ में उन्होंने छोटा सा एक स्टार बनाया है। वहीं, फैंस को अब कियारा को पति सिद्धार्थ मल्होत्रा के लिए तैयार हुए देखने का बेसबरी से इंतजार है।मालूम हो कि आज देश में करवा चौथ का त्योहार मनाया जा रहा है। इस मौके पर औरतें सारा दिन भूखी प्यासी रहकर पति की लंबी उम्र की दुआ मांगेगी।

3 साल की शादी में अंकिता 20 दिन से ज्यादा नहीं रहीं पति के साथ

-अब बिग बॉस 17 के शो में पहुंचकर दूर करने में जुटी गिल-शिकवे

मुंबई (ईएमएस)। अंकिता लोखंडे और विक्की जैन की शादी को भले ही तीन साल का वक्त बीत चुका है, लेकिन दोनों 20 दिन से ज्यादा कभी भी एक साथ नहीं रहे। इसलिए अब शायद गिले-शिकवे दूर करने के लिए बिग बॉस 17 का शो मददगार साबित हो सकता है। यह जोड़ी आजकल खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। कपल जब से बिग बॉस 17 का हिस्सा बना है, तब से शो में अपने प्यार और तकरार से लाइमलाइट है। हालांकि इस बारे में शायद कम लोगों को पता हो कि अक्सर शो में अपने संग रुठी हुई दिखने वाली अंकिता बिग बॉस 17 का हिस्सा अपने पति संग क्यों बनी हुई है। इस बारे में उन्होंने बहुत पहले ही खुलासा कर दिया था, जो अब लोगों के सामने आया है। अंकिता बिग बॉस के घर में पति संग इसलिए गई कि अंकिता ने विक्की को तीन साल डेट करने के बाद 14 दिसंबर 2021 को विक्की जैन के साथ शादी की थी। विक्की पेशे से एक बिजनेसमैन हैं। वह अक्सर अपने बिजनेस टूर की वजह से बाहर रहते हैं। ऐसे में कपल एक दूसरे को बहुत ज्यादा समय नहीं दे पाता है। कपल की शादी को 3 साल पूरे होने वाले हैं। अब एक रिपोर्ट की मानें तो, अंकिता अपने पति संग बिग बॉस के घर में खूब सारा टाइम स्पेंड करने के उद्देश्य से गई हुई हैं। हालांकि उन्होंने ये भी दावा किया था कि घर में उनके रिश्ते का अंजाम कुछ भी हो सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि शो में जाने से पहले अंकिता ने एक इंटरव्यू दिया था, जिसमें उन्होंने अपने पति विक्की जैन संग अपने रिश्ते पर खुलकर बातें की थी। उन्होंने कहा था कि दोनों एक दूसरे की कंपनी खूब पसंद करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अंकिता लोखंडे ने कहा था कि मैंने इसे विक्की और मेरे लिए चार महीने लंबी जर्नी के तौर पर देखा और शो में जाने के लिए हां कह दिया। क्योंकि अधिकतर हमें एक-दूसरे संग ज्यादा वक्त बिताने का मौका मिलता हैं। एक बिजनेसमैन होने के नाते विक्की बिलासपुर में आते जाते हैं जबकि मैं मुबंई में रहती हैं। ऐसे में हमारा साथ में रहना काफी मुश्किल लगता है। रिपोर्ट के अनुसार, अंकिता अपने हनीमून के अलावा अपने पति संग कभी भी 20 दिनों से अधिक समय तक नहीं रहीं। इसलिए बिग बॉस के बहाने उन्हें एक साथ एक ही छत के नीते रहने का बड़ा मौका मिला है। अब तो आपको समझ में आ ही गया होगा कि अंकिता अपने संग बिग बॉस के घर में क्यों हैं। बातचीत में अंकिता ने अपने पति की तारीफ करते हुए ये भी कहा था कि उनके पति उनके लिए दिल, दिमाग और दम तीनो हैं। वे दोनों एक दूसरे को काफी एंटरटेन करते हैं, उन्हें किसी तीसरे की जरूरत नहीं होती।

सूडोकु नवताल- 6601

मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6600 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्दजाल - 7348

चे	क	ल	व	ग	आ	ना	क	प	ल	क	
र	श	ल	न	व	जी	इ	द	इ	ट	कि	
त	स	व	ल	र्म	छ	पु	य	रा	ख	स	
क	ज	ज	न	पु	अ	ड	र	र	ल	ले	
क	क	दो	ग	श्री	लं	का	तू	ग	झ	व	
ज	ति	श	री	ह	झ	नि	ना	ण	घ	को	
ती	आ	स	लि	या	प	ल	स	र	ला	ल	
क	ता	शे	ई	सि	ब	ते	फ	न	श	पा	
ने	बा	बे	न	व	जी	ल	बे	ग	प	कि	
द	पा	त	प	न	जी	र्त	ऐ	त	प	स्ता	
क	अ	ब	प	ची	न	रा	बा	द	प	न	

शब्द जाल में यहूदी कलेंडर के 10 महीनों के नाम ढूंढिए.नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

तिशरी, चेशवन, किसलेव, तेबेत, शेबेत, अडर, निसन, आइयर, सिवन, अब

शब्दजाल - 7347 का हल

के	क	दो	यु	ला	प	नं	दा	दे	वी	क	
ज	च	ल	प	ह	रिं	गा	ना	दि	शा	त्रि	
अं	इ	न	म	सं	दा	प	श	र	ला	शू	
क	कु	दा	जं	धा	ब	र्व	नू	रि	श	ल	
क	ति	श	न	घा	क	त	न	न	वी	ता	
सा	से	र	कां	ग	झे	र्त	कू	ती	कू	रु	
पौ	हु	न	री	अं	गो	म	य	कौ	ला	न	
क	बा	अ	ब	री	क	शे	त	न	श	चौ	
क	स	थो	गि	व	न	ज	र	शा	जू	खं	
द	र	ना	प	ति	रं	र्त	ऐ	ब्र	प	बा	
थो	दू	सा	रु	मा	नी	हो	जा	एं	म	क	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6301

	6	7	4		2	3
1	33		30	5	27	
	5		6		1	
2	36	4	31	6	26	
		5				2
6	36		31	3	34	4
3		1		7		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6300 का हल

2	7	5	4	3	6	1
1	33	2	29	6	33	6
6	7	3	1	5	4	2
4	42	4	29	4	25	4
5	6	7	4	1	2	3
7	37	6	32	2	33	7
3	2	1	4	7	6	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

मैं कभी कप्तान नहीं बनना चाहता था, सहवाग ने सभी दावों को खारिज करते हुए किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली।
भारतीय टीम के पूर्व विस्फोटक ओपनर वीरेंद्र सहवाग ने दावा किया है कि खिलाड़ी रहते कप्तानी उनकी प्राथमिकता नहीं रही। इस बारे में काफी चर्चा हुई थी कि राहुल द्रविड़ जब कप्तानी छोड़ेंगे तो सहवाग को यह जिम्मेदारी सौंपी जाएगी या नहीं। हालांकि, पूर्व ओपनर ने दावा किया कि वो सीनियर खिलाड़ी के रूप में अपने आइडिया शेयर करके ज्यादा खुश थे। वो एमएस धोनी जैसे कप्तान की मदद करना चाहते थे, जिन्हें कप्तानी सौंपी गई थी। सहवाग ने जिओ सिनेमा पर संजय मांजरेकर से बातचीत में अपना राज खोला। वीरेंद्र सहवाग को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2012/13 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान दो टेस्ट के बाद टीम से बाहर कर दिया गया था। उनकी जगह शिखर धवन को शामिल किया गया था। भारतीय टीम में इसके बाद सहवाग को कभी जगह नहीं मिली। वीरू का मानना है कि उन्हें खराब प्रदर्शन के कारण बाहर किया गया, लेकिन साथ ही कहा कि चयनकर्ताओं से कभी पता नहीं चला कि टीम उनसे आगे बढ़ चुकी है। वीरेंद्र सहवाग ने 104 टेस्ट में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान उन्होंने 49.34 की औसत से 8586 रन बनाए। वीरू ने टेस्ट करियर में 23 शतक जमाए।

वो एकमात्र भारतीय बल्लेबाज हैं, जिन्होंने टेस्ट में दो तिहरे शतक जमाए हैं। वीरू ने पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ट्रिपल सेंचुरी बनाई थी।

दक्षिण अफ्रीका को भी खिताब की प्रबल दावेदार मानते हैं संदीप पाटिल

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर संदीप पाटिल के अनुसार इस बार दक्षिण अफ्रीका भी खिताब की प्रबल दावेदार है। वहीं दक्षिण अफ्रीका का इतिहास अनिश्चितताओं से भरा रहा है। वह अक्सर अहम मुकाबलों में हार जाती है। इसी कारण दक्षिण अफ्रीका को चोकर्स भी कहा जाता है। हालांकि इस बार टीम इस मिथक को बदलने का प्रयास करेगी। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि इस बार दक्षिण अफ्रीका को हराना आसान नहीं होगा। वहीं जब नीदरलैंड्स के हाथों दक्षिण अफ्रीका की हार की बात कही गयी तो इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा , 'देखिए, क्रिकेट के खेल का यही तो मजा है। कब कैसे पारी पलट जाती है। कभी ऊपर- कभी नीचे. कभी आगे-कभी पीछे। पांच-पांच ओवर में खेल इधर से उधर हो जाता है। इस वर्ल्ड कप में हमने देखा है कि कई उलटफेर हुए हैं पर जो अच्छी टीम होती है। जिस टीम में विश्वास होता है वह वापसी करती है। दक्षिण अफ्रीका के अलावा पांच बार की विजेता ऑस्ट्रेलिया ने वापसी की है।' इससे साफ है कि इन टीमों का प्रदर्शन अच्छा रहा है। विश्वकप में इस बार अफ्रीकी टीम ने काफी रन बनाये हैं। यहां तक कि उसने एकदिवसीय में चार सौ से अधिक रनों का रिकार्ड भी बनाया है।

न्यूज ब्रीफ

मिचेल मार्श विश्वकप बीच में ही दौरा छोड़कर ऑस्ट्रेलिया लौटे, इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले कमी खलेगी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मिचेल मार्श पारिवारिक कारणों से आईसीसी एकदिवसीय विश्वकप

क्रिकेट टूर्नामेंट को बीच में ही छोड़कर स्वदेश लौट गये हैं। मार्श के वापस जाने के पक्के कारणों का पता अभी नहीं चला है पर उनके जाने से ऑस्ट्रेलियाई टीम को झटका जरुर लगा है। ऐसे में अब ऑस्ट्रेलियाई टीम को शनिवार को अहमदाबाद में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले मुकाबले में उनके बिना ही उतरना होगा। वहीं इससे पहले गोल्फ डे के दौरान ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल भी चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हो गये थे। ऐसे में अब ऑस्ट्रेलियाई टीम को अपने दो अहम खिलाड़ियों के बिना उतरना होगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा है कि मार्श ने बुधवार रात को वापसी की थी। इस बयान में कहा गया, मार्श व्यक्तिगत कारणों से कल देर रात आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 से स्वदेश लौट आए हैं। टीम में उनकी वापसी की समयसीमा की जानकारी अभी नहीं है। इस समय अभी ज्यादा जानकारी नहीं है। वहीं मार्कस स्टोइनिस के पिंडली की चोट से उबरने की संभावना है। ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ उनकी वापसी हो सकती है। वह नीदरलैंड्स और न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले दो मैचों में शामिल नहीं थे। इसके अलावा कैमरून ग्रीन और मार्नस लाबुशेन के भी खेलने की उम्मीद है।

मैक्सवेल चोटिल होने के कारण इंग्लैंड के खिलाफ मैच से बाहर हुए

अहमदाबाद। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल को गोल्फ कार्ट से गिरने के कारण चोट लगी है। इससे वह इंग्लैंड के खिलाफ 4 नवंबर को होने वाले विश्व कप मुकाबले से बाहर हो जाएंगे। टीम के मुख्य कोच एंड्रयू डोनाल्ड ने कहा कि क्लब हाउस से टीम बस की ओर लौटते समय मैक्सवेल कार्ट के पीछे से उतरने के दौरान चोटिल हो गये। उनके सिर में चोट लगी है। ऐसे में उसे सिर की चोट के लिए होने वाली (कनकशन जांच) से गुजरना होगा इसके बाद ही वह टीम में वापसी कर पायेंगे। वहीं टीम के कोच ने कहा कि उनके विकल्प की जरूरत नहीं है। उसे 6 से 8 दिन कनकशन प्रोटोकॉल से गुजरना है। इस कारण वह इंग्लैंड के खिलाफ नहीं खेल पाएगा। मैक्सवेल का बाहर होना टीम के लिए करारा झटका है क्योंकि वह स्पिनर एडम जम्पा के साथ स्पिन आक्रमण की कमान संभालते हैं। इसके अलावा वह मध्यक्रम में आक्रामक बल्लेबाजी भी करते हैं।

इयोन मोर्गन ने इंग्लैंड का कोच बनने की अफवाहों को किया खारिज

पुणे। 2019 विश्व कप विजेता कप्तान इयोन मोर्गन ने सफेद गेंद वाले क्रिकेट में इंग्लैंड का कोच बनने की

अफवाहों को खारिज कर दिया है। टीम के वर्तमान कोच मैथ्यू मॉट पर अपनी भूमिका पर बने रहने का दबाव है, क्योंकि इंग्लैंड छह में से पांच मैच हार चुका है और अंक तालिका में सबसे नीचे है। इयोन मोर्गन ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, चेंजिंग रूम में कप्तान या कोच या कोई भी खिलाड़ी यह नहीं बता सकता कि वे किस स्थिति में हैं। लेकिन मैं बहुत खुश हूं और जानता हूं कि मैं भविष्य में क्या करने जा रहा हूं। अब मैं अपने युवा परिवार के साथ घर पर ज्यादा समय बिता रहा हूं, जो बहुत अच्छा है और मुझे ऐसा करना बहुत पसंद है। पूर्व बाएं हाथ के बल्लेबाज का यह भी मानना है कि टीम के शीर्ष पर मॉट जैसे लोगों की जगह लेना एक बुरा विचार है और पिछले संस्करणों में इंग्लैंड के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें सफेद गेंद वाली टीम में चीजों को सही करने के लिए समय दिया जाना चाहिए। इयोन मोर्गन ने कहा, इंग्लैंड दो बार विश्व चैंपियन रही है, वे किसी भी तरह से खराब टीम नहीं हैं। मैथ्यू मॉट इस समय अपने इंग्लैंड कोचिंग करियर की सबसे बड़ी चुनौती से गुजर रहे हैं और यह एक ऐसी चुनौती है जिसे ठीक करने के लिए उन्हें समय दिया जाना चाहिए। इंग्लैंड 2023 विश्व कप में शनिवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में चिर प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक्शन में दिखाई देगा।

पीकेएल सीजन 10 के लिए उत्साहित हैं हार्दिक पांड्या

नई दिल्ली। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या कबड्डी के प्रति अपने प्यार को बयां और फैंस को प्रो कबड्डी लीग सीजन 10 के उत्साह में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) 2 दिसंबर को अहमदाबाद में शुरू होने वाला है। स्टार स्पोर्ट्स द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में हार्दिक पांड्या अपने अंदर के कबड्डी प्रशंसक को उजागर करते हुए आगामी पीकेएल सीज़न के लिए अपना उत्साह व्यक्त करते नजर आए। हार्दिक ने कहा, उनका दिल क्रिकेट के लिए धड़कता है लेकिन उनकी सांसें कबड्डी से चलती हैं। पीकेएल का दसवां सीज़न गुजरात जायंट्स और तेलुगु टाइटंस के बीच मुकाबले के साथ शुरू होगा।

भारत 302 रन से जीतकर सेमीफाइनल में पहुंचा

वर्ल्ड कप में टीम की सबसे बड़ी जीत श्रीलंका को हराया ; शमी को 5 विकेट

मुंबई।
शानदार फॉर्म में चल रही टीम इंडिया ने वर्ल्ड कप में श्रीलंका को 302 रन से हरा दिया। यह वर्ल्ड कप इतिहास में भारत की सबसे बड़ी जीत है। भारत ने अपना 16 साल पुराना रिकॉर्ड बेहतर किया। टीम ने 2007 में बरमुडा को 257 रन से हराया था। भारत ने इस वर्ल्ड कप में लगातार 7वां मैच जीतकर सेमीफाइनल में सबसे पहले जगह पक्की की। टीम के 7 मैचों में 14 अंक हो गए और टीम पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 8 विकेट पर 357 रन बनाए। मौजूदा सीजन में यह टीम का बेस्ट स्कोर है। दूसरी पारी में भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका को 19.4 ओवर में 55 रन पर ऑल आउट कर दिया। टीम इंडिया से मोहम्मद शमी ने 5, मोहम्मद सिराज ने 3 और जसप्रीत बुमराह ने 1 विकेट लिए। एक विकेट स्पिनर रवींद्र जडेजा को मिला। इनसे पहले शुभमन गिल (92 बॉल पर 92 रन), विराट कोहली (94 बॉल पर 88 रन) और श्रेयस अय्यर (56 बॉल पर 82 रन) शतक बनाने से चूक गए।

भारत का इस वर्ल्ड कप में सबसे स्कोर – टॉस हार कर बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया ने इस वर्ल्ड कप में पहली बार 350+ का स्कोर खड़ा किया। टीम ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 357 रन बनाए। भारत से शुभमन गिल ने 92, विराट कोहली ने 88 और श्रेयस अय्यर ने 82 रन बनाए। श्रीलंका से दिलशान मदुशंका ने 5 विकेट झटके। वहीं दुष्मंथा चमीरा को एक विकेट मिला।

आखिरी 20 ओवर में भारत ने 164 रन बनाए – गिल 30वें ओवर में 92 रन बनाकर आउट हुए। उनके बाद कोहली भी 88 रन बनाकर आउट हो गए। यहां से केएल राहुल और श्रेयस अय्यर ने पारी संभाली, दोनों ने 60 रन की पार्टनरशिप कर टीम का स्कोर 250 के पार पहुंचाया। राहुल 21 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन श्रेयस ने महज 56 गेंद पर 82 रन बना दिए। उनके स्कोर की बदौलत टीम ने आखिरी 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 164 रन बना लिए। पावरप्ले-1 में संभली हुई शुरुआत के बाद कोहली और गिल की जोड़ी ने भारतीय पारी को 100 रन के पार पहुंचाया। दोनों ने खराब गेंदों पर अच्छे शॉट्स जमाए। पहले कोहली फिर गिल ने अपनी फिफ्टी पूरी की। कोहली ने 70वीं और गिल ने वनडे करियर की 11वीं फिफ्टी पूरी की। गिल और कोहली के बीच दूसरे विकेट के लिए 179 बॉल पर 189 रन की साझेदारी हुई। इस साझेदारी को दिलशान मदुशंका ने 30वें ओवर की आखिरी बॉल तोड़ा, उन्होंने गिल को स्लोअर बाउंसर पर विकेटकीपर कुसल मेंडिस के हाथों कैच कराया। 11 से 30 ओवर के बीच के भारतीय टीम ने एक विकेट खोकर 133 रन बनाए। 30 ओवर के बाद टीम इंडिया का स्कोर 193/2 रहा।

भारत-श्रीलंका मैच के रोचक फैक्ट और रिकॉर्ड – कोहली ने श्रीलंका के खिलाफ 4018 इंटरनेशनल रन बना लिए हैं। वे श्रीलंका के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में दूसरे नंबर पर हैं। सचिन तेंदुलकर 5108 रन बनाकर टॉप पर हैं। कोहली ने वर्ल्ड कप में 13वीं बार 50+ स्कोर बनाया है। कोहली वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर करने वाले नॉन-ओपनर बने। ओवरऑल फिफ्टी प्लस स्कोर में वह दूसरे नंबर पर हैं। उनसे ज्यादा सचिन तेंदुलकर ने ही 21 बार 50+ स्कोर बनाया। यह कोहली का इस वर्ल्ड कप में 5वां फिफ्टी प्लस स्कोर रहा, उनके नाम एक सेंचुरी भी है। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ वनडे में 12वीं फिफ्टी जमाई। विराट कोहली एशिया में सबसे तेज 8 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने 159 पारियों में यह कारनामा किया। कोहली सचिन तेंदुलकर (188 पारी), कुमार संगकारा (213 पारी) और सनथ जयसूर्या (254 पारी) से आगे निकले। कोहली ने 2023 में एक हजार से ज्यादा वनडे रन बना लिए। उन्होंने 8वीं बार एक साल में 1000 से ज्यादा वनडे रन बनाए। वे सबसे ज्यादा बार एक साल में हजार से ज्यादा रन बनाने वाले बैटर बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। तेंदुलकर ने 7 बार एक साल में एक हजार से ज्यादा वनडे रन बनाए थे।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, रवींद्र जड़ेजा, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज।

श्रीलंका : कुसल मेंडिस (कप्तान और विकेटकीपर), पथुम निसांका, दिमुथ करुणारत्ने, सदीरा समरविक्रमा, चरिथ असलंका, एंजलो मैथ्यूज, दुषन हेमंथ, महीश तीक्षणा, कसुन रजिथा, दुष्मंथा चमीरा और दिलशान मदुशंका।

डिकॉक विश्वकप में सबसे अधिक शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने, विराट, रूट और रिचर्ड्स को पीछे छोड़ा

पुणे।
दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट मुकाबले में शतक लगाने के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। डिकॉक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 114 रन बनाने के साथ ही अपना चौथा शतक लगाया। इसके साथ ही वह विश्वकप में सबसे अधिक शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गये हैं। उन्होंने विश्व कप में सबसे अधिक शतक के विराट कोहली, जो रूट, विवियन रिचर्ड्स के रिकार्ड तोड़ दिये। अब विश्वकप में सबसे अधिक शतक के मामले में उनके आगे केवल रोहित शर्मा है। इस शतक के साथ ही डिकॉक विश्व कप 2023 में 500 से अधिक रन बनाने पहले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस विश्वकप कप के 7 मैच में 77.85 की औसत और 112.60 की स्ट्राइक रेट से 545 रन बनाए हैं। इसमें 4 शतक शामिल हैं। वहीं आईसीसी एकदिवसीय विश्वकप के एक सत्र में सबसे अधिक शतक लगाने का रिकॉर्ड रोहित के नाम है। रोहित ने 2019 विश्वकप में 5 शतक लगाए थे। क्विंटन डिकॉक ने अब तक विश्वकप कप 2023 में 4 शतक लगाये हैं। वहीं अगर डिकॉक एक और शतक लगाते हैं तो वे रोहित शर्मा के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे।

राष्ट्रीय खेलों में 14 साल की धीनिधि ने जीता चौथा स्वर्ण, साजन प्रकाश ने जीता सोना

नई दिल्ली। कर्नाटक की 14 साल की तैराक धीनिधि देसिंघु ने बुधवार को पणजी राष्ट्रीय खेलों में चार गुणा 200 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत लिया। यह उनका राष्ट्रीय खेलों 2023 में चौथा स्वर्ण पदक है। ओलंपियन साजन प्रकाश ने गेम्स रिकॉर्ड के साथ 200 मीटर बटरफ्लाई में शीर्ष स्थान हासिल करते हुए स्वर्ण जीता। उन्होंने दूसरा स्वर्ण जीता और 1: 59.38 सेकंड का समय निकाला। सर्विसेज के एसपी लिकिथ ने पुरुषों के 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में 28.71 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण अपने नाम किया।

आयरलैंड क्रिकेट बोर्ड ने सीमित ओवरों और टेस्ट के लिए बनाये अलग-अलग कप्तान

डबलिन।
आयरलैंड क्रिकेट बोर्ड ने एक अहम बदलाव करते हुए ऑलराउंडर पॉल स्टर्लिंग को सीमित ओवरों जबकि एंड्रयू बालबर्नी को टेस्ट प्रारूप के लिए कप्तान बनाया है। स्टर्लिंग ने अब तक के करियर के दौरान सभी प्रारूपों में 11,756 रन बनाए हैं। वह आयरलैंड की ओर से अब तक के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। वह तीनों प्रारूपों में शतक बनाने वाले केवल 25 क्रिकेटरों में से एक हैं।

कप्तानी मिलने पर स्टर्लिंग ने कहा कि आयरलैंड के लिए खेलना हमेशा मेरे लिए गर्व का विषय रहा है और स्थायी सफेद गेंद के कप्तान के रूप में पुष्टि होना एक ऐसी मान्यता है जिसे मैं हल्के में नहीं लेता। अब हमारा ध्यान अगले 4 वर्षों में संभावित रूप से तीन विश्व कप पर है। स्टर्लिंग ने कहा कि मैंने हाल ही में कहा था कि एकदिवसीय क्रिकेट मेरा पसंदीदा प्रारूप है, और जब 50 ओवर का विश्व कप चल रहा है तो उसे देखना वास्तव में मेरे लिए यह सुनिश्चित करने के लिए एक महान प्रेरक रहा है कि हम 2027 में अगले आयोजन में वहां मौजूद रहेंगे। मैं इस इच्छा को जानता हूं पूरी टीम में यह एक आम भावना है, और इसलिए हम दिसंबर में होने वाली अगली श्रृंखला में इस अभियान का उपयोग करने की कोशिश करेंगे। हम यह भी मानते हैं कि अगले टी20 विश्व कप में अब केवल आठ महीने हैं, इसलिए समय ठीक है। हमारी तैयारी शुरू हो गई है। वहीं राष्ट्रीय चयनकर्ता एंड्रयू व्हाइट ने कहा कि हमें खुशी है कि स्टर्लिंग) ने इस भूमिका को स्वीकार कर लिया है।

बाबर स्पिनरों के खिलाफ स्वीप शॉट लगायें : रमीज

लाहौर।
पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर रमीज राजा ने कहा है कि पाक टीम के कप्तान बाबर आजम को बल्लेबाजी के दौरान स्पिनरों से सावधान रहने की जरूरत है। रमीज के अनुसार पारी की शुरुआत में जब भी स्पिनर आते हैं तब बाबर संघर्ष करते दिखे हैं। रमीज के अनुसार मेरा मानना है कि उन्हें स्पिनरों के खिलाफ स्वीप शॉट खेलना चाहिये। साथ ही शतक लगाने का प्रयास करना चाहिये। इससे वह लय हासिल कर लेंगे। आईसीसी विश्व कप 2023 के अब तक सात मैचों में बाबर ने 30.85 की औसत से 216 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। अब तक पिछली सात पारियों में उन्हें स्पिनरों कॉलिन एकरमैन, मेहदी हसन मिराज, नूर अहमद, तबरेज़ शम्सी और एडम ज़म्पा ने आउट किया था।

रमीज के अनुसार बाबर को घूमती हुई ट्रैक पर स्पिनरों का मुकाबला करने के लिए स्वीप शॉट खेलने की जरुरत है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, स्पिन के खिलाफ वह उतना तेजी से नहीं खेलता दिखता जितना वह तब होता है जब वह तेज गेंदबाजी खेल रहा होता है। मुझे नहीं पता कि यह

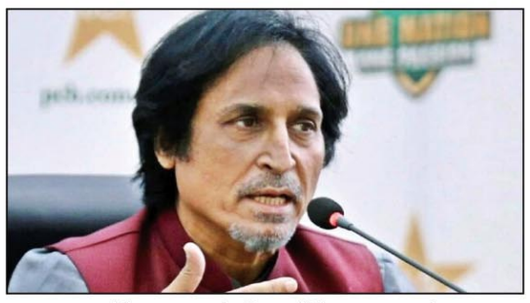

उसका फुटवर्क है या यह उसके दिमाग में है, या क्या उसके पास बहुत अधिक विकल्प नहीं हैं क्योंकि वह स्वीप शॉट नहीं खेलता है। धीमी पिचों पर आपको स्वीप शॉट खेलने की जरूरत होती है। बाबर का स्पिनरों के खिलाफ संघर्ष से टीम को भी नुकसान हुआ है। रमीज़ को लगता है कि इस तरह से आउट होने से बल्लेबाज के मनोबल में कमी आती है। उन्होंने कहा, जब भी वह आक्रामक रहा है, वह आउट भी हुआ है। अफगानिस्तान के खिलाफ उन्होंने जोरदार छक्का लगाया और फिर गलत समय पर आउट हो गए। रमीज ने कहा, उसे बस शतक तक पहुंचने के लिए मेहनत करने की ज़रूरत है जहां वह गति, स्पिन का सामना करता है और अपनी भूमिका के बारे में सहज महसूस करता है। वह पूरी तरह से लय से बाहर नहीं है पर जब भी वह स्पिन के खिलाफ अपनी पारी शुरू करता है, तो वह थोड़ा परेशान सा नजर आता है।

विंबलडन फाइनल जाबौर ने वोंद्रोसोवा को 6-4 से हराकर विंबलडन हार का बदला लिया

पुणे।
विंबलडन फाइनल के रीमैच में, ओन्स जाबौर ने डब्ल्यूटीए फाइनल में राउंड-रॉबिन मैच में नंबर 6 मार्केटा वोंद्रोसोवा को 6-4, 6-3 से हराया। जाबौर की सीधे सेटों में जीत ने उसे चेतुमल ग्रुप में 1-1 की बराबरी पर पहुंचा दिया और विंबलडन चैंपियन वोंद्रोसोवा को 0-2 से पीछे कर दिया। डब्ल्यूटीए टूर की रिपोर्ट के अनुसार, नंबर 2 इगा स्वीयाटेक की नंबर 3 कोको गॉफ पर सीधे सेटों में जीत का मतलब है कि ग्रुप मैचों के अंतिम दिन तक ग्रुप संतुलन में रहेगा।

2-0 के रिकॉर्ड के साथ, स्वीयाटेक ग्रुप जीतने और सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने

के लिए शीर्ष स्थान पर है। गॉफ़ और जाबौर समूह में 1-1 के साथ दूसरे स्थान पर हैं और वोंद्रोसोवा, 0-2 के साथ सबसे नीचे हैं। जाबौर का मुकाबला शुक्रवार को स्वीयाटेक से होगा। दोनों ने 2022 यूएस ओपन फाइनल के बाद से एक भी पूरा मैच नहीं खेला है, जिसे स्वीयाटेक ने 6-2, 7-6(5) से जीता था।

जाबौर ने स्वीयाटेक के खिलाफ अपने अगले मैच के बारे में कहा, इगा एक बहुत ही चालाक खिलाड़ी है और वह जानती है कि इन परिस्थितियों से कैसे सामंजस्य बिठाना है। मैं इस मैच का आनंद लेने की कोशिश करुँगी। स्वतंत्र रूप से खेलने की कोशिश करें। मेरे अंदर जो गुस्सा है उसे कुछ हद तक दूर करने की कोशिश करें और सर्वश्रेष्ठ की आशा करें। यह निश्चित रूप से एक आसान मैच नहीं होगा, लेकिन मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करुँगी।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम 11वें सुल्तान जोहोर कप के सेमीफाइनल में जर्मनी से भिड़ेगी

मलेशिया। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम शुक्रवार को 11वें सुल्तान जोहोर कप 2023 के सेमीफाइनल में विश्व नंबर 2 जर्मनी के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार है। मौजूदा चैंपियन भारत ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया और अजेय रही है। अपने पड़ोसी प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ अपने पहले मैच में भारत 3-3 से रोमांचक ड्रॉ हासिल करने में सफल रहा। मैच के बारे में बात करते हुए भारत के कप्तान उत्तम ने कहा कि इसने टीम को बाकी प्रतियोगिता के लिए अच्छी स्थिति में ला दिया है। कप्तान ने कहा, शुरुआती मैच में पांच मिनट बचे

थे, हम 3-2 से पीछे थे और हमने आखिरी कुछ मिनटों में अपना सब कुछ देने और सर्कल में डिफेंडरों के साथ एक-एक करने और फायदा उठाने की कोशिश करने का मन बना लिया था। फिर, आखिरकार हमारे प्रयास रंग लाए और हमने गोल दागा और एक अंक बचा लिया। इस नतीजे ने टीम को अच्छी स्थिति में ला दिया है, खासकर हमारे आत्मविश्वास के मामले में। तब से भारत ने मलेशिया को 3-1 से और न्यूजीलैंड को 6-2 से हराकर पूल बी में टेबल टॉपर के रूप में स्थान हासिल किया और जर्मनी के साथ सेमीफाइनल मुकाबला तय किया। आखिरी बार उनका सामना जर्मनी से अगस्त में 4 देशों के टूर्नामेंट अंडर-21 में हुआ था, जहां वे अपने दोनों मैच 6-1 और 3-2 के अंतर से हार गए थे।

सफलता की होड़ में उधड़ते मानवीय रिश्ते

पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव ने हमारे देश में भौतिकवाद को प्रोत्साहन दिया है और अब तो पढ़े लिखे हों या नहीं सभी सुख-सुविधाओं के जाल में फंसते जा रहे हैं। भारतीय अध्यात्म ज्ञान के बारे में जानते सभी हैं पर उसे धारण करना लोगों को अब पिछड़ापन दिखाई देता है। नतीजा यह है कि समाज में आपसी रिश्ते एक औपचारिकता बनकर रह गए हैं।

सिर्फ सांसारिक शिक्षा काफी नहीं

अक्सर अनेक लोग शिकायत करते हैं कि उनके बच्चे उनसे दूर हो रहे हैं अथवा उनकी देखभाल नहीं करते। इसके दो कारण होते हैं एक तो यह कि नए सामाजिक परिवेश से तालमेल न बिठा पाने के कारण लोग अपने माता-पिता को त्याग देते हैं या फिर वह व्यवसाय के सिलिसले में उनसे दूर हो जाते हैं। दोनों ही स्थितियों का विश्लेषण करने पर अनुभव होगा कि आधुनिक युग के समस्त माता-पिता अपने बच्चों से यह अपेक्षा करते हैं कि वह इस मायावी दुनिया में उच्च से उच्च पद प्राप्त कर, अधिक से अधिक धनार्जन करें और भरपूर मान प्रतिष्ठा की दुनिया में चमककर उनका व अपना नाम रोशन करें। लोग बच्चों की कामयाबी के सपने देखते हैं और केवल सांसारिक शिक्षा तक ही अपने बच्चों को सीमित रखते हैं। किसी तरह अपना पेट पालो यही सिखाते हुए वह ऐसा अनुभव करते हैं कि जैसे कि वह दुनियां का कोई विशेष ज्ञान दे रहे हैं। यह तो एक सामान्य चतुराई है, जिसे सब जानते हैं।

सभी सुविधाओं के बाद भी अशांत रहता है मन

यह उन माता-पिता का भ्रम है कि शिक्षा तो सभी स्वतः ही प्राप्त करते हैं पर जिन बच्चों को उनके माता-पिता इसके साथ ही अध्यात्म ज्ञान, ईश्वर भक्ति और परोपकार करना सिखाते हैं वह अधिक योग्य निकलते हैं। जब तक आदमी के मन में अध्यात्म का ज्ञान नहीं होगा, तब तक वह न तो स्वयं कभी प्रसन्न रह पाता है और न ही दूसरों को प्रसन्न करता है। आज समस्त सुख सुविधाएं होने के बावजूद भी बहुत सभी लोगों का मन अशांत रहता है, क्योंकि मानव को परमात्मा के ज्ञान का प्रत्यक्ष बोधकर शांति, सत्य, अहिंसा एवं निःस्वार्थ प्रेम का वातावरण स्थापित करने का समय नहीं है। वह तो पैसे कमाने और सफलता की दौड़ में सबसे आगे निकलना चाहते हैं। मनुष्य जीवन में भक्ति और ज्ञान प्राप्त करने की सुविधा मिलती है पर उसका उपयोग नहीं कर हम उसे ऐसे ही नष्ट कर डालते हैं। ऐसे में वह ज्ञानी धन्य है जो दाल-रोटी खाकर पेट भरते हुए भगवान भजन और ज्ञान प्राप्त करने के लिए समय निकालते हैं।

पश्चिमी देशों में नीले रंग को युवा लड़कों से जोड़कर देखा जाता है। भौतिक और भौगोलिक क्षेत्र में रंग सबसे सुंदर पहलुओं में से एक हैं। हम चारों तरफ रंगों से घिरे हुए हैं, लेकिन कितनी बार हम असंख्य रंगों में कई बारीकियों को नहीं देख पाते हैं। नीले रंग को हमारे यहां भी खास महत्व दिया गया है। रंगों की रहस्यमय रंगीन दुनिया को जानने के लिए वैज्ञानिक और दार्शनिक हमेशा से ही जिज्ञासु रहे हैं। हाल के दिनों में इस पर बहुत काम हुआ है। हाल ही में हुई रिसर्च में कहा गया है कि अगर आपको तुरंत निर्णय लेने में दिक्कत आती है तो आपको ब्लू लाइट में बैठना चाहिए।

युवाओं का नीला रंग...

रंगों का अपना चमत्कार होता है। उसका शरीर मन और भावना के स्तर पर बहुत प्रभाव होता है। जैसा कि हम सब जानते है कि जीवन पर सूर्य की किरणों का गहरा असर होता है, वैसे ही रंगों का भी असर होता है। वह भी तो प्रकाश ही है। आप स्वयं अनुभव करेंगे कि जिस दिन आकाश बादलों से घिरा रहता है तब अग्नि मंद हो जाती है, शरीर सुस्ताने लग जाता है। धूप होती है, तो आदमी में स्फूर्ति होती है, सूरज के ताप का और प्रकाश का हमारे शरीर पर प्रभाव होता है, वैसे ही रंगों का प्रभाव भी हमारे शरीर और मन पर होता है। वर्तमान में रंगों पर बड़ा महत्वपूर्ण काम हुआ है, अनेक प्रयोग और तथ्य सामने आए हैं। अगर आपको तुरंत निर्णय लेने में दिक्कत आती है तो आपको ब्लू लाइट में बैठना चाहिए। यह बात एक रिसर्च में सामने आई है। छोटी अवधि के लिए नीले रंग की रोशनी से संपर्क आपको कठिन निर्णय लेने में मदद कर सकता है। नीले रंग के प्रकाश में 40 मिनट तक रहने के बाद आप कठिन निर्णय तीव्रता के साथ ले सकते हैं। यूनवर्सिटी ऑफ एरिजोना में इस अध्ययन के शोधकर्ताओं के मुताबिक पिछले अध्ययनों में केवल प्रकाश में रहने की अवधि के दौरान उसके प्रभाव पर ध्यान केंद्रित किया गया था, लेकिन यह अध्ययन बताता है कि नीले रंग के प्रकाश के आवरण के लाभकारी प्रभाव 40 मिनट बाद भी रहते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना के अध्ययन के निष्कर्षों के मुताबिक, आधा घंटे के लिए नीले रंग की रोशनी में एक छोटी अवधि का संपर्क अधिक महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया देने के समय में औसत दर्जे का परिवर्तन करने के लिए पर्याप्त है। यह सुधार सीधे तौर पर प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स की सक्रियता में औसत दर्जे के परिवर्तन के साथ जुड़े हैं। नीलापन युक्त सफेद रोशनी कई व्यावसायिक क्षेत्रों जैसे पायलट काकपिट, ऑपरेशन कक्ष और सैन्य कार्यों में काफी इस्तेमाल की जाती है, जहां त्वरित निर्णय लेना महत्वपूर्ण है।

नीले रंग की खूबियां

नीला रंग अपनी विशेष खूबियों के कारण काफी महत्व रखता है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए हम तमाम जतन करते हैं। इस मामले में रंग भी हमारी सहायता करते हैं, क्योंकि इनका संबंध स्वास्थ्य, समृद्धि और खुशियों से होता है। नीला रंग आध्यात्मिकता, अंतर्ज्ञान, प्रेरणा और आंतरिक शांति का रंग है। नीले रंग के उपचार में दोनों शारीरिक और मानसिक रूप से, ठंडा और तसल्ली के लिए प्रयोग किया जाता है। नीले रंग के प्रयोग से शांति का अनुभव होता है। नीले रंग का ध्यान करने से शांति मिलती है। इसी तरह बैंगनी रंग शक्ति के साथ सांसारिक और आध्यात्मिक दोनों जुड़ा हुआ है।

नीले रंग के लाभ

फेंगशुई में नीले रंग को प्रगति और सकारात्मक परिवर्तन का रंग बताया गया है। इसका उचित तरीके से प्रयोग किया जाए तो यह घर और उसमें रहने वाले सदस्यों को स्वास्थ्य लाभ कराता है, चिंता से मुक्ति देता है और आर्थिक व बौद्धिक प्रगति प्रदान करता है। नीला रंग जल तत्व का प्रतिनिधित्व करता है। इसलिए जल तत्व के सारे गुण इसमें समाहित हैं। नीला रंग पानी की ही तरह चंचल, गतिमान और जीवनदायिनी शक्ति प्रदान करता है। फेंगशुई कहता है कि अगर अपने आसपास के वातावरण में नीले रंग का प्रयोग किया जाए तो यह आपकी इच्छापूर्ति में मदद करता है। यह आपके ठहरे हुए व्यवसाय, करियर या निजी संबंधों को फिर से गति प्रदान करने में सहायक होता है।

ताजे विचार

हल्का नीला रंग उन लोगों के लिए विशेष लाभदायक हो सकता है, जो सृजनात्मक कार्यों से जुड़े हैं। यह रंग ताजा विचारों को प्रोत्साहित करता है। सीखने के इच्छुक लोगों को भी यह रंग अपेक्षित लाभ प्रदान करता है। गहरा नीला रंग शयनकक्ष के लिए उपयुक्त रंग माना जाता है। शयनकक्ष में गहरा नीला रंग तनावमुक्त, गहरी और सुकूनभरी नींद प्रदान करता है। इस रंग की एक और खासियत है कि यह ब्लड प्रेशर के मरीजों को स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। नीला रंग ब्लड प्रेशर को सामान्य रखने में मददगार होता है। ऐसा माना जाता है कि रंगों का जन्म लगभग 2000 ईसा पूर्व हुआ। धीरे-धीरे रंगों की छटा पूरे विश्व में फैल गयी। भारत में प्रारंभिक काल से ही रंगों का विशेष महत्व रहा है। मोहन जोदड़ों एव हड़प्पा की खुदाई में सिंधु घाटी सभ्यता में रंगीन बर्तन एवं मूर्तियां पाई गई।

मिस्र में नीला रंग

प्राचीन मिस्र में रंगो का उपयोग 'उपचार रंग' के रूप में भी किया गया। मिस्र निवासी सूर्य की उपासना किया करते थे। उनका मानना था कि सूर्य के प्रकाश के बिना जीवन असंभव है। उन्होंने प्रकृति के रंगों के मुताबिक ही अपने मंदिरों को भी रंगा था। नीले आसमानी रंग से उनको काफी लगाव था। इनके कक्ष भी विभिन्न रंगों से सजे होते थे। आधुनिक चिकित्सा पद्धति को प्राचीन प्रकाश चिकित्सा से जोड़ कर देखा गया। रंगों की रहस्यमय रंगीन दुनिया को जानने के लिए वैज्ञानिक और दार्शनिक हमेशा से ही जिज्ञासु रहे। इसका सटीक अध्ययन सबसे पहले न्यूटन ने किया। उन्होंने यह कहकर सनसनी फैला दी कि रंग एक नहीं सात होते हैं। इसको प्रमाणित करने के लिए उन्होंने एक प्रयोग किया जिसमें एक अंधेरे कमरे में छोटे से छेद द्वारा सूर्य का प्रकाश आता था। यह प्रकाश एक प्रिज्म कांच द्वारा अपवर्तित होकर सफेद पर्दे पर पड़ता था। पर्दे पर सफेद प्रकाश के स्थान पर इद्रधनुष के सात रंग दिखाई दिए। ये रंग लाल, नारंगी, पीला, हरा, आसमानी, नीला तथा बैंगनी हैं। जब न्यूटन ने प्रकाश के मार्ग में एक और प्रिज्म पहले प्रिज्म से उलटा रखा, तो इन सात रंगों का प्रकाश मिलकर पुनः सफेद रंग प्रकाश बन गया। इन्हीं सात रंगों को इन्द्रधनुष नाम से जाना जाता है। सौ साल पहले पश्चिम में औद्योगिकरण की क्रांति ने कपड़ा उद्योग को तेजी से रफ्तार दी। जिससे रंगो की मांग बढ़ गई। प्राकृतिक रंगों के साधन भी सीमित थे। मांग और पूर्ति के आकड़े को देखते हुए कृत्रिम रंगो की खोज शुरू हुई। उन्हीं दिनों रॉयल कालेज ऑफ केमिस्ट्री, लंदन में विलियम पार्कीसन एनीलीन से मलेरिया की दवा कुनैन बनाने में जुटे हुए थे। कई प्रयोगो के बाद कुनैन तो बना नहीं लेकिन बैंगनी रंग जरूर बन गया। 1856 ई. में संयोगवश तैयार हुए इस रंग को मोव कहा गया। इस क्रम में 1860 में रानी रंग, 1862 में एनलोन नीला और काला 1865 में विस्माई भूरा, 1880 ई में सूती काला जैसे रासायनिक रंग उत्पन्न हुए। शुरुआत में यह रंग तारकोल की सहायता से बनाये जाते थे बाद में रासायनिक पदार्थो का प्रयोग किया जाने लगा। जर्मन रसायनशास्त्री एडोल्फ फोन ने 1865 में तमाम असफलताओं से जूझते हुए नील बनाने में सफलता प्राप्त की। जिसके लिए उन्हें 1905 ई. में नोबल पुरुस्कार से सम्मानित किया गया।

स्मार्ट लुक पाने के लिए चुनें सही चश्मा...

आजकल हर लड़के को चश्मा पहनना पसंद होता है। मार्केट में कई डिजाइन में चश्मे मिल जाते हैं, जो आपको स्मार्ट दिखने में मदद कर सकते हैं। वैसे अगर आप एक सही चश्मे का प्रयोग करते हैं तो उससे आप केवल स्मार्ट ही नहीं लगेंगे बल्कि इससे आपके अन्दर आत्मविश्वास भी आएगा। आप जब भी चश्मा लें तो पहले यह जरूर देख लें कि आपके चेहरे का आकार कैसा है। ज्यादातर चेहरे चार आकार के होते हैं। गोल, आयताकार, ओवल और हार्ट या डायमंड आकार। अगर आप अपने चेहरे के आकार को ध्यान में रख कर चश्मा लेते हैं तो आपको ज्यादा परेशानी नहीं होगी और आप अपने लिए एक सही चश्मे का चुनाव कर सकेंगे। अपने चेहरे के आकार के साथ-साथ आपको इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि आप जो चश्मा ले रहे हैं वो कहीं आपके चेहरे से बड़ा तो नहीं है। अगर आपका चेहरा छोटा है और आप हर समय चश्मा पहने रखते हैं तो हो सकता है बड़े चश्मे आपके चेहरे पर अच्छे न लगें, लेकिन ऐसा नहीं है कि बड़े चश्मे आपके चेहरे पर अच्छे नहीं लगेंगे। आप चाहें तो कभी-कभी अपने लुक में बदलाव करने के लिए बड़े चश्मों का भी प्रयोग कर सकते हैं।

ऑफिस में बने रहें मिस्टर कूल...

ऑफिस में काम करते समय कई बार लोगों को किसी भी बात पर गुस्सा आ जाता है। किसी भी कारण तनाव का माहौल बन जाता है। काम के चलते कुछ न कुछ स्ट्रेस हो जाता है। ऑफिस में अपने डेस्क पर एक छोटे गमले पर हरा पौधा रखें। विशेषज्ञों का मानना है कि हरा पौधा देखने से मन को शांति मिलती है। एक छोटा हरा पौधा आपके चारों तरफ के माहौल में शांति फैलाता है। जब भी ऑफिस में आपको किसी बात पर गुस्सा आए या फिर काफी थकावट महसूस हो इस हरे पौधे की तरफ देखें एवं अच्छा सोचें। ऑफिस में काम को लेकर आए गुस्से पर काबू पाने के लिए अपनी कुर्सी से उठकर आसपास कुछ देर के लिए टहलें। ऐसा करने से काम से होने वाला स्ट्रेस दूर होता है। मांसपेशियां फैलती हैं और मन में पॉजिटिव विचार आते हैं। काम के फ्रस्टेशन को दूर करने के लिए अपनी कुर्सी पर बैठकर या फिर खड़े होकर आप अपनी बॉडी को स्ट्रेच करें। इसके अलावा आप कुछ हल्की एक्सरसाइज का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। ऑफिस में काम के बीच-बीच में ड्राइ फ्रूट्स खाने से काम से होने वाला स्ट्रेस कम होता है। साथ ही गुस्सा आने पर ड्राइ फ्रूट्स खाने से मेंटल प्रेशर कम होता है और गुस्सा जल्द ही ठंडा हो जाता है।

प्रेम और दया सबसे बेहतर रास्ता...

ईश्वर को खुश करने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय करते हैं। मंत्र साधक लाखों बार मंत्र जप करते हैं, भक्ति मार्ग पर चलने वाले लोग मंदिर जाकर ईश्वर की पूजा करते हैं। धूप-दीप आरती से भगवान को प्रसन्न करने की भी कोशिश करते हैं। इतना करने के बाद भी यह पता नहीं होता कि ईश्वर हमें प्यार करता है या नहीं। प्रेम में सफलता तभी मिलती है जब हम जिसे प्यार करते हैं वह हमें प्यार करे। इसलिए हमेशा ऐसा काम करें जिससे ईश्वर आपको प्यार करे। यह काम पूजा-पाठ और मंत्र जप से भी आसान है। सभी धर्म एक बात पर सहमत है कि प्रेम और दया यह दो ऐसे साधन है जिसकी बदलौत हम ईश्वर को मजबूर कर सकते हैं कि वह हमें प्यार करें। प्रेम और दया ऐसी चीज है जिसके लिए न तो धन की जरूरत पड़ती है और न ही किसी दूसरे साधनों की। यह अपने आप में पूर्ण और पवित्र है।

प्रेम के बदले प्रेम

हम किसी के प्रति प्रेमपूर्ण व्यवहार करते हैं तो बदले में हमें भी प्रेम मिलता है। इसका कारण यह है कि जिसके प्रति हम प्रेम दर्शाते हैं उसके हृदय में मौजूद आत्मा जो ईश्वर का स्वरूप होती है वह प्रसन्न होती है और बदले में हमें अपने प्रेम की अनुभूति कराती है। गीता, कुरान अथवा बाइबल सभी में दया को ईश्वर को पाने का माध्यम बताया गया है। ईश्वर को फूल, फल अथवा मंत्र से ध्यान करने का उद्देश्य भी यही है कि हमारा मन निर्मल हो और मन में दया की भावना बढ़े। जिसने दया करना सीख लिया वह ईश्वर का पुत्र हो जाता है।

परमात्मा के समकक्ष

ईसा मसीह, भगवान राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर, साईं सभी ने अपने जीवन में दया का अनुपम परिचय दिया। अपने इसी गुण के कारण ईश्वर ने इन्हें प्यार किया और ईश्वरीय शक्ति इनमें समाहित हो गयी।

यस्य चित्तं द्रवीभूतं कृपया सर्वजंतुष।
तस्य ज्ञानेन मोक्षेण किं जटाभस्मलेपनैः।।

अर्थात जिसका हृदय सभी प्राणियों पर दया करने हेतु द्रवित हो उठता है, उसे ज्ञान, मोक्ष, जटा और भस्म लगाने की क्या जरूरत? भाव यह है कि हमें सभी प्राणियों पर दया करनी चाहिए, उनसे स्नेह करना चाहिए। जो ऐसा करता है, उसका स्थान परमात्मा के समकक्ष हो जाता है।

दया धर्म का मूल

किसी अन्य प्राणी को कष्ट में देखने पर उसके कष्ट दूर करने के उद्देश्य से उसकी सहायता करने की जिस इच्छा का मनुष्य के हृदय में जन्म होता है, वह दया या करुणा कहलाती है। गोस्वामी तुलसी दास जी ने राम चरित मानस में एक दोहे में कहा है-दया धर्म का मूल है पाप मूल अभिमान। तुलसी दया न छोड़िये जब लगि घट में प्राण।।

विचारणीय यह है कि यदि दया धर्म का मूल है तब धर्म को स्थायित्व प्रदान करने और सशक्त बनाये जाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति, जो धर्म में विश्वास रखता है अथवा जो धर्म की उन्नति चाहता है अथवा जो अपने को धर्म का रक्षक कहता है, को अपने अन्दर के दया भाव को जागृत कर उसका प्रयोग धर्म की जड़ों के सशक्तिकरण के लिए करना होगा। सभी प्राणियों पर दया करते हुए असहाय दलितों, वंचितों और गरीबों पर विशेष दया दृष्टि से उनका दर्द कम करना होगा। कोरे भाषण देकर धर्म की पैरबी करने, दयनीय जीवन जी रहे लोगों को अल्पकालिक लालच देकर अपने समुदाय में शामिल करने अथवा उनके इर्द-गिर्द पहरेदार खड़े करने से धर्म की जड़े मजबूत नहीं होंगी।

जीवन के प्रति सजग भाव

जिस मनुष्य में जीवन के प्रति सहज भाव है उसे कहीं जाने की आवश्यकता नहीं है। संत रविदास ने कहा है कि 'मन चंगा तो कठौती में गंगा'। इसके विपरीत बाजार के आर्थिक स्वामी तथा प्रचार प्रबंधक अपने शोर से लोगों के मन को ही भटकाते हैं। जिस धर्म का पालन सही ढंग से एकांत में हो सकता है उसे उन्होंने चौराहे पर चर्चा का विषय बना दिया है। भारत ही नहीं अपितु पूरे विश्व में यही स्थिति है। हर धर्म के ठेकेदार अपने निर्धारित विशिष्ट रंगों के वस्त्र पहनकर यह प्रमाणित करते हैं कि वह अपने समाज के माननीय है। यह अलग बात है कि किसी भी धर्म के मूल प्रवर्तक ने अपने समाज के लिए किसी खास रंग की पहचान नहीं बनाई। इस तरह धर्म को लेकर एक तरह से भ्रम की स्थिति बन गई है। अगर हम प्राचीन ग्रंथों के आधार पर धर्म के सिद्धांत की पहचान करें तो वह आचरण के आधार पर बना हुआ होता है। उसको कोई निश्चित कर्मकांड नहीं है। यही कारण है कि धार्मिक रूप से हमारे यहां एकता है पर कर्मकांडों में स्थान और क्षेत्र के आधार पर भिन्नता पाई जाती है। जहां तक स्वयं धर्म के आधार पर चलने का प्रश्न है तो उस पर अवश्य विचार करना चाहिए। प्रातःकाल उठकर योगसाधना तथा पूजा आदि कर मन को स्वस्थ तथा प्रसन्न चित्त बनाना चाहिए। उससे पूरा दिन अच्छा निकलता है। धर्म को लेकर लोगों से अधिक चर्चा नहीं करना चाहिए क्योंकि अधिकतर लोग इस बारे में अपना ज्ञान बघारते हैं। हमारे आसपास धर्म के मार्ग पर चलने वाले लोग उंगलियों पर गिनती करने लायक ही होते हैं।

आपकी जींस असली है या नकली?

आज के दौर में हर इंसान फैशन के साथ ब्रांडेड कपंनी के कपड़ों के पीछे भागता है जिसके लिए वह बड़ी कीमत देने को भी तैयार रहता है। ब्रांडेड कपड़े परफेक्ट लुक के साथ उभरते भी है। इसलिए लोग इनके पीछे ज्यादा भागते है, लेकिन अक्सर देखा जाता है कि सही कीमत देने के बाद भी हम ब्रांडेड कपड़ों की खरीददारी करते समय धोखा खा ही जाते है। क्योंकि असली जैसी दिखने वाली ब्रांडेड चीज भी नकली हो सकती है। इसलिए आज हम आपको ऐसी जानकारी से अवगत करा रहे हैं। ब्रांड लेविस की जीन्स के बारे में जिसकी असलियत की पहचान कर आप धोखा खाने से बच सकते हैं। तो जाने जींस के असली नकली की पहचान आप किस प्रकार कर सकते हैं।

बटनों में खास मार्क

जो जींस असली होती है उसमें लगने वाली बटनों में खास तरह का मार्क लगा होता है। यदि आपकी जींस में उपयोग किया जाने वाला बटन प्लेन है तो तुरंत ही समझ जाइए की वह जींस नकली ब्रांड की है। हमेशा जींस में आपको लेविस का मार्क खास तरह से लगा हुआ मिलेगा।

555 नंबर

ब्रांड जीस की सही पहचान जानने के लिएउसके बटन में इस बात पर गौर करे कि उसमें लिखा जाने वाला नं. 555 है या नही। अगर नहीं है तो आपकी जींस लेविस ब्रांड का नहीं है। वैसे तो बाजार में आपको अपनी ओर खींचने के लिए कई तरह के अलग अलग ब्रांड के जींस दिखाए जाते हैं। जो ज्यादातर नकली भी होते हैं।

डब्ल्यू33 एल 34

लेविस ब्रांड के जींस की सबसे बड़ी खासियत ये होती है कि इसमें दिए लोगो में डाले गए अंक की लंबाई और चौड़ाई, खास तरह से लिखी होती है। इसमें डब्ल्यू33 एल 34 लिखा मिलेगा यदि आपकी जींस में इस प्रकार का नंबर नही है तो आपकी जींस नकली ब्रांड की है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**